THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 151 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ. 3 2083 सोमवार, 31 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

सैयद फासिउर को सात साल की सश्रम कैद, 48 हजार का जुर्माना भी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, मामले में साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भड़काना और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था।

पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान

यह उन्हें मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान, दोनों देशों के बीच यूरेनियम सप्लाई पर बातचीत

ताशकंद, 30 अगस्त (एजेंसियां)। उज्बेकिस्तान के दौरे पर गए पीएम मोदी को रविवार को राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने अपने देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान 'ओली दाराजली दोस्लिक' से सम्मानित किया। उज्बेक भाषा के इस शब्द का मतलब है- उच्च स्तरीय मित्रता। यह पीएम मोदी को मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

द्विपक्षीय बैठक में यूरेनियम पर बातचीत

मोदी-शावकत के बीच ताशकंद में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक में भारत-उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने 2030 तक सालाना द्विपक्षीय व्यापार को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अभी दोनों देशों के बीच व्यापार 1 अरब डॉलर से ज्यादा है। बैठक के बाद पीएम ने मीडिया को संबोधन किया।

पीएम का संबोधन बड़ी बातें...

दोनों देश रक्षा क्षेत्र में सीधा सहयोग, मिलकर हथियारों का उत्पादन और नई तकनीक विकसित करेंगे। आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को दोनों देश क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा मानते हैं। इन खतरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रखने पर दोनों की सहमति है। भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्तों की मजबूत नींव साझी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत है।

किर्गिस्तान में मोदी के लिए थेपला, खिचड़ी और कढ़ी बनेगी

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में गांधी रेस्टोरेंट के हेड शेफ चिन्मय बडोदेकर ने बताया कि पीएम मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके लिए घर जैसा ताजा गुजराती खाना तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नाश्ते में पोहा, उपमा और इडली-सांभर रखा जाएगा। लंच में थेपला, दाल-चावल और गुजराती सब्जियां परोसी जाएंगी। वहीं डिनर में मोदी के लिए खिचड़ी-कढ़ी बनाई जाएगी। >12

कृष्णा शेषाद्री जिससे पीएम मोदी ने 'मन की बात' में खुद लिया साक्षात्कार, इतिहास को बनाया आसान

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 137वें एपिसोड में मुंबई के कृष्णा शेषाद्री से बातचीत की। पीएम मोदी ने न केवल उनके काम की तारीफ की, बल्कि फोन पर हुई बातचीत को देश-दुनिया के सामने भी साझा किया। कृष्णा ने भारतीय इतिहास को आसान और दिलचस्प तरीके से समझने के लिए एक खास वेबसाइट तैयार की है।

मुंबई के कृष्णा शेषाद्री ने BharatRajya.com नाम की वेबसाइट बनाई है। इसका उद्देश्य भारतीय इतिहास को एक अलग और सरल तरीके से लोगों तक पहुंचाना है। वेबसाइट पर किसी भी वर्ष को चुनकर यह देखा जा सकता है कि उस समय भारत के अलग-अलग हिस्सों में किन राजवंशों या शासकों का शासन था। पीएम मोदी ने कृष्णा के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल केवल इतिहास के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी नहीं है, बल्कि आम लोगों को भी अपने अतीत को रोचक तरीके से समझने का अवसर देती है। >12

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं : मोदी

इस बार 8 करोड़ तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं; देश में एवाकाडो की मांग बढ़ी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मन की बात' का 137वां एपिसोड प्रसारित हो रहा है। पीएम ने कहा कि मन की बात नए प्रयासों सामने लाने का मंच है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया। इसके बाद, तिरंगा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और फिर अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशनों और चौकियों पर लहराता रहा।

उन्होंने आगे कहा कि कहा कि देश में एवाकाडो की मांग तेजी से बढ़ रही है और किसान इसकी खेती से शानदार कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के कडपा में किसान वरदराज ने 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में सप्लाई किया।

पीएम मोदी बोले कि आज बेटियों के सपनों की उड़ान अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। भारत के 'मिशन शक्तिसैट' के जरिए 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी सीखने और इनोवेशन का मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को 'नेशनल स्पेस डे' पर इसकी एक खूबसूरत तस्वीर ग्रेटर नोएडा में देखने को मिली।

पीएम मोदी ने कहा कि 3 सितंबर को महान अभिनेता उत्तम कुमार की जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी। उन्होंने याद किया कि सत्यजीत रे ने फिल्म 'नायक' की स्क्रिप्ट उत्तम कुमार को ध्यान में रखकर ही लिखी थी। पीएम ने कहा कि शुरुआती असफलताओं के बावजूद उत्तम कुमार ने कभी हार नहीं मानी। पीएम मोदी ने कहा कि अगस्त का महीना देशभक्ति के रंगों से भरा रहता है। 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने से यह साल और खास हो गया है।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे

6 इंच छेद कर पाइप से हवा पहुंचाई; बाढ़ से अब तक 804 मौतें

काठमांडू, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है।

त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके।

26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है।

नेपाल के रसुवा जिले की 20 वर्षीय कोपिला तामांग ने बाढ़ में अपने परिवार के 17 सदस्यों को खो दिया। 2015 के भूकंप में उनका घर तबाह हुआ था, लेकिन इस बार बाढ़ उनके नए घर के साथ मां, बहन, दादी और एक महीने के भतीजे समेत कई परिजनों को भी बहा ले गई। कोपिला ने कहा, मैं खुद को बिल्कुल अकेला और खोया हुआ महसूस करती हूं। उनका 7 साल का भाई अब भी मानता है कि उनकी मां वापस आएंगी।

त्रिशूली-3 'ए' प्रोजेक्ट की सुरंग में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए बचाव अभियान जारी है। रेस्क्यू टीम सुरंग के एक दूसरे रास्ते से अंदर जाने की कोशिश कर रही है। टीम को सुरंग का ऊपरी हिस्सा मिल गया है। उसे खोलने के लिए मशीनों से खुदाई की जा रही है। रास्ता साफ और सुरक्षित होने के बाद रेस्क्यू टीम सुरंग के अंदर जाएगी और तलाश अभियान आगे बढ़ाएगी।

चीन सीमा पर बनी बैरियर झील का पानी बहा, दूसरे बाढ़ का खतरा टला

काठमांडू, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सदी की सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहे नेपाल के लिए चीन से राहत की खबर आई है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने रविवार को बताया कि पिछले हफ्ते बर्फ और चट्टान के हिमस्खलन के बाद नेपाल-चीन बॉर्डर के पास बनी बैरियर झील का पानी प्राकृतिक बहाव से पूरी तरह निकल गया है। इससे निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आने का खतरा कम हो गया है। इससे पहले चेतावनी दी गई थी कि यह झील कभी भी फट सकती है, क्योंकि इसमें 20 लाख घन मीटर पानी भरा हुआ है और इसकी मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। यह झील नेपाल की छोचेन खोला और चीन की पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास बनी थी। यह झील लांगटांग री के उत्तरी हिस्से में बुधवार को ग्लेशियर के टूटने से बनी थी, जिसके कारण भोटेकोशी नदी सिस्टम में भयानक बाढ़ आ गई थी। 'चाइना डेली' ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि रुकावट के पीछे लगभग 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया था। मंत्रालय की हाइड्रोलॉजिकल इमरजेंसी मॉनिटरिंग टीम ने कहा कि अब पानी प्राकृतिक रास्तों से सामान्य रूप से बह रहा है और जमा हुआ पानी लगभग पूरी तरह निकल चुका है।

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे

पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पहचान छिपाने की कोशिश

श्रीनगर, 30 अगस्त (एजेंसियां)।पाकिस्तान में बैठे आतंकी सीक्रेट चैटिंग के लिए अब पोर्न वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इसका सबसे ज्यादा यूज कर रहे हैं। आतंकी इसके जरिए जम्मू-कश्मीर में भर्ती किए गए लोगों तक मैसेज पहुंचा रहे हैं। ताकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी से बचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इन पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर रियल-टाइम चैट टूल मौजूद होते हैं। जो आसपास डेट (पार्टनर) ढूंढने में मदद करने के नाम पर काम करते हैं। लेकिन हैंडलर्स इनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधि के लिए कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई खास डिजिटल टूल्स की जांच शुरू की है। आतंकी हैंडलर कोटेक्स और कोनियन जैसे टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। ये ऐप्स डेटा को एन्क्रिप्टेड नोड्स के जरिए भेजते हैं और यूजर की पहचान छिपाते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भारत में कोनियन की एपीके फाइल तक पहुंच पर रोक है। एपीके यानी एंड्रॉयड पैकेज किट वह फाइल फॉर्मेट है, जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप्स को बांटने और इंस्टॉल करने के लिए करता है। इसके अलावा, आतंकी फ्रांस बेस्ड ऐसे ऐप का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसमें सिम कार्ड या फोन नंबर की जरूरत के बिना एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा है। इससे यूजर की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। एजेंसियां वियतनाम आधारित ऐप्स की भी निगरानी कर रही हैं। इसके साथ ही मूनचैट जैसे गुमनाम प्लेटफॉर्म भी जांच के दायरे में हैं। मूनचैट में पीजीपी-एन्क्रिप्टेड वर्जन शामिल हैं, जिनके चीनी मूल के होने का शक है और इनमें पारंपरिक रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होती। मूनचैट के कई वर्जन ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल आसपास मौजूद सिंगल लोगों को खोजने के लिए किया जाता है।

'सवाल पूछना विद्रोह नहीं'

जस्टिस उज्जल भुइयां ने कहा- लोकतंत्र में अलग आवाजों को सुना जाए

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने रविवार को कहा कि अलग राय रखने या सवाल पूछने वाले छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। ऐसा करना असांविधानिक और सत्ता का दुरुपयोग है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां स्थापित धारणाओं की जांच और सवाल किए जा सकें तथा असहमति का जवाब दुश्मनी से नहीं दिया जाए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां स्वतंत्र रूप से सोचने की आदत विकसित होती है और छात्र कठिन सवाल पूछने में संकोच नहीं करता। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार विद्रोह नहीं है और असहिष्णु सोच भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

विधि छात्रों से जस्टिस भुइयां ने क्या-क्या कहा?

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, जब छात्र अलग दृष्टिकोण रखते हैं, जब छात्र सवाल पूछते हैं, तो उन्हें दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। यह असांविधानिक है। यह सत्ता और पद का दुरुपयोग है।

उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां व्यक्ति ऐसे विचारों से रूबरू होते हैं, जो उनके अपने विचारों से अलग हो सकते हैं। जहां स्थापित धारणाओं की जांच और सवाल किए जा सकते हैं और जहां असहमति दुश्मनी के बजाय तर्क के जरिए व्यक्त की जा सकती है। अगर हम ऐसा लोकतांत्रिक समाज चाहते हैं, जो स्वतंत्रता और भिन्नता का सम्मान करता हो, तो इस संस्कृति की शुरुआत विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए।

असहिष्णु सोच को लेकर क्या बोले जस्टिस उज्जल भुइयां?

दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन के दौरान न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि भारतीय संविधान यह मानता है कि एक स्वतंत्र समाज में अलग-अलग विचार और मान्यताएं होंगी। सार्वजनिक जीवन में सार्थक भागीदारी तभी संभव है, जब असहमति के लिए जगह हो। उन्होंने कहा कि सहिष्णुता एक सांविधानिक मूल्य है। बुद्ध और गांधी की भूमि भारत में असहिष्णु सोच के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह भी एक तरह की हिंसा है।

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, हमारा संविधान अलग तरीके से बोलने, सोचने और विश्वास करने की स्वतंत्रता की रक्षा करता है। असहिष्णुता उस व्यवस्था को कमजोर करने लगती है, जब असहमति या विरोध को वैध मतभेद के रूप में स्वीकार करने के बजाय उसे दबाने, खारिज करने या दंडित करने की कोशिश की

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें

बिलबोर्ड विवाद मामले में पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

कोलकाता, 30 अगस्त (एजेंसियां)। इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। शनिवार देर शाम बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओ'ब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया।

गुरुवार को अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे।

इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सड़क की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को केएमसी के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई।

'ऑपरेशन सिंदूर' में महिला पायलटों और सैनिकों ने आतंकवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज, सैनिक स्कूलों के दरवाजे लड़कियों के लिए खोले गए हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना से लड़कियों को सशक्त बनाया जा रहा है। लखपति दीदी जैसी पहलों से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश की वीरांगनाओं ने रणभूमि में भी अपना शौर्य दिखाया है और राजपाट में भी सुशासन के नए कीर्तिमान लिखे हैं। भारत की महिलाओं ने हर युग में अपनी क्षमता साबित की है। आज भारत की महिलाएं सेना, पुलिस, विज्ञान, खेल, शिक्षा, प्रशासन और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। वे सियाचिन की ऊंचाइयों से लेकर समंदर की गहराइयों तक देश की सुरक्षा को और भी मजबूत कर रही हैं।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नए भारत की नारी शक्ति है जो हर क्षेत्र में आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही है। नारी शक्ति को और आत्मविश्वासी और सशक्त बनाने के लिए सरकार ने उन्हें अधिकार, अवसर, सुरक्षा और सम्मान देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी की इस प्रतिमा का लोकार्पण करके, वह बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। 1857 में स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में उन्होंने जिस साहस के साथ अंग्रेजों का सामना किया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी जी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी जी के नाम पर पीएसी की बटालियनों का नाम रखा गया है। ऐसे ही बदायूं में रानी अवंतीबाई लोधी जी के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का गठन किया जा रहा है।

प्रियंका गांधी ने खड़गे की रैली वाली जगह को 'शुद्ध' करने वालों के खिलाफ एफआईआर की मांग की

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि वे उत्तराखंड के हल्द्वानी में उस जगह पर 'शुद्धिकरण' करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाएं, जहां पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस महीने की शुरुआत में रैली को संबोधित किया था। प्रियंका ने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने घटना के करीब 20 दिन बाद भी केंद्र सरकार की कथित निष्क्रियता पर सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर हिंदी में एक पोस्ट में उन्होंने कहा, अगर प्रधानमंत्री मोदी सच में संविधान का सम्मान करते हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्तराखंड में यह अपराध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को खड़गे की रैली के बाद बीजेपी-आरएसएस से जुड़े लोगों ने मंच को शुद्ध किया था। उन्होंने इस हरकत को संविधान और एससी/एसटी एक्ट का उल्लंघन बताया। प्रियंका ने शनिवार को राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता ने भी ऐसी ही मांग की थी। राहुल गांधी ने इस घटना को छुआछूत का प्रदर्शन बताया और ऐसी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

गांधी ने उत्तराखंड बीजेपी अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की भी आलोचना की, जिन्होंने कथित तौर पर शुद्धिकरण समारोह का बचाव किया था। उन्होंने सवाल किया कि करीब 20 दिन बीत जाने के बाद भी कोई एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई। कांग्रेस ने भट्ट पर समारोह को सही ठहराने का आरोप लगाया है।

भारत के डीएनए में एकता-विविधता : भागवत

हम अलग होकर भी एकदूसरे से जुड़े, गलत सोच इंसान को जानवरों के करीब ले जाती है

न्यूयार्क, 30 अगस्त (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात करीब 42 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। लोग अलग दिखते हैं, उनके रहने के तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है।

भागवत ने कहा- विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने आगे कहा- सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को भगवान के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है।

न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में 5,000 से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (अहेड) ने किया।

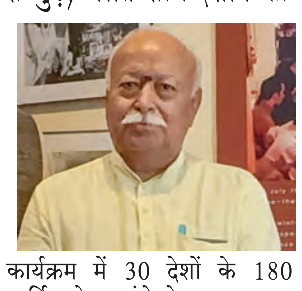

कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेता पहुंचे थे।

भागवत के भाषण की 5 बड़ी बातें

1. धर्म सिर्फ पूजा नहीं, जीवन को संतुलित रखने का नियम: भागवत ने कहा कि भारत में जिस सिद्धांत को धर्म कहा जाता है, उसे सिर्फ धर्म या पूजा के तौर पर नहीं समझना चाहिए। धर्म वह व्यवस्था है जो ब्रह्मांड और जीवन को संभालती है। यह जीवन की अलग-अलग स्थितियों के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

2. सिर्फ भौतिक सुख से जिंदगी में संतुष्टि नहीं मिलती: भागवत ने कहा कि पैसा, सामान और दूसरी भौतिक सुविधाएं हमेशा खुशी नहीं दे सकतीं। भौतिक सुख अस्थायी होता है और बहुत ज्यादा सुविधाएं होने के बावजूद संतुष्टि की कमी रह सकती है।

3. अमेरिका कर्मभूमि है, उसके प्रति सच्चे रहें: अमेरिका में रहने वाले भारतीयों से भागवत ने कहा कि आपकी पहली जिम्मेदारी अपनी कर्मभूमि के प्रति है, उसके प्रति वफादार रहना चाहिए।

4. जीवन में सीधे संन्यास नहीं, हर पड़ाव की अपनी जिम्मेदारी: भागवत ने कहा कि इंसान के जीवन में चार चरण होते हैं- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। पहले सीखना, फिर परिवार और समाज को संभालना और बाद में अपने अनुभव अगली पीढ़ी को देना जरूरी है।

5. व्यक्ति, समाज और पर्यावरण साथ आगे बढ़ें: भागवत ने कहा कि प्रगति के लिए न व्यक्ति को दबाना चाहिए और न समाज को। व्यक्ति, समाज और पर्यावरण की भलाई साथ-साथ होनी चाहिए।

कश्मीर की खूबसूरत द्रंग घाटी की खराब सड़क बनी बड़ी बाधा

महबूबा मुफ्ती ने सीएम उमर से की मरम्मत की अपील

श्रीनगर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बारामुला जिले के तंगमर्ग के पास स्थित द्रंग पर्यटन स्थल की खराब सड़क को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर द्रंग में बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होने की पूरी क्षमता है, लेकिन सड़क की खराब हालत पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से सड़क की मरम्मत जल्द कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तंगमर्ग से द्रंग तक जाने वाली सड़क की स्थिति बेहद खराब है, जिसके कारण यह खूबसूरत पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए लगभग दुर्गम हो गया है।

महबूबा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अपनी मां गुलशन नजीर के साथ द्रंग का दौरा किया। उन्होंने इस क्षेत्र को बेहद खूबसूरत बताते हुए यहां के आकर्षक झरने और प्राकृतिक नजारों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि द्रंग की प्राकृतिक सुंदरता इसे जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने की क्षमता रखती है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि द्रंग को जम्मू-कश्मीर के पर्यटन मानचित्र पर उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सड़क की स्थिति बेहतर होने से यहां पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

सिब्बल का भागवत पर निशाना

कहा- विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की अमेरिका में की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। भागवत ने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है। सिब्बल ने कहा कि सिर्फ शब्द मायने नहीं रखते, बल्कि काम भी दिखाई देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता और निर्दलीय राज्यसभा सांसद सिब्बल ने भागवत की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे विदेश में समझदारी की बातें और देश में चुप्पी का मामला बताया। सिब्बल ने एक्स पर कहा, न्यूयॉर्क में भागवतः 'विविधता हमारी स्वाभाविक एकता की शोभा है। इसकी रक्षा की जानी चाहिए।' विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी।

शब्द मायने नहीं रखते, काम बोलना चाहिए! सिब्बल की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसे मनाया, सम्मानित और स्वीकार किया जाना चाहिए।

अमेरिका में मोहन भागवत ने दिया था क्या बयान?

भागवत ने शनिवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 6,000 से अधिक सदस्य और विभिन्न धर्मों के नेता शामिल हुए। यह कार्यक्रम अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (एएचईएडी) मंच की ओर से आयोजित किया गया था। भागवत ने कहा, जब हम अमेरिका, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कहते हैं, तो एक शब्द पर अक्सर चर्चा होती है और वह है बहुलवाद। जब हम भारत कहते हैं, तो एक और वाक्यांश की चर्चा होती है- विविधता में एकता। उन्होंने कहा कि भारत के लिए एकता और विविधता दोनों उसके डीएनए में हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के संदेश का जिक्र करते हुए कहा कि हर राष्ट्र का एक मिशन होता है और उसे एक नियति पूरी करनी होती है।

भारत की विविधता में एकता को लेकर क्या बोले भागवत?

आरएसएस प्रमुख ने कहा, भारत को क्या नियति मिली है? भारत इस विविधता में एकता को समझने और समय-समय पर दुनिया को इसका एहसास कराने के लिए है। हम एक हैं और इसी विविधता के कारण उस एकता की शोभा होती है। उन्होंने आगे कहा, विविधता का जश्न मनाया जाना चाहिए, उसका सम्मान और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। साथ ही, हमें एकता की इस भावना को ध्यान में रखना चाहिए। यह एक बहुत वास्तविक भावना है।

पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की तबीयत बिगड़ने के बाद चेन्नई रेफर

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद पटना के एक अस्पताल में उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया। लेकिन तबीयत में सुधार नहीं होने की वजह से उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया गया। इसके बाद उन्हें चेन्नई रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, लगभग एक सप्ताह पहले पटना स्थित आवास पर सूरजभान सिंह की तबीयत बिगड़ गई थी। अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया था। फिलहाल बेहतर इलाज के लिए उन्हें चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने जांच के बाद सीरियस कार्डियक अरेस्ट की पुष्टि की। लेकिन उपचार के बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए दिल्ली ले जाने का निर्णय लिया गया। सूरजभान सिंह को एयर एंबुलेंस से पटना से दिल्ली लाया गया, जहां उन्हें फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां भी स्थिति में पर्याप्त सुधार नहीं होने के बाद डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें चेन्नई शिफ्ट किया गया।

मल्लिकार्जुन शुद्धीकरण पर फिर बवाल

हल्द्वानी रामलीला मैदान में कांग्रेसियों का मौन आज, नहीं मिली मंजूरी

हल्द्वानी, 30 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद हुए शुद्धीकरण कार्यक्रम के विरोध में रविवार शाम रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले मौन कार्यक्रम को अनुमति नहीं मिली। हालांकि, कांग्रेसियों का कहना है कि कार्यक्रम होकर रहेगा। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष इंद्रपाल आर्य ने आयोजन को लेकर प्रशासन से अनुमति मांगी थी। लेकिन पुलिस रिपोर्ट के आधार पर अनुमति देने से इंकार कर दिया गया। कांग्रेसियों को शहर के तय धरनास्थल यानी बुद्ध पार्क में कार्यक्रम करने को कहा गया है। वहीं, आयोजनकर्ता आर्य ने कहा कि समानता, समरसता और भाई-चारे के संदेश के साथ शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम आयोजित होना था।

अगर उन्हें बुद्ध पार्क में ही कार्यक्रम करना था तो अनुमति क्यों मांगते? शुद्धीकरण के माध्यम से भाजपा ने संविधान की मूल भावना का अपमान किया है। सीएम के दौरे के बाद ही प्रशासन ने अनुमति देने से मना किया है। लेकिन कांग्रेसी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से रामलीला मैदान में ही कार्यक्रम करेंगे।

अमृतसर एयरपोर्ट पर फूटा यात्रियों का गुस्सा

17 घंटे लेट हुई स्पाइसजेट की दुबई फ्लाइट; जम कर काटा बवाल

अमृतसर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार सुबह स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली फ्लाइट के 17 घंटे लेट पर यात्रियों का गुस्सा फूटा। यात्रियों ने एयरलाइन प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी और हंगामा किया। यात्रियों के अनुसार, दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट का निर्धारित समय पहले सुबह 8:40 बजे था। इसके बाद समय बढ़ाकर सुबह 11:00 बजे कर दिया गया।

यात्री जब एयरपोर्ट काउंटर पर पहुंचे, तो उन्हें अचानक सूचित किया गया कि फ्लाइट अब 17 घंटे की देरी से उड़ान भरेगी। इतनी लंबी देरी की सूचना मिलते ही यात्री भड़क उठे और काउंटर पर हंगामा शुरू कर दिया। परेशान यात्रियों का आरोप है कि एयरलाइन की तरफ से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है और न ही स्थिति स्पष्ट की जा रही है। यात्रियों ने कहाः 17 घंटे की देरी के बावजूद वैकल्पिक टिकट या ठहरने (होटल) की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

एयरपोर्ट पर बुनियादी सुविधाओं के अभाव में परिवार और बच्चे घंटों से परेशान हो रहे हैं। यात्रियों ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के नियमों का हवाला देते हुए कहा कि इतनी लंबी देरी की स्थिति में नियमानुसार यात्रियों को पूरा रिफंड या तुरंत वैकल्पिक उड़ान की सुविधा मिलनी चाहिए।

ड्यूटी के दौरान थमीं जवानों की सांसें

जम्मू-कश्मीर में फायर सर्विस के दो कर्मियों की हार्ट अटैक से मौत

श्रीनगर। घाटी में जम्मू-कश्मीर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के दो कर्मियों की अपने-अपने तैनातीस्थल पर हृदयाघात से मौत हो गई। इनमें एक कर्मी श्रीनगर और दूसरा बड़गाम में तैनात था। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के बेमिना निवासी बिलाल अहमद को बटामालू स्थित अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मुख्यालय में ड्यूटी के दौरान हृदयाघात हुआ। अहमद 1998 बैच के सदस्य थे और मुख्यालय में तैनात थे, जहां वह ड्यूटी निभा रहे थे। एक अन्य घटना में, गुलाम कादिर को बड़गाम के मागाम स्थित फायर स्टेशन में ड्यूटी के दौरान हृदयाघात हुआ। पोस्टमार्टम व अन्य कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद दोनों के पार्थिव शरीर उनके स्वजन को सौंप दिए गए।

एमके स्टालिन की सुरक्षा में कटौती

जेड प्लस से घटाकर जेड कैटेगरी की गई

चेन्नई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु पुलिस ने सुरक्षा प्राप्त राजनीतिक नेताओं को मिलने वाले खतरों की समय-समय पर होने वाली समीक्षा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम।के। स्टालिन की सुरक्षा को जेड प्लस श्रेणी से घटाकर जेड श्रेणी कर दिया है। यह फैसला राज्य सचिवालय में कोर सेल सिक्योरिटी विंग की समीक्षा के बाद लिया गया। मुख्य सचिव साई कुमार, गृह सचिव के। मणिवसन, पुलिस महानिदेशक महेश कुमार अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस प्रक्रिया में हिस्सा लिया और खुफिया जानकारी व स्टालिन की सुरक्षा जरूरतों की समीक्षा की। नई व्यवस्था के तहत स्टालिन को काफी पुलिस सुरक्षा मिलती रहेगी। उनके काफिले के आगे, बीच और पीछे सुरक्षा टीमें तैनात रहेंगी।

इस सुरक्षा घेरे में यात्रा और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान उनकी सुरक्षा के लिए पायलट, एस्कॉर्ट, बैकअप और क्लोज-प्रोटेक्शन गाड़ियां शामिल होंगी। अधिकारियों ने इस बदलाव को सुरक्षा हटाने के बजाय तैनाती को तर्कसंगत बनाने का कदम बताया। स्टालिन की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया। नई सुरक्षा व्यवस्था अगली समीक्षा तक लागू रहेगी, जब तक कि कोई नई खुफिया जानकारी मिलने पर उससे पहले समीक्षा की जरूरत न पड़े। तमिलनाडु में वीआईपी और वीवीआईपी लोगों को दी जाने वाली सुरक्षा की हर छह महीने में समीक्षा की जाती है।

इस प्रक्रिया में खुफिया रिपोर्ट, खतरों की प्रकृति और तात्कालिकता, लोगों के बीच मौजूदगी, यात्रा के तौर-तरीके और सुरक्षा की जरूरतों पर विचार किया जाता है।

निलंबित डीएसपी नेहा पच्चीसिया पर शिकंजा, विदेश भागने की आशंका में लुकआउट नोटिस की तैयारी

कटनी, 30 अगस्त (एजेंसियां)। कटनी की निलंबित डीएसपी नेहा पच्चीसिया पर अब कानून का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। जिस पुलिस विभाग में वह अधिकारी थीं, उसी विभाग ने अब उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विदेश भागने की आशंका के बीच यह कदम उठाया गया है। इससे पहले कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो चुकी है और गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया जा चुका है। कटनी के बहुचर्चित जमीन सौदेबाजी मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद से निलंबित डीएसपी नेहा पच्चीसिया, क्षितिज राज बारापात्रे और मारूफ अहमद हनफी फरार हैं। पुलिस का मानना है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी विदेश भागने की कोशिश कर सकते हैं। इसी आशंका को देखते हुए उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कराने के लिए संबंधित एजेंसियों को पत्र भेजा गया है। नोटिस जारी होने के बाद यदि आरोपी किसी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट या इमिग्रेशन चेक पोस्ट से देश छोड़ने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें रोका जा सकेगा और पुलिस को तत्काल सूचना दी जाएगी।

इससे पहले नेहा पच्चीसिया और क्षितिज राज बारापात्रे ने गिरफ्तारी से राहत के लिए जिला न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज कर दी। कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई और तेज कर दी है। कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक, तीनों फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस और एसआईटी की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और संभावित ठिकानों की तलाश में जुटी हैं।

बाढ़ के बीच पैदल निकले सीएम मोहन यादव

प्रभावितों के घर पहुंचे; बोले- सरकार आपके साथ

चित्रकूट, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव रविवार को बाढ़ की गंभीर स्थिति का जायजा लेने चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से आरोग्यधाम चित्रकूट हेलीपैड पहुंचे, जहां से वे प्राचीन मुखार बिन्द के पास स्थित आश्रय स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका कुशल-क्षेम जाना और उन्हें राहत सहायता वितरित की। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन को भोजन, पेयजल, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चित्रकूट में अतिवृष्टि के कारण सेमरावल एवं मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी है। प्रशासन और राहत-बचाव दल लगातार प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं है। वहीं, बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है, ताकि नियमानुसार राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने चित्रकूट के रामधाम मोहल्ले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया।

वे कीचड़ और जलभराव के बीच पैदल चलकर प्रभावित परिवारों के घरों तक पहुंचे और बाढ़ से हुए नुकसान को मौके पर देखा। मुख्यमंत्री ने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर परिवार से चर्चा की। उन्होंने घर में पानी भरने से हुए नुकसान की जानकारी ली और परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। इसके बाद मुख्यमंत्री सतना-चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचे।

यहां उन्होंने दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रभावित दुकानदार और अन्य लोगों को आश्वस्त किया कि कठिन परिस्थितियों में सरकार उनके साथ है। उन्होंने कहा कि नियमों के तहत पात्र प्रभावितों को हरसंभव राहत और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

7 हफ्ते की गर्भवती थी, पेड़ से बांधकर जला डाला

चंडीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। चंडीगढ़ से अगवा कर पंजाब के मोरिंडा में जिंदा जलाई गई 28 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनजीत कौर की मौत के मामले में बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, मोरिंडा में बर्बरता का शिकार हुई मनजीत कौर अपनी मौत के समय करीब 7 सप्ताह (सात हफ्ते) की गर्भवती थीं। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में करीब 52 दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद 26 अगस्त को मनजीत ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पुलिस में दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार, यह खौफनाक वारदात 3 जुलाई को शुरू हुई थी। आरोपी मनजीत को चंडीगढ़ से जबरन एक कार में बैठाकर मोरिंडा ले गए। आरोप है कि वहां उनके साथ मारपीट की गई और फिर एक शहतूत के पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही मनजीत का एक दोस्त मौके पर पहुंचा और उसने कंबल डालकर आग बुझाई।

इसके बाद उसे तुरंत मोरिंडा के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए मोहाली के एक निजी अस्पताल और बाद में 9 जुलाई को पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया। करीब एक महीने तक वेंटिलेटर और बर्न वार्ड में रहने के बाद मनजीत कौर को 5 अगस्त को थोड़ी देर के लिए होश आया था। हालांकि, शरीर का बड़ा हिस्सा झुलस जाने और अंदरूनी अंगों में संक्रमण के कारण उनकी स्थिति

बिगड़ती चली गई और 26 अगस्त को उनकी मौत हो गई। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मनजीत तलाकशुदा थीं और उनका एक 7 साल का बेटा है, जो उनके पूर्व पति के साथ रहता है। मनजीत कौर की मां की शिकायत के आधार पर चंडीगढ़ पुलिस ने दो मुख्य संदिग्धों, शुभी और पिंडा के खिलाफ अपहरण, हत्या और साजिश रचने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

घटना के बाद से ही दोनों आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है। चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि वे चंडीगढ़ से मोरिंडा तक के रास्ते के तमाम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। साथ ही मनजीत के परिचितों से पूछताछ की जा रही है ताकि अपहरण के पीछे की मुख्य वजह और वारदात के सही घटनाक्रम का पता लगाया जा सके। फिलहाल, परिवार के अंतिम संस्कार और अंतिम क्रियाकर्मों में व्यस्त होने के कारण उनका विस्तृत बयान दर्ज होना बाकी है।

किडनी तस्करी गिरोह का खुलासा, रेट चार्ट के साथ तस्कर गिरफ्तार, सामने आया अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन

कोलकाता, 30 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में किडनी तस्करी गिरोह की तलाश जारी है। जांच शुरू होते ही पुलिस को सनसनीखेज जानकारी मिली। बंगाल में किडनी तस्करी गिरोह में बांग्लादेश का भी नाम जुड़ गया है। किडनी तस्करी गिरोह में पहले भी पकड़े गए एक बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी मिली है कि बांग्लादेशी नागरिक रसेल अहमद को बागूइयाती के अतघरा फुलतला से गिरफ्तार किया गया है। उन्हें कल रात बंगाल एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें बिधाननगर दक्षिण पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि रसेल पहले भी पकड़ा जा चुका है। पुलिस रिकॉड के अनुसार 2024 में, रसेल को किडनी तस्करी गिरोह में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। उस समय पता चला था कि बांग्लादेशी नागरिक रसेल भारत में अवैध रूप से दाखिल हुआ था और उसने आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवा लिए थे। कुछ दिन पहले पुलिस ने गुर्दा तस्करी गिरोह में शामिल प्रभास मंडल को गिरफ्तार किया था। प्रभास से पूछताछ के दौरान रसेल का नाम सामने आया। यह गुर्दा तस्करी गिरोह भारत-बांग्लादेश सीमा पर फैला हुआ है। रसेल किराए के मकान में अवैध रूप से रह कर किडनी तस्करी गिरोह का जाल फैला रहा था। 18 अगस्त को पीड़ित के पिता ने पहली बार शिकायत दर्ज कराई। उस शिकायत के आधार पर बिधाननगर पुलिस ने तस्करी गिरोह के बिचौलिए प्रभास को गिरफ्तार किया।

एयरपोर्ट का स्टाफ मेंबर ही कर रहा था सोने की तस्करी

10.75 करोड़ के 16 कैप्सूल बरामद, 6 गिरफ्तार

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की मुंबई जोनल यूनिट ने मल्टी नेशनल गोल्ड स्मगलिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर 10.75 करोड़ रुपये के सोने के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया है। खास इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुंबई डीआरआई के अधिकारियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने विदेश से सोने की स्मगलिंग में शामिल ऑर्गनाइज़्ड सिंडिकेट का पर्दाफाश किया। इस सिंडिकेट में मुंबई के रास्ते दुबई, बैंकॉक और माले के बीच यात्रा करने वाले ट्रांजिट पैसेंजर के साथ-साथ एयरपोर्ट का स्टाफ मेंबर भी शामिल था। डीआरआई की टीम ने 29 अगस्त को ऑपरेशन मिडनाइट गोल्डस्ट्राइकर चलाया। इसके तहत अधिकारियों ने एक एयरपोर्ट स्टाफ मेंबर को सोने की तस्करी करते पकड़ा। आरोपी वैक्स के रूप में सोने की धूल वाले सात कैप्सूल लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकल रहा था। पूछताछ करने पर, एयरपोर्ट स्टाफ मेंबर ने बताया कि ट्रांजिट पैसेंजर भी स्मगलिंग और एयरपोर्ट से सोने को चुपके से निकालने में शामिल थे।

डीआरआई अधिकारियों की बाद की कार्रवाई से सिंडिकेट के दूसरे सदस्यों की पहचान हुई और उन्हें पकड़ा गया और सोने के और कैप्सूल बरामद हुए। कुल मिलाकर, 16 कैप्सूल बरामद किए गए जिनमें 6.859 किलोग्राम 24-कैरेट सोने की धूल थी, जिसकी कीमत लगभग 10.75 करोड़ थी। उन्हें कस्टम एक्ट, 1962 के नियमों के तहत जब्त कर लिया गया। सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनमें पांच ट्रांजिट यात्री (सभी बांग्लादेशी नागरिक) और एक एयरपोर्ट स्टाफ सदस्य शामिल थे। आगे की जांच जारी है।

डीआरआई ने ऑर्गनाइज्ड स्मगलिंग में एयरपोर्ट के अंदर के स्टाफ के शामिल होने का खुलासा किया है, जिसके गंभीर सुरक्षा और आर्थिक असर हो सकते हैं। इसके अलावा, यह ऑपरेशन ऑर्गनाइज़्ड स्मगलिंग नेटवर्क से निपटने और लगातार, इंटेलिजेंस से चलने वाली कार्रवाई के जरिए सोने के गैर-कानूनी व्यापार को रोकने के डीआरआई के लगातार कमिटमेंट को दिखाता है। इससे पहले अहमदाबाद एयरपोर्ट में भी 49 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का सोना पकड़ा गया था।

सीआईएसएफ के जवानों ने दुबई से लौटे एक भारतीय यात्री को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर मुंह में कथित तौर पर सोने के 82 ग्राम वजन वाले कैप्सूल छिपाकर ले जाते हुए पकड़ा। सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारी केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर सुबह करीब 7:30 बजे हुई। एक पुरुष यात्री गाजियाबाद जाने वाली फ्लाइट में सवार होने के लिए सुरक्षा जांच की प्रक्रिया से गुजर रहा था। उन्होंने बताया कि यह यात्री तड़के दुबई से आए एक विमान से बेंगलुरु पहुंचा था।

अधिकारी के मुताबिक, यात्रियों की नियमित सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों ने देखा कि यात्री संदिग्ध तरीके से व्यवहार कर रहा था और सवालों का ठीक से जवाब नहीं दे रहा था। उन्होंने बताया कि यात्री के मुंह में दो कैप्सूल मिले, जिनमें लगभग 82 ग्राम संदिग्ध सोना छिपाकर रखा गया था। अधिकारी के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार कर आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि कैप्सूल में छिपाकर रखे गए संदिग्ध सोने को शुद्धता की जांच के लिए भेजा गया है। सीआईएसएफ अधिकारियों ने कहा कि भले ही सोने की मात्रा कम थी, लेकिन यह मामला इसलिए अहम है, क्योंकि संदिग्ध ने सोने को छिपाने के लिए बहुत ही अनोखे और दुर्लभ तरीके का इस्तेमाल किया था।

सुविचार: सोते हुए को जगाना आसाना है। जो सोया हुआ जैसा है। उसे कैसे जगाया जाए।

गोदावरी पुष्करालु का आयोजन देशभर में तेलंगाना की विशेष पहचान बने : कोंडा सुरेखा

पुष्करालु की तैयारियों के लिए प्रजाभवन में विशेष अधिकारी कार्यालय शुरू

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अगले वर्ष होने वाले गोदावरी पुष्करालु की तैयारियों को गति देने के लिए प्रजाभवन की पहली मंजिल पर विशेष अधिकारी कार्यालय शुरू किया गया।

वन, पर्यावरण एवं देवस्थान विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यालय का उद्घाटन किया और देवस्थान विभाग के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार गोदावरी पुष्करालु का आयोजन इस तरह किया जाएगा कि देशभर में तेलंगाना की विशेष पहचान बने। उन्होंने कहा कि पुष्करालु में आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव के साथ तेलंगाना की मेहमाननवाजी, संस्कृति और परंपराओं की झलक मिलनी चाहिए। मंत्री ने बताया कि पुष्करालु 26 जून से 7 जुलाई 2027 तक आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इसके लिए 1,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। विशेष अधिकारी कार्यालय विभिन्न सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों और देवस्थान विभाग के बीच समन्वय केंद्र के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए घाटों का विकास, पेयजल, स्वच्छता, परिवहन, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा, चिकित्सा और बिजली जैसी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रथम और द्वितीय स्तर के क्षेत्रों में करीब 2 किलोमीटर घाटों का निर्माण शुरू हो चुका है, जबकि प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्तर को मिलाकर पांच किलोमीटर से अधिक घाट विकसित किए जाएंगे। कोंडा सुरेखा ने पुराने घाटों को मजबूत करने और नए घाटों का निर्माण स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने नेपाल में हाल की बाढ़ में भी मजबूती से खड़े एक मकान का उदाहरण देते हुए कहा कि पुष्करालु के निर्माण कार्यों में जल्दबाजी के बजाय गुणवत्ता और मजबूती को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने घाटों पर मजबूत सुरक्षा जालियां लगाने तथा महिलाओं के लिए वस्त्र बदलने की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि गोदावरी क्षेत्र के मंदिरों और पुष्करालु से जुड़े विकास कार्य ऐसे हों, जिन्हें आने वाली पीढ़ियां भी याद रखें। कार्यक्रम में देवस्थान विभाग के निदेशक हनुमंतराव सहित अधिकारी, अभियंता, वास्तुकार और ठेकेदार उपस्थित रहे।

जीएचएमसी आयुक्त ने एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन-2026 को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आर. वी. कर्णन ने रविवार को एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन-2026 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने हजारों धावकों के साथ फिटनेस, सहनशक्ति और सामुदायिक भावना का उत्सव मनाया। शहर में आयोजित इस विशाल खेल आयोजन में करीब 32 हजार धावकों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, हाफ मैराथन और फुल मैराथन की विभिन्न श्रेणियों में दौड़ लगाई। आयोजन ने हैदराबाद में लगातार बढ़ रही फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली की संस्कृति को प्रदर्शित किया। बड़ी संख्या में युवाओं, खेलप्रेमियों और नागरिकों की भागीदारी ने शहर में स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति बढ़ती जागरूकता को भी उजागर किया।

मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच 3 सितंबर को दिल्ली जा सकते हैं रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के 3 सितंबर को नई दिल्ली जाने की संभावना है। विधानसभा का सत्र 7 सितंबर से शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री के इस संभावित दौरे को मंत्रिमंडल विस्तार और कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है। इस संबंध में उनके अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने की संभावना है। वन मंत्री कोंडा सुरेखा से जुड़े विवाद के बीच उन्होंने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बेंगलुरु में मुलाकात की थी। इसके कुछ दिनों बाद उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने भी खड़गे से मुलाकात की। कोंडा सुरेखा से जुड़े घटनाक्रम पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति की अनुशासन समिति अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को सौंप चुकी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि रिपोर्ट अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजी गई है या नहीं। रेवंत रेड्डी के दिल्ली दौरे के बीच इस रिपोर्ट और कोंडा सुरेखा के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व से चर्चा की अटकलें तेज हो गई हैं।

साथ ही कई विधायक मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए शीर्ष नेतृत्व से संपर्क कर रहे हैं। राज्य मंत्रिमंडल में फिलहाल दो पद रिक्त हैं। संभावित फेरबदल में कुछ मंत्रियों को हटाया जाता है तो चार विधायकों या विधान परिषद सदस्यों को मंत्री बनाए जाने की संभावना बन सकती है। पिछड़ा वर्ग कोटे से गदवाल विजयलक्ष्मी, आदि श्रीनिवास और विजयशांति के नाम भी संभावित दावेदारों में चर्चा में हैं।

मस्तफापुर के विकास के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे : पोन्नम प्रभाकर

मंत्री ने कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि मस्तफापुर गांव के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी। हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के भीमदेवरपल्ली मंडल में आयोजित 'पल्ले-पल्ले को पोन्नम अन्ना हर गांव में प्रजापालन' कार्यक्रम के तहत उन्होंने मस्तफापुर में अधिकारियों के साथ विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की।

मंत्री ने बताया कि गौरेवेल्ली परियोजना के माध्यम से मस्तफापुर में करीब 770 एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। नहरों के निर्माण के लिए किसानों ने 21.20 एकड़ जमीन दी थी और करीब 20 वर्ष बाद उन्हें भूमि का मुआवजा उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने किसानों का आभार जताते हुए कहा कि परियोजना पूरी कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि गांव में 8 इंदिरम्मा आवास स्वीकृत किए गए हैं। 268 आसरा पेंशन के लिए 67.20 लाख रुपये, 298 परिवारों को गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट मुफ्त बिजली तथा 254 परिवारों को महालक्ष्मी गैस सब्सिडी का लाभ मिला है। 147 महिला समूहों को ब्याजमुक्त ऋण और 9.75 करोड़ रुपये के बैंक ऋण उपलब्ध कराए गए हैं। 244 किसानों का 1.94 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया, जबकि 421 किसानों को रैतू भरोसा के तहत 2.08 करोड़ रुपये दिए गए।

गांव की सड़कों, पेयजल, आंगनवाड़ी केंद्र, विद्यालय भवन और अन्य समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए मंत्री ने मस्तफापुर से गोल्लापल्ली तक सड़क मंजूर करने की घोषणा की। रिक्त एएनएम पद भरने तथा अतिरिक्त एएनएम की व्यवस्था करने और शीघ्र चिकित्सा शिविर आयोजित करने की बात भी कही। उन्होंने किसानों से कम पानी वाली फसलों और तेल पाम की खेती अपनाने का आग्रह किया।

युवाओं से मोबाइल के प्रति अत्यधिक निर्भरता छोड़कर खेलों की ओर ध्यान देने की अपील करते हुए बताया कि गांव में खेल सामग्री और खुला व्यायाम केंद्र उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को सेना और पुलिस सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। मंत्री ने सरकारी विद्यालयों को मजबूत करने, गांव में बुनियादी सुविधाएं बढ़ाने तथा सौर ऊर्जा का अधिक उपयोग करने का भी आह्वान किया।

41 मवेशियों की ढुलाई के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सुशमीर गांव में 41 मवेशियों की अवैध ढुलाई के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि ये छह मवेशी व्यापारी बिना सही कागज़ात के 10 बैल, 21 गाय और 10 बछड़े ले जा रहे थे, जिन्हें महाराष्ट्र में खरीदा गया था। गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने उस जगह छापा मारा जहां मवेशियों को रखा गया था। जानवरों को कागज़नगर में एक स्वयंसेवी संस्था द्वारा संचालित गौशाला में भेज दिया गया।

पूछताछ के दौरान, छह लोगों ने कथित तौर पर जल्दी पैसा कमाने के लिए यह अपराध करने की बात कबूल की। उन्होंने महाराष्ट्र में कम कीमत पर मवेशी खरीदने और उन्हें जगतियाल के एक बूचड़खाने में बेचने की योजना बनाने की बात स्वीकार की।

'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में चलाए जा रहे 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के तहत कुलसुमपुरा यातायात पुलिस ने रविवार को गुड़ीमलकापुर बाजार परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाजार समिति के सदस्यों और चार पहिया वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों एवं यातायात कानूनों के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों और बाजार समिति के सदस्यों को वैध वाहन चलाने के लाइसेंस के बिना वाहन नहीं चलाने की सलाह दी। साथ ही नाबालिगों को किसी भी परिस्थिति में वाहन चलाने की अनुमति नहीं देने के लिए कहा गया। पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनने तथा शराब या किसी अन्य नशीले पदार्थ के प्रभाव में वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी। वाहन चलाते समय बाईं ओर से दूसरे वाहनों को ओवरटेक करने से बचने और केवल सुरक्षित एवं निर्धारित तरीके से ही आगे निकलने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में यातायात संकेतों, सड़क सुरक्षा नियमों और अन्य यातायात कानूनों का हर समय पालन करने पर जोर दिया गया।

दोबारा धोखा दिया गया तो सरकार को सबक सिखाया जाएगा: ऑटो रिक्शा चालक

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ऑटो रिक्शा चालक संघ (टीएआरडीयू) के महासचिव बी. वेंकटेशम ने रविवार को चेतावनी दी कि राज्य परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा पिछले सप्ताह ऑटो चालक संघों के साथ हुई चर्चा में दिए गए आश्वासनों के अनुसार उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वे ऑटो चालकों के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी, टालमटोल या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जैसा कि पहले भी देखा गया है, और ऐसी हरकतें दोबारा होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। ऑटो चालकों की समस्याओं को सरकार के ध्यान में लाने और उनके समाधान की मांग करने के प्रयासों को मान्यता देते हुए, विभिन्न ऑटो यूनियनों के नेताओं ने शहर के हिमायतनगर स्थित सत्यनारायण रेड्डी भवन में बी. वेंकटेशम और अन्य नेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए वेंकटेशम ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर के वादों को शीघ्रता से लागू करने की मांग की: बढ़ती लागत के अनुरूप ऑटो मीटर किराए में वृद्धि करना, परिवहन कर्मचारियों के लिए एक कल्याण बोर्ड की स्थापना करना, ऑटो चालकों को 12,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता और तृतीय-पक्ष बीमा प्रदान करना, सरकार द्वारा संचालित ऑटो ऐप लॉन्च करना और अन्य लंबित मुद्दों का समाधान करना। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर बड़े पैमाने पर अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन होंगे, जिनमें हजारों ऑटो रिक्शा और कैब द्वारा विधानसभा, सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास का अवरोधन शामिल है। संघ नेता बिक्षापति यादव, मुन्नुरू कृष्णा, चौ. जंगय्या, एस. अशोक, भास्कर, गनी, मोहम्मद खाजा, एम. नरसिम्हा, एम. श्रीनिवास और अन्य ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

तीसरे दिन भी जारी रही इंदिरम्मा इल्लु टावर्स की लॉटरी

आज चार और क्षेत्रों में प्रक्रिया, चार क्षेत्रों में 3 सितंबर तक आवेदन

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिरम्मा इल्लु टावर्स योजना के तहत मकानों के आवंटन के लिए चल रही लॉटरी प्रक्रिया तीसरे दिन भी सफलतापूर्वक जारी रही।

रविवार को सेरिलिंगमपल्ली, मेडचल, मलकपेट और इब्राहिमपटनम विधानसभा क्षेत्रों में लॉटरी आयोजित की गई। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 480 मकानों के हिसाब से चारों क्षेत्रों में कुल 1,920 मकानों के लिए लाभार्थियों का चयन किया गया। लॉटरी में मकान मिलने पर लाभार्थियों ने खुशी जताई और अपना खुद का घर देने की दिशा में सरकार के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। अधिकारियों के अनुसार, पूरी प्रक्रिया लाभार्थियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। आवास बोर्ड के अधिकारियों के साथ पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों की निगरानी में लॉटरी आयोजित की गई।

रविवार तक कुल 12 विधानसभा क्षेत्रों में मकानों के आवंटन की लॉटरी पूरी हो चुकी है। सोमवार को चार और विधानसभा क्षेत्रों में लॉटरी आयोजित की जाएगी।

आवास बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि सनतनगर, महेश्वरम, मल्काजगिरि और कारवां विधानसभा क्षेत्रों के लिए सोमवार को लॉटरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इंदिरम्मा इल्लु टावर्स योजना के तहत हैदराबाद बाहरी रिंग रोड के दायरे में एक लाख मकानों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। पायलट परियोजना के तहत सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मकानों का निर्माण करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब तक 16 विधानसभा क्षेत्रों में आवेदन प्राप्त कर मकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इन 16 क्षेत्रों के अलावा गोशामहल, एलबी नगर, मुशीराबाद और चंद्रायनगुट्टा विधानसभा क्षेत्रों के लोगों से भी आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

इन चारों क्षेत्रों के पात्र नागरिक 3 सितंबर तक मीसेवा के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं। आवास बोर्ड ने अपने घर का इंतजार कर रहे पात्र लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

निजी अस्पताल में 21 वर्षीय नर्स की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

उस्मानिया जनरल अस्पताल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना दिया

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ीशरीफ थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल परिसर में 21 वर्षीय नर्स सिरिशा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके कमरे से बरामद होने के बाद सनसनी फैल गई। पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या की गई हो सकती है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहाड़ीशरीफ थाना निरीक्षक लक्ष्मीनारायण रेड्डी के अनुसार, खम्मम जिले की रहने वाली सिरिशा पिछले आठ महीनों से निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी और अस्पताल की ओर से उपलब्ध कराए गए आवास में रहती थी। जानकारी के मुताबिक, सिरिशा शुक्रवार रात करीब 10 बजे अपने कमरे में गई थी। शनिवार दोपहर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली और कर्मचारियों की आवाज का भी कोई जवाब नहीं दिया, तो उन्होंने खिड़की तोड़कर अंदर देखा। सिरिशा कमरे में मृत पाई गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की।

पुलिस को सिरिशा के चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। इन निशानों के आधार पर पुलिस ने उस पर हमला किए जाने और हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए जांच दल और खोजी कुत्तों की टीम को बुलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया सामान्य अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चलने की उम्मीद है। इस बीच रविवार दोपहर उस्मानिया जनरल अस्पताल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने सिरिशा की मौत की गहन जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए अस्पताल के शवगृह में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी।

हत्या की कोशिश में घायल व्यक्ति की मौत, तनाव फैला

कोत्तागुडेम, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुरगामपाडु मंडल के जिंकालागुडेम में हत्या की कोशिश में घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे गाँव में विरोध और तनाव फैल गया।

पुलिस के अनुसार, मृतक शेख मौलाना (42) की गाँव के ही रहने वाले शेख इस्माइल से एक महिला के साथ अवैध संबंधों को लेकर दुश्मनी थी। कहा जाता है कि इस्माइल ने 23 अगस्त को गाँव में मौलाना को खत्म करने के इरादे से चार पहिया वाहन से टक्कर मारी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

घायल व्यक्ति की खम्मम के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी मौत की खबर मिलते ही, लोगों के एक गुस्से में भरे समूह ने आरोपी इस्माइल के घर में आग लगाने की कोशिश की। उन्होंने घर के बाहर मृतक के शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया।

पालोंचा के डीएसपी सतीश कुमार भारी पुलिस बल के साथ गाँव पहुँचे और स्थिति को नियंत्रण में किया। पुलिस द्वारा मौलाना के परिवार को यह भरोसा दिलाने के बाद कि आरोपी को कानून के अनुसार सज़ा दी जाएगी, परिवार के सदस्यों ने उसका अंतिम संस्कार किया। यह भी कहा गया कि मवेशियों का व्यापार करने वाला इस्माइल, मौलाना से नाराज़ था क्योंकि मौलाना उसके कथित अवैध मवेशी व्यापार के बारे में पुलिस और संबंधित अधिकारियों को जानकारी देता था। यह भी उनके बीच दुश्मनी का एक कारण था।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन विकास के प्रतीक : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के 1,000 दिन पूरे होने पर राज्य के मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि यह अवधि केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शासन को परिवार-केंद्रित व्यवस्था से निकालकर जनता के करीब पहुंचाया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि बीआरएस के दस वर्षों के शासन में सत्ता एक व्यक्ति और एक परिवार तक सीमित हो गई थी। मंत्रियों, विधायकों, विपक्ष और आम नागरिकों की आवाज को पर्याप्त महत्व नहीं मिला। कांग्रेस सरकार ने इस स्थिति को बदला है। प्रजा वाणी और प्रत्यक्ष जन-संवाद के माध्यम से जनता की समस्याओं को सीधे सुना जा रहा है तथा विधानसभा में सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता दी है। महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा से आवागमन आसान हुआ और परिवारों की बचत बढ़ी। गृह ज्योति योजना के तहत पात्र परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली तथा 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। राजीव आरोग्यश्री की स्वास्थ्य बीमा सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गई है। नागरिक आपूर्ति व्यवस्था का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि करीब 3.42 करोड़ लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति छह किलोग्राम महीन चावल दिया जा रहा है। पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड और स्मार्ट राशन कार्ड दिए गए हैं। इंदिरम्मा आवास योजना के तहत गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। किसानों के लिए दो लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ किए गए हैं, जिससे करीब 25 लाख किसान लाभान्वित हुए। रैतू भरोसा सहायता बढ़ाकर 12,000 रुपये प्रति एकड़ की गई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I ARMY NO.15449193P RANK-SEPOY/ORA NAME-DONTHALA NARESH KUMAR SERVING AT MILITARY HOSPITAL GOLCONDA, LANGER6HOUSE, HYDERABAD, TELANGANA -08,HAVE CHANGED MY MOTHER'S NAME FROM DONTHALA CHINNAMMALU TO DONTHALA CHINNA AMMALU IN MY SERVICE DOCUMENT, AFFIDAVIT DATE 01/07/2026

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

WANTED
DIGITAL MARKETING MANAGER
Job description-Photography, Creative editing, content writing. should have knowledge about social media platforms-Facebook, instagram, Whatsapp & Google and Posting advertisement.
Computer operator with knowledge of Excel, Office boy
For Jewellery office at Rajbhavan Road.
9908022258
8008722258

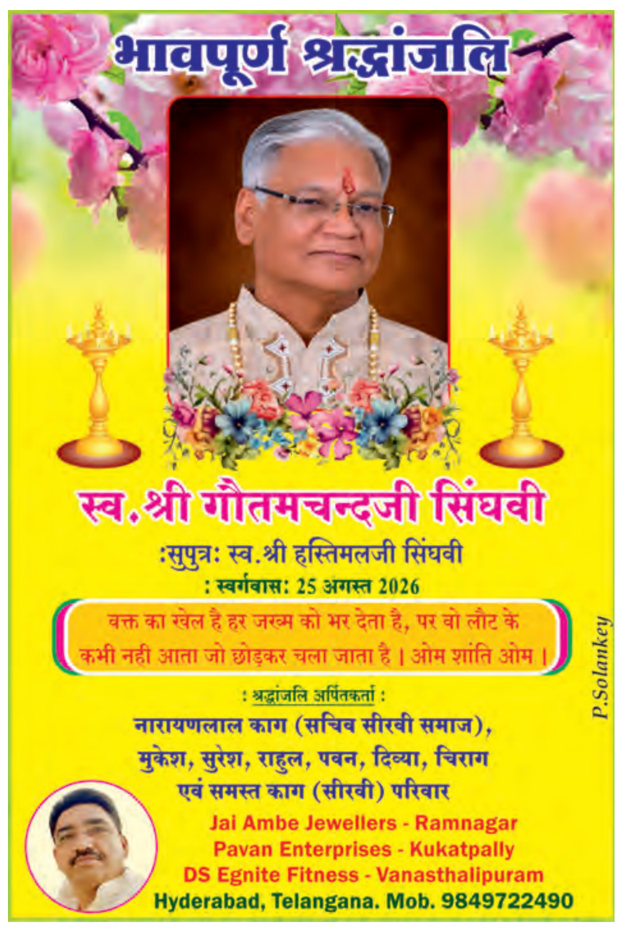

आईएएस अफसर दिव्या मित्तल ने
13 वर्ष की सेवा के बाद दिया इस्तीफा

विशेष सचिव के पद पर थीं तैनात

गोरखपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। देवरिया में जिलाधिकारी के रूप में तैनात रहीं आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया (एक्स/फेसबुक) पोस्ट के जरिए 13 वर्षों की सेवा के बाद स्वेच्छा से त्यागपत्र देने की जानकारी साझा की। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ाई कर चुकीं दिव्या मित्तल ने लिखा कि उन्होंने अपनी इच्छा से इस यात्रा को विराम दिया है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज मैंने 13 वर्षों की अविस्मरणीय यात्रा को अपनी इच्छा से विराम देते हुए आईएएस से त्यागपत्र दे दिया है।

साधारण परिवेश में पलते हुए मैंने एक अच्छे, सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात एक कर आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ने के बाद, लंदन में नौकरी लग गयी। पर 'सब कुछ' पा लेने पर भी कुछ अधूरा था। उन्होंने आगे लिखा कि अपने देश में न होना खलता था। मेरी पढ़ाई, आत्मविश्वास, दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताकत, सब इस मिट्टी का कर्ज था मुझ पर। वो कर्ज चुकाना था। चाहती थी जिस भारत का सपना देखा था, उसे बनाने वाली ईंटों पर मेरे भी हाथों के निशान हों। सो लौट आई, और आईएएस अधिकारी बनने का सौभाग्य मिला।

बहुत कुछ करने का मौका मिला और बहुत सीखा। उन्होंने देवरिया का जिक्र करते हुए कहा कि देवरिया ने सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है। मीरजापुर ने सिखाया कि 'असंभव' कोई तथ्य नहीं, बस एक राय है। और माँ विंध्यवासिनी के चरणों में बैठकर सीखा कि शक्ति किसी पद से नहीं, उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है। सबसे बड़ी सीख यह थी कि अपने लिए देखे सपने तो पूरे हो चुके थे, अब अपने लोगों के लिए देखे सपनों को जीना था।

आज आभार से आंखें नम हैं। बस एक दृश्य इनमें बसा है। लहुरिया दह की पहाड़ी की वो वृद्ध मां, जो अपने गांव में पहली बार पानी पहुंचता देख कुछ नहीं बोली, बस कांपते हाथों से मेरा सिर छूकर आशीर्वाद दे गईं। पद तो आज छूट गया, पर वह स्पर्श जीवन भर नहीं छूटेगा। और वह सपना भी नहीं छूटेगा, जो देश की इस मिट्टी ने मुझे दिया है। आपकी अपनी, दिव्या मित्तल।

जनता की शिकायतों का हो शीघ्र और पारदर्शी निस्तारण, लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

गोरखपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित अनुष्ठान 'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा। रविवार को भी उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आत्मीय भरोसा दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि परेशान मत हों, हर शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

प्रेमी संग कमरे में पकड़ी गई पत्नी, दोनों ने मिलकर की पति की हत्या

सोनभद्र, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के शक्तिनगर थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने पति की हत्या के आरोप में एक महिला और उसके प्रेमी सहित दो अन्य को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक पति ने महिला को उसके प्रेमी के साथ घर में देख लिया था, जिसके बाद विवाद हो गया। इस विवाद में महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी।

इसके बाद उन्होंने इस घटना को सड़क हादसा दिखाने की कोशिश की। प्रेमी ने अपने दो अन्य साथियों की मदद से शव को सड़क किनारे लिटा दिया और उसे दुर्घटना का रूप दे दिया। हालांकि पुलिस ने मामले की गहनता से जांच करते हुए घटना में शामिल चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़
एके-47 मामले में फरार कुख्यात को लगी गोली, एसआई भी घायल

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के परेव में रविवार की सुबह सोन नदी के किनारे पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गयी। इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक अपराधी के पैर में गोली लगने की सूचना है। वहीं, गोली लगने से बिहटा थाना के एसआइ राजू कुमार सिंह भी घायल हो गये। घायल अपराधी और एसआई को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सोन नदी में कुछ अपराधी नाविकों से रंगदारी वसूल रहे हैं।

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने पहले मामले की पुष्टि की। सूचना सही पाये जाने पर पुलिस टीम अपराधियों को पकड़ने के लिए, परेव क्षेत्र में पहुंची। पुलिस को अपनी ओर आता देख अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

देखते ही देखते नदी के बीच दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलने लगीं। कुछ देर तक चली मुठभेड़ के दौरान एक अपराधी के पैर में गोली लग गयी। घायल अपराधी की पहचान अवनीश कुमार के रूप में बतायी जा रही है। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

मुठभेड़ के दौरान बिहटा थाना के एसआइ राजू कुमार सिंह भी गोली लगने से घायल हो गये। बताया जा रहा है कि गोली उनकी बांह को छूकर निकल गयी। उन्हें भी इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वहीं, बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार के भी घायल होने की सूचना है। हालांकि, उनकी चोट को लेकर पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी सामने नहीं आयी है।

साहूवाला रेंज में हाथी के बच्चे की मौत, छाती पर लगा टस्कर का दांत। बच्चे को बचाने की हाथियों ने खूब की कोशिश

बिजनौर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। साहूवाला रेंज में हाथी का एक बच्चा तालाब के पास कीचड़ में फंस गया। झुंड के ही बड़े हाथियों ने बच्चे को निकालने की खूब कोशिश की। इस दौरान छाती में टस्कर का दांत लगने से हाथी के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत के काफी देर बाद तक हाथियों का झुंड शोर कर वहां मातम करता रहा और बाद में उसे वहीं छोड़कर चला गया। वन विभाग की टीम हाथी के बच्चे का पोस्टमार्टम करा रही है।

देररात साहूवाला रेंज में एक तालाब के पास हाथियों की तेज चिंघाड़ने की आवाज आ रही थी। वन विभाग की टीम को लगा कि दो झुंड आपस में लड़ रहे होंगे। रविवार सुबह विभाग की टीम तालाब के पास गई तो वहां हाथी का एक बच्चा मरा पड़ा था। उसकी आयु लगभग एक वर्ष है। उसकी छाती पर चोट का गहरा निशान पाया गया।

भरत तिवारी एनकाउंटर में हटाए गए एसडीओ संजीत कुमार को मिली नई पोस्टिंग

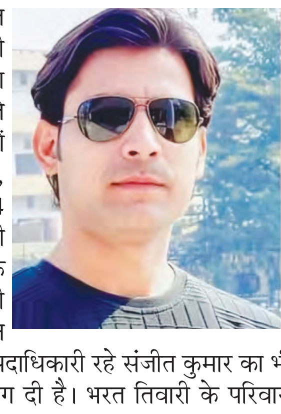

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की सम्राट सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 3 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। वहीं, पोस्टिंग के इंतजार में बैठे 44 अफसरों को नई जिम्मेदारी दी गई है। इसमें भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर के दौरान जगदीशपुर के अनुमंडलीय पदाधिकारी रहे संजीत कुमार का भी नाम शामिल है। बिहार सरकार ने उन्हें सुपौल में नई पोस्टिंग दी है। भरत तिवारी के परिवार की मांग पर संजीत कुमार को जगदीशपुर एसडीओ पद से हटाया गया था।

लगभग एक महीने से वह नई पोस्टिंग के इंतजार में मुख्यालय में सेवा दे रहे थे। अब संजीत कुमार को सम्राट सरकार ने नई जिम्मेदारी सौंपते हुए सुपौल भेजा है। उन्हें सुपौल सदर का भूमि सुधार उप समाहर्ता के पद पर तैनात किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आईएएस और बिप्रसे पदाधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग की दो अलग-अलग अधिसूचना जारी की। जिन तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला हुआ है, उनमें 2014 बैच के आईएएस अधिकारी सुनील कुमार, 2016 बैच के अंजनि कुमार और 2017 बैच के अभय झा शामिल हैं।

दो बहनों पर तेजाब डाला रिश्ता टूटने के बाद भी शादी का दबाव बना रहा था आरोपी

हापुड़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के एक गांव में दो बहनों पर तेजाब फेंकने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में दोनों बहनों को मेरठ रेफर कर दिया गया है। पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, सिंभावली थाना इलाके के गांव निवासी व्यक्ति ने हापुड़ निवासी युवक पर घर में घुस कर उनकी दो बेटियों पर तेजाब डालने का आरोप लगाया है। दोनों युवतियों को गंभीर हालत में मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने अपनी बड़ी बेटी का रिश्ता हापुड़ की आवास विकास कालोनी के रहने वाले हर्ष के साथ तय किया था। जिस कारण रिश्ता तोड़ दिया। पीड़ित का कहना है आरोपी लगातार उनकी बेटी से शादी करने का दबाव बना रहा था। स्पष्ट इंकार करने पर वह भड़क गया। आरोप है कि युवक रात करीब सवा दो बजे बोतल में तेजाब लेकर दीवार फांद कर घर में घुस गया। इससे पहले वह कुछ समझ पाती, युवक ने उस पर तेजाब डाल दिया।

कॉलेज में नर्सिंग छात्रा दीप्ति यादव की संदिग्ध मौत, प्रिंसिपल और वार्डन पर हत्या का केस दर्ज

अमेठी, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मुंशीगंज स्थित इंदिरा गांधी स्कूल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में जीएनएम थर्ड ईयर की छात्रा दीप्ति यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में रक्षाबंधन के दिन मौत हो गई। सुल्तानपुर के बल्दीराय स्थित उसके पैतृक गांव में उसके शव का अंतिम संस्कार किया। मौत से पहले 22 साल की दीप्ति ने मां को फोन पर कहा था- मां, छोटी बहन से भाई को मेरी ओर से राखी बंधवा देना। जो नेग मिले उसे रख लेना। मैं आकर लूंगी। इस मामले में काफी दबाव के बाद अमेठी पुलिस ने कॉलेज प्रिंसिपल और वार्डन के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया है।

मुझे अगली बार सीएम बनते हुए देखें : सीएम पद को लेकर केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा बयान

कहा- मेरी महत्वाकांक्षा है

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद के इंटरव्यू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उनसे सीएम बनने को लेकर सवाल किया जाता है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इशारों-इशारों में यह साफ बता दिया कि उनकी नजर सीएम की कुर्सी पर है। हालांकि सूबे के एक राजनीतिक धड़ में यह कयास लगाया जाता है कि सीएम योगी और डिप्टी सीएम के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। वायरल हो रहे वीडियो में जब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से सवाल किया गया कि केशव जी कबतक डिप्टी सीएम बने रहेंगे। कभी सीएम भी तो बनने का मन होगा। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि देखिए हो सकता है कि आप मुझे अगली बार सीएम पद पर देखें।

हो सकता है अगली बार और किसी रूप में

देखें। ये तो पार्टी का नेतृत्व तय करेगा। केशव प्रसाद मौर्य नहीं तय करेंगे। हमारी पार्टी में तमाम सामान्य से सामान्य कार्यकर्ता को मौका दिया जाता है।

इसके आगे केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मेरी भी महत्वकांक्षा है कि मैं सीएम बनूं। लेकिन ये मेरे चाहने से नहीं होगा। मेरी पार्टी में, पार्टी का नेतृत्व तय करता है। पार्टी का विधायक दल ये तय करता है कि किसके नेतृत्व में। लक्ष्य पहले हमारा बहुमत लाना है, प्रचंड बहुमत लाना है। 2017 की तरह। ये हम लोग लक्ष्य लेकर चुनाव लड़ रहे हैं।

'तारीफ के काबिल', मोहन भागवत के बयान पर बोले यूपी के मौलाना

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसका उत्सव मनाया जाना चाहिए, इसका सम्मान किया जाना चाहिए और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 6,000 से अधिक सदस्यों और विभिन्न धर्मों के नेताओं को संबोधित करते हुए भागवत ने विविधता को अपनाने और समुदायों का समर्थन करने का आह्वान किया। आरएसएस चीफ मोहन भागवत के बयान पर ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, मोहन भागवत का बयान तारीफ के काबिल है। जो हिंदू मुसलमानों से दुश्मनी रखता है, वह असल में हिंदू नहीं है। हिंदू और मुसलमान देश की दो आंखें हैं, और चेहरा तभी सबसे अच्छा दिखता है जब दोनों आंखें ठीक हों। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, यहां भारत में, जब भी हिंदुओं को कोई दिक्कत हुई, मुसलमान उनके साथ खड़े हुए और जब भी मुसलमानों को कोई दिक्कत हुई, हिंदू उनके साथ खड़े हुए।

'भाईचारे की मिसाल पेश की' भागवत के बयान पर बोले इकबाल अंसारी

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हिंदू-मुस्लिम एकता पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी की प्रतिक्रिया सामने आई है। बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा कि हिंदुस्तान हिंदुओं और मुसलमानों के बीच भाईचारे और आपसी स्नेह की धरती है।

देश को आगे बढ़ना चाहिए और सभी को देश की भलाई के लिए मिलकर काम करना चाहिए, राष्ट्रीय प्रगति, विकास और रोजगार पर ध्यान देना चाहिए। इकबाल अंसारी के मुताबिक, मोहन भागवत ने जो कहा है, वह सही है; वे दुनिया भर में घूमने और चीजों को देखने-समझने के अपने अनुभव के आधार पर बात करते हैं। यह भाईचारे की मिसाल पेश करता है और दिखाता है कि हमें किस तरह के नेता की जरूरत है: ऐसा नेता जो सबका ख्याल रखे, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एकता को बढ़ावा दे और देश की प्रगति, विकास और रोजगार को आगे बढ़ाए।

दरअसल, अमेरिका के न्यूयॉर्क में आयोजित 'एक दुनिया, एक मानवता' सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू-मुस्लिम की एक्य पर जोर देकर कहा कि अगर कोई व्यक्ति यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह खुद को 'हिंदू' कह ही नहीं सकता। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया भर के धर्मगुरुओं के बीच अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया है कि, हिंदू होने की पहली शर्त ही यह मानना है कि सभी धर्मों के रास्ते एक ही ईश्वर तक जाते हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकला परिवार लापता
नेपाल-तिब्बत सीमा पर टूटा संपर्क, परिजनों ने प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

कानपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल और तिब्बत सीमा के पास आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए कानपुर के एक ही परिवार के तीन सदस्यों का संपर्क टूट गया है। तीनों का कोई पता नहीं चल सका है। करीब चार दिन बीत जाने के बाद भी परिजनों को उनकी कोई जानकारी नहीं मिली है, जिससे कानपुर में परिवार के बीच चिंता और भय का माहौल है। लापता लोगों में अमेरिका में रहने वाले पंकज मिश्रा, उनकी पत्नी की बहन रागनी मिश्रा और परिवार की सदस्य पूनम मिश्रा शामिल हैं। तीनों कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए थे।

बताया जा रहा है कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास पहुंचने के बाद उनसे संपर्क पूरी तरह टूट गया, जिसके बाद परिवार में भय और गम का माहौल है। सभी अपने अपनों की सकुशल

वापसी की राह देख रहे हैं। परिजनों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। परिवार की मांग है कि सीमावर्ती क्षेत्र में राहत एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से तीनों की तलाश कर जल्द से जल्द उनकी जानकारी जुटाई जाए।

परिवार ने अधिकारियों से सीमावर्ती क्षेत्र में तीनों भारतीय यात्रियों का पता लगाने के लिए तत्काल मदद की मांग की है। परिजनों के मुताबिक, प्रशासनिक स्तर पर उन्हें आश्वासन दिया गया है कि जैसे ही कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त होगी, परिवार को अवगत कराया जाएगा। फिलहाल संबंधित एजेंसियों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क स्थापित करने और यात्रियों के संबंध में जानकारी जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परिजनों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

जेवर-जमीन बेचकर खरीदी डिग्री; जांच में निकली फर्जी, बन गए मुल्जिम

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने के लिए किसी ने अपने और सास के जेवर बेचे तो किसी ने मां के गहने व पैतृक जमीन। जहां बुलाया गया, वहां पहुंचे और जालसाजों की हर मांग पूरी करते गए। लाखों रुपये खर्च करने के बाद पता चला कि जिन डिग्रियों के सहारे डॉक्टर बनकर काम कर रहे थे। सब फर्जी थीं। ऐसे डिग्रीधारक अब मुकदमे और कार्रवाई के दायरे में हैं। बीएएमएस की फर्जी डिग्री हासिल करने वाले 41 लोगों का यूपी में पंजीयन रद्द किया गया है।

इनमें अवध और पूर्वांचल क्षेत्र के कई लोग शामिल हैं। इनमें से कुछ ने अमर उजाला को आपबीती सुनाई। अवध क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि कोचिंग के लिए कानपुर गई थीं। वहां माल रोड निवासी विनोद गौड़ से मुलाकात हुई। हरियाणा के एक कॉलेज में बीएएमएस में दाखिले के लिए 15 लाख रुपये में बात तय हुई। इसके

लिए अपने और सास के जेवर बेचे। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मार्कशीट भी दी। सालभर बाद हाजिरी पूरी कराने के नाम पर आठ लाख रुपये और मांगे। कर्ज लेकर पांच लाख दिए। हालत इतनी खराब हुई कि बच्चों का दूध और स्कूल जाना बंद हो गया। वर्ष 2021 में विनोद ने उन्हें लखनऊ बुलाकर नगर निगम कार्यालय के पास आयुर्वेदिक, यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड के पंजीयन समेत प्रमाणपत्र सौंप दिए। अप्रैल 2025 में फर्जीवाड़े का नोटिस मिला तो सच सामने आया। कानपुर पहुंचने पर पता चला कि विनोद की मौत हो चुकी है। महिला ने डिस्पेंसरी बंद कर सभी दस्तावेज क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी कार्यालय में जमा कर दिए।

पूर्वांचल के एक युवक ने बताया कि मुंबई से हाईस्कूल व इंटर करने के बाद अहमदनगर निवासी डॉ. नीलकंठ मिश्रा से संपर्क हुआ। वह कर्नाटक और हरियाणा समेत कई राज्यों में बीएएमएस में दाखिला कराते थे। करीब 300 से ज्यादा युवाओं का दाखिला करा चुके थे। पैसे जुटाने के लिए मां के जेवर और गांव की पांच बिस्वा जमीन बिकवा दी। वर्ष 2014 में 15 लाख रुपये दिए। कुरुक्षेत्र के श्री कृष्णा आयुर्वेदिक कॉलेज में दाखिला हो गया। पढ़ाई व परीक्षा अहमदनगर में हुई। पांच साल बाद डिग्री मिली तो यूपी के आयुर्वेदिक, यूनानी तिब्बी बोर्ड में पंजीयन करा अस्पताल खोला।

अखिलेश यादव का एलान- भाजपा राज में बंद किए गए 26 हजार स्कूलों को खोला जाएगा

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एलान करते हुए कहा कि भाजपा राज में बंद किए गए स्कूलों को सपा सरकार आने पर फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पीडीए समाज के लोग पढ़ते हैं। सपा सरकार आने पर पीडीए समाज को उनकी आबादी के अनुसार हक दिया जाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बचे हुए महीनों में एक लाख नौकरियां देने की बात कर रहे हैं। अब समय ही कितना बचा है। हमारी सरकार आएगी तो हम पीडब्ल्यूडी विभाग का भी ऑडिट करवाएंगे

महुआ विधायक और पीएचईडी मंत्री संजय सिंह पर गंभीर आरोप
दिल्ली होटल में महिला से अभद्रता का आरोप, तेजप्रताप बोले-निष्पक्ष जांच हो ; पैसे देकर मामला दबाने का दावा

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बिहार सरकार के मंत्री और महुआ से लोजपा (रामविलास) विधायक संजय कुमार सिंह को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। तेज प्रताप ने दिल्ली के एक होटल में एक महिला के साथ कथित अभद्र व्यवहार और मामले को दबाने के लिए कथित पैसों के लेन-देन के आरोपों को लेकर जांच की मांग की है। महुआ विधानसभा सीट पर 2025 के चुनाव में तेज प्रताप यादव को संजय कुमार सिंह ने हराया था।

बाद में संजय सिंह नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बनाए गए। तेज प्रताप यादव ने अपने पोस्ट के जरिए कहा कि यदि दिल्ली के होटल में महिला के साथ कथित दुर्व्यवहार से जुड़े आरोप सही हैं तो यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की है। तेज प्रताप के इस पोस्ट के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। अब सवाल उठ रहे हैं कि सरकार और एनडीए नेतृत्व इस मामले पर क्या रुख अपनाता है। सामने आए आरोपों के मुताबिक, कथित घटना दिल्ली के एक होटल की बताई जा रही है। सोशल मीडिया और राजनीतिक बयानों में दावा किया जा रहा है कि होटल के एक कमरे में मंत्री संजय कुमार सिंह का एक

युवती के साथ विवाद हुआ। आरोप है कि महिला के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया। इसी दौरान होटल कर्मचारियों ने हस्तक्षेप किया और स्थिति को संभाला। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र और आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसलिए पूरे मामले में सामने आए दावों को फिलहाल आरोप के तौर पर ही देखा जा रहा है। मामले को दबाने के लिए 25 लाख रुपये देने का भी दावा इस विवाद में पैसों के कथित लेन-देन का आरोप भी लगाया जा रहा है। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और राजनीतिक दावों में कहा गया है कि मामले को दबाने के लिए करीब 25 लाख रुपये के लेन-देन की कोशिश की गई।

वहीं, कुछ शुरुआती चर्चाओं में यह रकम 5 लाख रुपये बताई गई थी। हालांकि, इस कथित लेन-देन को लेकर भी अभी तक कोई स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

अफ़गानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप; किसी के हताहत होने की खबर नहीं

काबुल, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल सेंटर फ़ॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि रविवार को अफ़गानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के बाद किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की तुरंत कोई खबर नहीं मिली है। एक्स पर एक पोस्ट में बताया गया कि भूकंप भारतीय मानक समय के अनुसार रात 9:36 बजे आया और इसकी गहराई 147 किलोमीटर थी। एनसीएस ने एक्स पर लिखा, भूकंप की तीव्रताः 4.9, समयः 30/08/2026 09:36:56 प्रथम, अक्षांशः 36.347 एन, देशांतरः 71.496 ई, गहराईः 147 किमी, स्थानः अफ़गानिस्तान। रेड क्रॉस के अनुसार, अफ़गानिस्तान में अक्सर भूकंप आते रहते हैं, खासकर हिंदू कुश इलाके में, जो बहुत ज़्यादा भूकंप-संवेदनशील ज़ोन में आता है। अफ़गानिस्तान में भूकंप का खतरा इसलिए ज़्यादा है क्योंकि यह भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने वाले ज़ोन में स्थित है। देश के कुछ हिस्सों, जैसे हेरात इलाके से भी एक बड़ी फ़ॉल्ट लाइन गुज़रती है।

पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देगा अफगानिस्तान?

तालिबान प्रवक्ता ने दिया ये जवाब

काबुल, 30 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने भारत के साथ बेहतर रिश्ते पर जोर दिया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि अफगानिस्तान की तरफ से भारत के साथ हमारे रिश्ते में कोई समस्या नहीं है। हम भारत के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। जबीउल्लाह से सवाल किया गया था कि क्या कागज पर जैसे सब अच्छा दिख रहा है, वैसे ही रिश्ते दोनों देशों के बीच हैं। इस पर मुजाहिद ने कहा कि दोनों देशों के अच्छे संबंध हैं।

इंडिफोकस के साथ एक इंटरव्यू में मुजाहिद ने भारत-अफगान संबंधों और पाकिस्तान से टकराव पर बात की है। अफगानिस्तान ने हालिया महीनों में लगातार भारत के साथ अच्छे संबंधों पर जोर दिया है। वहीं पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान का टकराव देखा गया है। हालांकि तालिबान ने साफ किया है कि वह

पाकिस्तान के साथ भी शांति चाहता है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने युद्ध की वजह से बहुत कुछ सहा है। हम किसी भी देश के साथ टकराव नहीं चाहते हैं। पत्रकार रुनझुन शर्मा ने मुजाहिद से सवाल किया कि क्या तालिबान आर्मी भारत के समर्थन में पाकिस्तान के खिलाफ जमीनी लड़ाई में उतर सकता है। इस पर मुजाहिद ने लड़ाई से दूर रहने का संकेत देते हुए कहा, 'हम इलाके में युद्ध या अस्थिरता नहीं चाहते। हम नहीं चाहते कि एक देश दूसरे देश के खिलाफ कार्रवाई करे। युद्ध से किसी को लाभ नहीं होता है।' पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर पर हालिया महीनों में बार-बार गोलीबारी हुई है। इस पर मुजाहिद ने कहा कि हालिया सीमा-संघर्ष की शुरुआत अफगानिस्तान ने नहीं की। अफगान बल पाकिस्तान की ओर से की गई आक्रामकता के बाद सिर्फ अपना बचाव कर रहे थे। अपना बचाव करना हमारा अधिकार है लेकिन हम शांति के पक्ष में हैं। मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान सरकार चाहती है कि कि काबुल में अमेरिकी दूतावास और वॉशिंगटन में अफगान दूतावास कामकाज फिर से शुरू करें ताकि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध सामान्य हों।

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि युद्ध के समय की नीतियां बदलें। हम चाहते हैं कि अमेरिका से बेहतर रिश्ते हों। मक्का समझौते पर मुजाहिद ने कहा कि इससे हमें कोई चिंता नहीं है क्योंकि देश अपने हितों के लिए समझौते करते हैं। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान अहम देश हैं। हम इसे इस्लामिक देशों के बीच सहयोग के तौर पर देखते हैं। इससे हमें कोई खतरा नहीं है क्योंकि इनमें से किसी के भी लिए हमारे मन में कटुता नहीं है।

स्विट्जरलैंड में 3500 लोगों की रेव पार्टी में अंधाधुंध गोलीबारी, 1 की मौत; 5 घायल

बर्न, 30 अगस्त (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के आरौ शहर में रविवार तड़के एक रेव पार्टी के दौरान हुई अंधाधुंध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हिंसक घटना करीब 3,500 लोगों की मौजूदगी वाली एक सालाना टेक्नो पार्टी के दौरान हुई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जबकि घायलों में से कुछ की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। ज्यूरिख के उत्तर में स्थित आरौ में हुई इस घटना में कई लोग हताहत हुए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद इलाके में बड़े पैमाने पर पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्थानीय पुलिस ने एक्स पर कहा कि हमलावरों की तलाश जारी है, जिनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमले का मकसद और इसके पीछे की सटीक परिस्थितियां अभी ज्ञात नहीं हैं।

बॉयफ्रेंड ने पिलाया जहर मिला कोल्ड ड्रिंक, 24 साल की प्रेमिका की मौत; चरित्र पर था शक

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में चेंबूर के आरसीएफ पुलिस थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में महिला के बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पर महिला को कथित तौर पर जहर मिला सॉफ्ट ड्रिंक पिलाने का शक है। बताया जा रहा है कि आरोपी को संदेह था कि महिला किसी दूसरे युवक के साथ रिश्ते में थी। मृतका की पहचान विष्णुमाया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 25-26 अगस्त की रात वह चेंबूर की मैसूर कॉलोनी स्थित बंगला नंबर 57-ए में बेहोशी की हालत में मिली थी। परिवार के सदस्य उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की जांच शुरू होने के बाद पुलिस ने घटनाक्रम से जुड़े लोगों से पूछताछ की और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की जांच की। पुलिस को कथित तौर पर जांच के दौरान पता चला कि विष्णुमाया को उसके बॉयफ्रेंड आशीष मगर ने जहर मिला हुआ कोल्ड ड्रिंक दिया था। पुलिस का आरोप है कि आशीष मगर ने शुरुआत में मामले को गुमराह करने की कोशिश की और महिला की मौत को सामान्य या प्राकृतिक मौत बताने का प्रयास किया। हालांकि, जांच आगे बढ़ने के बाद पुलिस को उसकी भूमिका पर संदेह हुआ। इसके बाद, आरसीएफ पुलिस ने आशीष मगर को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कथित तौर पर जहर कहां से लाया गया, उसे सॉफ्ट ड्रिंक में कैसे मिलाया गया और घटना के पीछे आरोपी की वास्तविक मंशा क्या थी। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं और उपलब्ध सबूतों की भी जांच कर रही है।

नेपाल में तबाही मचाने वाली भोटेकोशी नदी का जलस्तर फिर बढ़ा, नई बाढ़ का खतरा, अलर्ट जारी

काठमांडू, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद अधिकारी रविवार को फिर से सैलाब आने की चेतावनी दे रहे हैं। नेपाली अधिकारियों ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि बाढ़ प्रभावित जिलों के लोगों से कहा है कि वे पूरी तरह सतर्क रहें क्योंकि भोटेकोशी नदी में पानी का स्तर बढ़ गया है। ऐसे में इलाके में एक बार फिर बाढ़ का खतरा है। नेपाल में आई बाढ़ से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। ये बाढ़ इसी भोटेकोशी नदी में आए तेज बहाव के चलते आई है। रविवार सुबह नेपाली अफसरों की ओर से लोगों के फोन पर बाढ़ की चेतावनी के मैसेज भेजे गए। यह तब हुआ, जब बचाव दल उस हाईवे को साफ करने में जुटा है, जो काठमांडू को इलाके से जोड़ता है। यहां बुधवार की बाढ़ से सबसे ज्यादा तबाही हुई है। बचाव दल को भी अलर्ट मोड में रहने के लिए कहा गया है।

नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट के चीफ एग्जिक्यूटिव धर्म राज उप्रेती ने एपी को बताया कि ये ताजा चेतावनियां तब जारी की गईं, जब चीनी अधिकारियों ने नेपाली अफसरों को ऊपरी इलाकों में पानी का बहाव बढ़ने की जानकारी दी। ऐसे में हम किसी भी संभावित खतरे की तैयारी कर रहे हैं। गल्छी शहर में कुछ लोग ऊंची जगह पाने के लिए पास के पुल पर चले गए और नदी के उग्र बहाव को देखते रहे। लोगों ने उन विशाल चट्टानों की ओर इशारा किया जो पिछली बाढ़ में बहकर नीचे आ गई थीं। कर्मचारियों ने पानी के ऊपर बने सस्पेंशन ब्रिज पर खड़े लोगों को सीटी बजाकर वहां से हटने के लिए कहा। नेपाल के साथ-साथ तिब्बत में भी बाढ़ से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। तिब्बत में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। वहीं 546 लोग अभी लापता हैं। तिब्बत में बाढ़ के बाद लापता लोगों में 23 देशों के 261 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 49 भारतीय और 15 ब्रिटिश नागरिक शामिल हैं। एजेंसियां लोगों को खोजने के लिए लगातार बड़े पैमाने पर अभियान जारी रखे हुए हैं।

'मेसी इवेंट के टिकट का पैसा मिलेगा वापस', बंगाल सीएम का बड़ा ऐलान

कोलकाता, 30 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने लियोनेल मेसी वाले हंगामे का जिक्र करते बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि युवा भारती स्टेडियम में मेसी के अव्यवस्थित कार्यक्रम के लिए टिकट खरीदने वाले 33,000 प्रशंसकों को राज्य के खेल बजट से पैसा लौटाया जाएगा। विजार्ड ऑफ हॉकी मेजर ध्यानचंद की जयंती के मौके पर नबन्ना में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स डे के कार्यक्रम में उस घटना का जिक्र करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा, मेसी के बहुत सारे फैन हैं। उन्होंने 4,000 और 6,000 रुपये के टिकट खरीदे थे।

मेरी इच्छा है कि इन 33,000 खेल प्रेमियों को उनके पैसे वापस मिलें। मैंने इसके लिए अंदरूनी तौर पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुझे उम्मीद है कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। बता दें कि लियोनेल मेसी 13 दिसंबर, 2025 को कोलकाता के युवा भारती स्टेडियम आए थे, लेकिन कार्यक्रम में काफी अव्यवस्था हुई थी। इस अव्यवस्था के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार के खेल मंत्री अरूप बिस्वास की अत्यधिक दखलंदाजी को जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि उस दिन स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने 4,000 रुपये और 6,000 रुपये के टिकटों के लिए पैसे वापसी की मांग की थी, लेकिन वह मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है। हुए इस कार्यक्रम में पूर्व हॉकी खिलाड़ी गुरबक्स सिंह, खेल मंत्री इंद्रनील खान, ऑल इंडिया फ़ुटबॉल फ़ेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे और अन्य लोग शामिल हुए।

इस मौके पर बेहतरीन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे गए। खेल क्षेत्र की अनदेखी करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि जिन खिलाड़ियों को आज नियुक्ति पत्र मिले हैं, उनमें से कई के कागजात 11 साल से मुख्यमंत्री कार्यालय में धूल फांक रहे थे। बंगाल के मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के सालों में ओलंपिक, एशियाई खेलों या राष्ट्रीय टीमों में पश्चिम बंगाल की भागीदारी लगभग न के बराबर रही है,

बाढ़ की तबाही छिपा रहा चीन? वायरल वीडियो हटाए, विदेशी मीडिया की एंट्री भी रोकी

बिजिंग, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल और तिब्बत में आई भीषण बाढ़ से अब तक 676 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 3,000 लोग लापता हैं। इस बीच चीन पर बाढ़ से जुड़ी खबरों और वीडियो को सेंसर करने के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन में लोगों को बाढ़ की जानकारी मुख्य रूप से सरकारी मीडिया से मिल रही है। सरकारी मीडिया की खबरों में राहत और बचाव अभियान पर ज्यादा जोर है, जबकि बाढ़ से हुई तबाही की पूरी तस्वीर सामने नहीं आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने बाढ़ और भूस्खलन के वीडियो सोशल मीडिया पर डाले थे।

इनमें तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में एक बॉर्डर क्रॉसिंग पर मलबे का सैलाब आने का वीडियो भी था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह वीडियो चीनी सोशल मीडिया से हटा दिया गया। ब्रिटेन के अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, चीन के सरकारी मीडिया ने इस वीडियो को दिखाने के बजाय सिर्फ उसकी एक तस्वीर का इस्तेमाल किया।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने मुस्लिम देशों से एकजुट होने की अपील की

तेहरान, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में युद्ध शुरू होने के छह महीने बाद, रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने क्षेत्र के मुस्लिम देशों से अमेरिका और इज़राइल के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। युद्ध की शुरुआत में 28 फरवरी को अपने पिता अली खामेनेई की हत्या के कुछ समय बाद सत्ता संभालने वाले खामेनेई को अपनी नियुक्ति के बाद से अभी तक सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है, और अधिकारियों ने उनका कोई वीडियो या ऑडियो जारी नहीं किया है।

रविवार को, जब शिया मुसलमान पैगंबर मोहम्मद का जन्मदिन मना रहे थे, उन्होंने कहा, इस्लामिक देशों की समस्याओं का समाधान एकजुटता, दोस्ती और भलाई के रास्ते पर सहयोग है। उनकी आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने आगे कहा, कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पद पर हो, अगर वह ऐसा कुछ करता है जिससे मुसलमानों के बीच फूट पड़े और मुस्लिम समुदाय में संघर्ष पैदा हो - चाहे जानबूझकर या अनजाने में - तो उसने इस्लाम के दुश्मनों के मकसद को ही पूरा किया है। सर्वोच्च नेता ने क्षेत्रीय देशों के शासकों से अमेरिका और इज़राइल का जिक्र करते हुए कहा कि वे अपने असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजना को समझें और उसका मुकाबला करें। युद्ध के दौरान, ईरान ने मध्य पूर्व में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत, कतर और बहरीन सहित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था।

खामेनेई, जिनका देश की प्रमुख नीतियों पर अंतिम फैसला होता है, ने ईरानी अधिकारियों और नागरिकों से भी मतभेदों को भुलाकर इज़राइल और अमेरिका के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने शुक्रवार को दिए गए एक अन्य बयान को दोहराते हुए कहा, एक बार फिर, ईरानी लोगों को इस सेवक की सलाह है कि वे किसी भी तरह से अपने बीच मतभेद पैदा न होने दें। शुक्रवार के संदेश में उन्होंने कहा था, मैं दृढ़ता से कहता हूं कि सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी काम करना मना है।

सतना में बारिश का तांडवः रेलवे ट्रैक पर मंदाकिनी का उफान, 48 ट्रेनें फंसीं, चित्रकूट में 10 फीट तक घुसा पानी, एनडीआरएफ तैनात

सतना, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना जिले और आसपास के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश के कारण मंदाकिनी, बरदहा और सरभंगा नियां विकराल रूप धारण कर चुकी हैं। उफनती नदियों का पानी रेलवे ट्रैक पर आने से मुंबई-पटना और वाराणसी-कोलकाता रूट पर रेल यातायात घंटों ठप रहा, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही, चित्रकूट के कई रिहायशी इलाकों में 6 से 10 फीट तक बाढ़ का पानी भर गया है, जिससे राहत और बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ (एनडीआरएफ) की टीमों को मोर्चा संभालना पड़ा है। सतना जिले के चितहरा-मझगवां और खुटहा रेलवे स्टेशनों के बीच स्थिति बेहद गंभीर हो गई, जहां रेलवे ट्रैक के ऊपर से तेज रफ्तार में पानी बहने लगा। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ मधुर वर्मा ने बताया, सुबह करीब 6:30 बजे ट्रैक पर पानी आने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा के दृष्टि से ट्रेनों को तुरंत रोक दिया गया।

नेपाल त्रासदी में लापता रामप्रसाद के परिजनों से मिले केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कहा- खोजने का प्रयास जारी

रांची, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में 26 अगस्त को आई भयावह बाढ़ की त्रासदी के बाद रांची के रहने वाले रामप्रसाद घोष लापता हैं। उनसे 26 अगस्त के बाद से परिवार का कोई संपर्क नहीं हो पाया है। रामप्रसाद की तलाश में उनके परिजन लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी सिलसिले में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को रामप्रसाद के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। परिजनों से मुलाकात के दौरान संजय सेठ ने कहा कि रामप्रसाद घोष रांची के रहने वाले हैं और एक ऑस्ट्रेलियन कंपनी में काम करते थे। नेपाल में आई त्रासदी के बाद से वे लापता हैं। परिवार के सदस्य उन्हें खोजने के लिए काठमांडू गए हैं,

लेकिन अभी तक रामप्रसाद के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार दिनों से एंबेसी समेत अन्य माध्यमों से रामप्रसाद का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। संजय सेठ ने कहा कि सभी लोग ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि रामप्रसाद सकुशल वापस लौटें। उन्होंने बताया कि

रामप्रसाद पिछले करीब एक साल से नेपाल में काम कर रहे थे और त्रासदी के बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि वे घायल हैं, सुरक्षित स्थान पर हैं या किसी अन्य स्थिति में हैं। उन्हें खोजने के लिए हर स्तर पर प्रयास जारी है।

रामप्रसाद की बहन पूजा घोष ने कहा कि अभी तक उनकी खोज ही की जा रही है। उनका कहीं कोई पता नहीं चल रहा है। उन्होंने बताया कि वहां से यह सूचना मिली थी कि लोग पहाड़ के ऊपर हैं और अब नीचे आ गए हैं, लेकिन वहां भी उनके भाई नहीं मिले। वहीं, रामप्रसाद के भाई प्रकाश कुमार घोष ने बताया कि 25 अगस्त को उनकी रामप्रसाद से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। इसके बाद 26 अगस्त से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

सीएम विजय का राशन की दुकानों से 30 रुपये किलो प्याज बेचने का आदेश

महंगाई से परेशान तमिलनाडु को बड़ी राहत

चेन्नई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। खुदरा कीमतों में वृद्धि के कारण राज्य भर में आम लोगों के बजट पर दबाव पड़ रहा है। अब तमिलनाडु का सहकारी क्षेत्र राशन की दुकानों के माध्यम से रियायती कीमतों पर प्याज बेचने की तैयारी कर रहा है। रसोई में इस्तेमाल होने वाली एक आम सामग्री, प्याज, पिछले कुछ हफ्तों में महंगी हो गई है। बड़ी प्याज, जो पिछले महीने के अंत में लगभग 30 रुपये प्रति किलो मिल रही थी, अब कई खुदरा बाजारों में लगभग 60 रुपये प्रति किलो बिक रही है। छोटी प्याज, या शैलोट, की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है, जो पिछले महीने लगभग 40-50 रुपये प्रति किलो थी, अब बढ़कर लगभग 70 रुपये प्रति किलो हो गई है। इस वृद्धि से उन उपभोक्ताओं पर और भी बुरा असर पड़ा है जो पहले से ही कई आवश्यक सब्जियों की ऊंची कीमतों से परेशान हैं। बाजार दरों के स्थिर बने रहने के कारण, सहकारी क्षेत्र ने थोक में प्याज की खरीद करके और प्रचलित खुदरा स्तरों से काफी कम कीमतों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उनकी आपूर्ति करके हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत, राज्य ने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और 70,000 किलोग्राम प्याज के आवंटन की मांग की है। केंद्रीय एजेंसी से प्याज मिलने के बाद, प्याज को तमिलनाडु भर के राशन दुकानों में वितरित किया जाएगा। इनके 30 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बिकने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ताओं को खुले बाजार की कीमतों की तुलना में 30 रुपये प्रति किलोग्राम तक की राहत मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि पहली खेप से आगे की मात्रा मंगाने से पहले मांग का आकलन करने में मदद मिलेगी।

प्रस्तावित हस्तक्षेप का उद्देश्य परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करना और अचानक हुई मूल्य वृद्धि के प्रभाव को कम करना है। पहले भी सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं और राशन की दुकानों का उपयोग आवश्यक वस्तुओं को नियंत्रित कीमतों पर बेचने के लिए किया जाता रहा है, जब भी आपूर्ति की कमी या मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण खुदरा कीमतों में तेजी से वृद्धि होती थी। रियायती बिक्री कार्यक्रम शुरू होने के दौरान अधिकारियों से थोक और खुदरा बाजारों में प्याज की कीमतों और उपलब्धता पर नजर रखने की उम्मीद की जाती है।

उत्तर कोरिया में बड़ा मिलिट्री फेरबदल, किम जोंग उन ने हटाया डिफेंस मिनिस्टर

सियोल, 30 अगस्त (एजेंसियां)। इंडो-पैसिफिक इलाके में बढ़ते तनाव के बीच, उत्तर कोरिया के डिफेंस मिनिस्टर नो क्वांग चोल को सेना में बड़े बदलाव के तहत उनके पद से हटा दिया गया। उत्तर कोरिया की सरकारी यह बदलाव 'स्ट्रक्चरल री-ऑर्गनाइजेशन प्लान' के तहत किया गया है। इस री-ऑर्गनाइजेशन का फैसला शनिवार को उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन की अध्यक्षता में हुई एक मीटिंग में लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, नो क्वांग-चोल को सिर्फ डिफेंस मिनिस्टर के पद से ही नहीं हटाया गया, बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी में भी उनकी रैंक कम कर दी गई।

उन्हें 'आर्मामेंट इंडस्ट्री डिपार्टमेंट का फर्स्ट डिप्टी डायरेक्टर' बनाया गया है। वहीं, कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल पॉलिटिकल ब्यूरो के डायरेक्टर किम सोंग-गी को नया डिफेंस मिनिस्टर बनाया गया है। एक अन्य सीनियर अधिकारी और डिफेंस एडवाइजर पाक जोंग-चोन को सेंट्रल मिलिट्री कमीशन का वाइस चेयरमैन बनाया गया। उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पॉलिटिकल ब्यूरो में भी शामिल किया गया है। सरकारी एजेंसी ने बताया कि सेना के री-ऑर्गनाइजेशन के साथ कई दूसरे अधिकारियों के पदों में भी बदलाव और प्रमोशन किए गए हैं। एक अलग रिपोर्ट में बताया कि किम जोंग उन ने शनिवार को एक प्रोग्राम में देश के साइंटिस्ट्स, रिसर्चर्स और अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने डिफेंस टेक्नोलॉजी में उनकी प्रोग्रेस की तारीफ की और उन्हें देश के सबसे बड़े नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया।

बताया कि सम्मान पाने वाले लोगों ने "नई कॉम्बैट वेपन सिस्टम्स को डेवलप करने से जुड़ी अहम साइंटिफिक और टेक्निकल प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने" में बड़ा योगदान दिया है। हालांकि, एजेंसी ने यह साफ नहीं किया कि ये कौन-से नए हथियार या वेपन सिस्टम हैं। जून के आखिर में किम जोंग उन ने नई लॉन्ग-रेंज मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और आर्टिलरी सिस्टम के टेस्ट की निगरानी की थी। सेना की लीडरशिप में यह ताजा बदलाव दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाली सालाना जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज खत्म होने के तुरंत बाद हुआ है। प्योंगयांग लंबे समय से इन मिलिट्री एक्सरसाइज की आलोचना करता रहा है।

मराठा आरक्षण की मांग पर मनोज जरांगे का अल्टीमेटम, मुंबई कूच का ऐलान

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रमुख नेता मनोज जरांगे पाटील ने महाराष्ट्र सरकार को एक बार फिर समयसीमा देते हुए बड़ा आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर 12 सितंबर तक मराठा समाज की प्रमुख मांगों पर सरकार ने ठोस फैसला नहीं लिया, तो राज्यभर से मराठा समाज मुंबई की ओर कूच करेगा। जरांगे पाटील ने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलन को सीमित करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मराठा समाज की संख्या और आंदोलन की ताकत को किसी भी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने महाराष्ट्र के साथ-साथ मुंबई में रहने वाले मराठा समाज के लोगों से अपील की कि आंदोलन के दौरान आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

जरांगे ने कहा कि मुंबई में ऐसा शांतिपूर्ण माहौल बनाया जाना चाहिए, जिससे लोगों को यह स्पष्ट हो कि मांगों का समाधान नहीं होने के कारण मराठा समाज को मुंबई का रुख करना पड़ा है। मनोज जरांगे पाटील ने एक बार फिर कहा कि मराठा समाज को स्थायी और प्रभावी आरक्षण दिलाने का रास्ता कुणबी आरक्षण से ही निकल सकता है। उन्होंने एसईबीसी, ईडब्ल्यूएस, सारथी और कुणबी से जुड़े सरकारी जीआर सहित अन्य मुद्दों को भी आंदोलन में प्रमुखता से उठाने की बात कही। जरांगे ने आंदोलन में शामिल कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आंदोलन के दौरान आगजनी, तोड़फोड़ या पत्थरबाजी जैसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

मुसलमानों पर विवादित कमेंट पड़ा भारी झारखंड कांग्रेस ने 2 नेताओं को किया सस्पेंड

रांची, 30 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में मुसलमानों पर विवादित टिप्पणी करने वाले 2 कांग्रेस नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। झारखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष अभिलाष साहू और को-आर्डिनेटर अमरेंद्र सिंह ने मुसलमानों का उपहास उड़ाया था। लाइव वीडियो के दौरान उन्होंने मुसलमानों को गाली दी थी और कहा था कि योगी आदित्यनाथ उनके साथ ठीक कर रहे हैं। निष्कासन पत्र में कांग्रेस पार्टी ने लिखा है कि झारखंड प्रदेश अनुशासन समिति द्वारा पिछले दिनों ईरबा सड़क जाम के दौरान वीडियो वायरल मामले में सुनवाई के बाद दोनों नेताओं को प्राथमिक सदस्यता से तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 31 अगस्त - 2026

नेपाल की त्रासदी

नेपाल में आई भीषण आपदा ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि संकट की घड़ी में मानवीय मदद को कूटनीतिक संकोच की भेंट चढ़ाना कितना उचित है। त्रासदी में मरने वालों की संख्या 770 के पार जा चुकी है, जबकि डेढ़ हजार से अधिक लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव के बीच नेपाल के सामने दोहरी चुनौती है। तिब्बत सीमा के पास हिमस्खलन की वजह से बनी झील में जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे आपदा की दूसरी लहर का खतरा भी मंडराने लगा है। ऐसे समय में हर मिनट अनमोल है और मदद का दायरा जितना व्यापक हो, उतना ही बेहतर है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, नई दिल्ली ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें नेपाल भेजने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन काठमांडू ने फिलहाल विदेशी खोज एवं बचाव दलों की मदद लेने से इनकार कर दिया है। नेपाल का कहना है कि जहां जरूरत होगी, वहां विशेष तकनीकी सहायता ली जाएगी। आत्मनिर्भरता और अपनी क्षमताओं पर भरोसा स्वाभाविक है, लेकिन आपदा प्रबंधन में आत्मसम्मान और समयबद्ध जीवनरक्षा के बीच संतुलन भी जरूरी है। मदद स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि मानवीय प्राथमिकताओं को सर्वोच्च रखने का संकेत है। नेपाल की चिंता का आधार 2015 का विनाशकारी भूकंप भी है। तब बड़ी संख्या में विदेशी बचाव दल नेपाल पहुंचे थे, लेकिन उनके बीच समन्वय को लेकर समस्याएं सामने आई थीं। इसलिए उस कडवे अनुभव के कारण काठमांडू का सतर्क रहना समझा जा सकता है। फिर भी परिस्थितियां स्थिर नहीं हैं। जब सैकड़ों लोग अब भी लापता हों, तो हर अतिरिक्त घंटे के साथ उनके जीवित मिलने की संभावना प्रभावित होती है। नेपाल का अपना सुरक्षा बल राहत कार्य संभाल सकता है, पर सवाल केवल क्षमता का नहीं, बल्कि समय और संसाधनों की उपलब्धता का भी है। यहीं एनडीआरएफ की विशेषज्ञता महत्वपूर्ण हो जाती है। विदेशों में कठिन परिस्थितियों में काम करने का उसका अनुभव केवल भारत की क्षमता नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों के लिए भी भरोसे का आधार है। वर्ष 2023 में तुर्किये में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान एनडीआरएफ ने राहत एवं बचाव कार्यों में जो योगदान दिया था, उसे भुलाया नहीं जा सकता। वर्ष 2011 में जापान में आए भूकंप, सुनामी और परमाणु रिएक्टर में रिसाव की तिहरी आपदा के समय भी एनडीआरएफ की टीम वहां मौजूद थी। ऐसे अनुभव बताते हैं कि प्रशिक्षित विशेषज्ञ दल आपदा के बीच स्थानीय प्रयासों को मजबूत कर सकते हैं, उन्हें प्रतिस्थापित करना जरूरी नहीं। नेपाल की मौजूदा त्रासदी केवल नेपाल की समस्या नहीं है। फ्लैश फ्लड का असर तीन देशों पर पड़ा है। लापता लोगों में भारत, चीन, अमेरिका और मलेशिया समेत लगभग 35 देशों के नागरिक हैं। ऐसे में प्रभावित देशों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। पिछला अनुभव चाहे जितना कठिन रहा हो, उससे सीख लेकर आज बेहतर प्रोटोकॉल, स्पष्ट कमान और साझा सूचना तंत्र बनाया जा सकता है। यही आपदा प्रबंधन की व्यावहारिक जरूरत भी है। भारत-नेपाल संबंध केवल पड़ोसी देशों के औपचारिक रिश्ते नहीं हैं; इनके केंद्र में साझा समाज और मानवीय जुड़ाव भी है। इसलिए भारत की पेशकश को राजनीतिक प्रभाव के चश्मे से देखने के बजाय पड़ोसी धर्म और मानवीय दायित्व के रूप में देखा जाना चाहिए। नेपाल को विदेशी सहायता स्वीकार करने के सवाल को प्रतिष्ठा से नहीं, जीवन बचाने की कसौटी से देखना चाहिए। भारत को भी मदद थोपने के बजाय संवेदनशीलता और समन्वय के साथ अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध करानी चाहिए। आपदा के समय सीमाएं नहीं, इंसानियत सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

विचार आधारित राजनीति से ही व्यवस्था बदलेगी

रघु ठाकुर

जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन और 20 जुलाई के संसद मार्च ने कई प्रश्न और शंकाएं पैदा की हैं। इस आंदोलन के प्रति आशंकाओं के बारे में पहले लिख चुका हूँ। जो संशय मैंने व्यक्त किये थे उनमें से अधिकांश सच भी हुए हैं। अन्ना हजारे के 2010 के अभियान के समय कारपोरेट के इलेक्ट्रानिक मीडिया ने जनमत को गुमराह किया था जिसकी असलियत अब सामने आ चुकी है। इस छात्र आंदोलन के पीछे के जो निहित उद्देश्य हैं वह भी धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं।

हालांकि जो घोरिुत लक्ष्य था वह इस अर्थ में सफल माना जाना चाहिये कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हुआ है। जहां तक पेपर लीक के खिलाफ कड़े कानून का प्रश्न है, वह कानून तो 2024 में भी पारित हुआ था जिसमें पेपर लीक करने पर अधिकतम 5 वर्ष की सजा और 1 करोड़ जुर्माने का प्रावधान था।

अब 2026 के नये कानून में जुर्माना की राशि बढ़ाकर 4 करोड़ तक और सजा की अवधि बढ़ाकर 10 वरुा तक की गई है। प्रश्न जुर्माने या सजा अवधि का बढ़ाने का नहीं था, बल्कि उस कानून का क्रियान्वयन कैसा हुआ व कितना हुआ यह महत्वपूर्ण था?

इन 2 वर्ष की अवधि में किसी भी पेपर लीक के अपराधी के खिलाफ कोई सजा या 1 करोड़ जुर्माने की सूचना मीडिया में नहीं आई। धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से एक बात मात्र अवश्य सकारात्मक हुई है कि अब भविरुय में भी अगर किसी गंभीर घटना पर दस-बीस हजार लोग इकट्ठे होंगे तो सरकारें उनके साथ समझौते करेंगी। तात्पर्य यह कि, भारत सरकार ने अपनी नीति स्परुट कर दी है कि कम संख्या होने पर वह जायज बात भी नहीं मानेगी और कुछ हजार लोग इकटठे होने पर वह जायज नाजायज जरूरी या गैर जरूरी सभी बातें मानेगी।

वैसे तो 2023 में भी दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे किसानों के लंबे धरने के समय भी ऐसी ही घटना हुई थी और लगभग 1 वर्ष के निरंतर धरने के बाद वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो किसानों के आंदोलन को गलत मानते थे, चुनाव पूर्व रातोंरात किसान समर्थक गये और तीनों बिल वापिस किये। मैंने तब भी इन 3 बिलों में से एक बिल को उचित माना था। और आज न केवल मैं, बल्कि अधिकांश किसान संगठन उसे उचित मान रहे हैं परंतु प्रचार मीडिया और भीड़ कई बार सत्य की आवाजों को दबा देती है। पेपर लीक मामले को लेकर मैंने 2024 में भी धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी।

अभी मई 2026 में भी नैतिक आधार पर उनके इस्तीफे की मांग की थी परंतु प्रधानमंत्री और सरकार केवल ताकत और गाली की भाषा को समझती है। अगर मई माह में ही लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की बात को सुना होता तो जिस अपमान के साथ सरकार को झुकना पड़ा शायद यह वह नहीं होता।इसके दो परिणाम संभावित है। पहला, यह कि आमजन में यह भावना पहुंची है और मजबूत होगी कि सरकारें तभी संवेदनशील होती है। जब लाचार होती है। हो सकता है कि भविरुय में सरकारें जन आंदोलन से शीघ्र बातचीत शुरू करे और उनकी समस्यायें हल करें, जैसा कि 25 जुलाई के बाद मप्र के भोपाल में किसानों के भोपाल मार्च के साथ मुख्यमंत्री ने किसानों के द्वारा 21 बेरीकेड पार करने के बाद उनसे समझौता कर लिया।

दूसरा यह भी संभावित है कि अब भीड़ की संख्यात्मक बल के आधार पर अनुचित मांगों को मानने को भी सरकारें लाचार होगी, हालांकि भीड़ का कानून सदैव सही नहीं होता। शाहबानो वाले प्रकरण में मुस्लिम भाईयों की भीड़ के सामने स्वर्गीय राजीव गांधी झुके और उसका परिणाम देश व उनकी पार्टी देख चुकी है। परंतु अब इस नई पीढ़ी को रिझाने समझाने, संवाद करने और गुमराह करने के लिये देश के कई राजनैतिक दल और विशेरुातरू प्रधानमंत्री और उनकी मातृ संस्था संघ सक्रिय हुई है जिन प्रधानमंत्री ने 21 बच्चों की पेपर लीक से उत्पन्न हुई निराशा के बाद आत्महत्या करने पर भी एक शब्द नहीं कहा, वही वह आजकल इंस्ट्राग्राम पर नियमित संवाद कर रहे हैं। जो संघ एक चाल के सिद्धांत पर पिछले सौ वरुों से चल रहा था वह अब जनतंत्र, संवाद और मिलजुलकर निर्णय की बात करने लगा है। इस छात्र आंदोलन में 14, 15 जुलाई तक मात्र कुछ सैकड़ा लोग दिल्ली के जंतर-मंतर पर थे और इनमें न केवल कॉकरोच जनता पार्टी वाले बल्कि वामपंथी संगठनों एसएफआई, माले, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता छात्र कांग्रेस व कुछ भीम आर्मी के नौजवान भी शामिल थे। परंतु इंस्ट्राग्राम, रील, मीम जैसे सोशल मीडिया के नये टूल्स ने एक ऐसा जुनून का गुब्बारा भीतर-भीतर भरा जिसकी कल्पना किसी को भी नहीं थी, यहां तक कि सरकार को भी नहीं थी, उसके चलते 20 जुलाई को हजारों नौजवान व लोग जंतर-मंतर व दिल्ली की सड़कों पर उतरे। इतना ही नहीं 20 को संसद मार्च व लाठी चार्ज के बाद सारे देश में सरकार के प्र्र्ति एक आक्रोश पैदा हुआ। स्वमेव छात्र, उनके अभिभावक अपने-अपने शहरों में सड़कों पर निकलना शुरू हुये। अब छात्र जो हाई स्कूल, कालेज या विवि में पढ़ते हैं उनका सबसे नजदीकी व प्रिय परिवार नहीं है बल्कि हाथ का मोबाइल है जिसे वे दिन रात व कभी-कभी तो सोते समय कान में लीड लगाकर साथ रखते हैं। यह तकनीक ने एक नया संवाद का माध्यम पैदा किया है जो बाहर नजर नहीं आता पर अंदर समुद्र के नीचे लहरों के समान चलता है और जब यह फैलना शुरू हुआ तो प्रधानमंत्री जी और उनके संघ परिवार के लोग जिन छात्रों को रारुट्रद्रोही व विदेशी ताकतें, सनातन के विरोधी आदि-आदि रूप में देखते थे वे ही रात 12 बजे उनके प्रिय युवा मित्र हो गये इसके बाद प्रधानमंत्री, संघ और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट की भी भारुा बदली है। दरअसल इस वाणी परिवर्तन के पीछे बड़ी भूमिका उन गंदी गालियों की है जिन्हें कुछ युवक युवतियों ने न केवल उच्चारित की, बल्कि उन्हें बाकायदा सोशल मीडिया पर रील व मीम बनाकर पोस्ट किया। जब यह गलियां इंस्टाग्राम पर करोड़ नौजवानों और लोगों ने सुनी तो वे भी उत्साहित हुये। भीड़ तो किसान आंदोलन में भी थी पर उसकी आवाज सरकार ने 1 साल बाद चुनाव के पूर्व ही सुनी। परंतु इस बार चुनाव के ढाई वरुा पहले और एक सप्ताह के अंदर यह आवाज इसलिए सुनी क्योंकि इस नई पीढ़ी की जमात ने उनका मान मर्दन कर दिया।

न केवल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गालियां सुनने के बाद अपना स्वर बदला और रातों रात वे लोकतांत्रिक हो गए। संघ ने भी जिसके सह कार्यवाहक श्री होसबोले ने अपने बयान में छात्रों के पीछे सनातन व रारुट्र विरोधी शक्तियों के होने का संकेत दिया था जिसकी पुरिुट डॉक्टर मोहन भागवत ने भी की थी, इन गालियों के बाद उनका सुर बदला और उन्हीं मोहन भागवत ने जब दिल्ली में अपनी संस्था के नाम गालियां सुनीं तो उन्हें लोकतंत्र और संवाद याद आ गया। उन्होंने पलटी मारकर बयान दिया कि नई पीढ़ी आदेश नहीं मानती इससे संवाद करें। अब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री सूर्यकांत जी जिन्होंने इन छात्रों को कॉकरोच कहकर संबोधित किया था उनकी याचिका सुनने इंकार कर दिया था। रातों-रात उनकी भारुा और सुर बदल गए, क्योंकि इस भीड़ ने उनके लिए भी गालियों से संबोधित किया, जैसे प्रधानमंत्री जी को किया था।

बांग्लादेश का चीनी दांव, भारत के लिए कितना खतरा?

महेन्द्र तिवारी

दक्षिण एशिया की भू राजनीति एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां सैन्य शक्ति, कूटनीति और तकनीकी वर्चस्व तीनों मिलकर नए क्षेत्रीय समीकरण बना रहे हैं। भारत के पूर्वी पड़ोसी बांग्लादेश द्वारा चीन से 20 जे 10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की दिशा में बढ़ाया गया कदम इसी परिवर्तन का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। लगभग 2.3 अरब डॉलर के इस प्रस्तावित रक्षा समझौते ने केवल ढाका और बीजिंग के संबंधों को ही चर्चा में नहीं लाया, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, बंगाल की खाड़ी के सामरिक महत्व और पूरे दक्षिण एशिया के शक्ति संतुलन पर भी नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यह सौदा अभी अंतिम प्रक्रिया में है, लेकिन दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर इसकी तैयारी को क्षेत्र की सबसे बड़ी रक्षा परियोजनाओं में गिना जा रहा है।

चीन पिछले दो दशकों में बांग्लादेश का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन चुका है। नौसैनिक युद्धपोतों से लेकर टैंक, मिसाइल प्रणालियां और लड़ाकू विमानों तक, चीनी सैन्य उपकरण बांग्लादेश की रक्षा संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। जे 10सीई की खरीद इस दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करती है। यही कारण है कि नई दिल्ली इस घटनाक्रम को केवल एक व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की व्यापक रणनीति के रूप में देख रही है।इस रक्षा समझौते की आर्थिक संरचना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमान की मूल कीमत लगभग 62.7 मिलियन डॉलर प्रति इकाई बताई जाती है, किंतु वास्तविक लागत इससे कहीं अधिक है। पायलटों का प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, रखरखाव, कल-पुर्जों की दीर्घकालिक आपूर्ति, हथियारों का भंडार और हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण को जोड़ने पर प्रत्येक विमान की प्रभावी लागत लगभग 115 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाती है। कुल भुगतान वर्ष 2035 तक किश्तों में किए जाने की योजना है, जिससे बांग्लादेश तत्काल आर्थिक दबाव से बच सकेगा। यह व्यवस्था बताती है कि चीन केवल हथियार नहीं बेच रहा, बल्कि दीर्घकालिक रक्षा निर्भरता भी स्थापित कर रहा है। किसी भी विकासशील राष्ट्र के लिए इतनी बड़ी सैन्य खरीद एक राजनीतिक निर्णय भी होती है। बांग्लादेश को अभी भी रोजगार, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद वायुसेना के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता देना यह संकेत देता है कि ढाका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव को नए स्तर पर ले जाना चाहता है। यदि यह समझौता पूरी तरह लागू होता है तो पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश चीन के इस आधुनिक लड़ाकू विमान का दूसरा विदेशी संचालक बन जाएगा।

इस खरीद के समर्थन में बांग्लादेश के भीतर एक विशेष राजनीतिक कथा भी गढ़ी जा रही है। वहां यह तर्क दिया जा रहा है कि मई 2025 के भारत पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में चीनी तकनीक वाले जे 10सीई ने अपनी प्रभावशीलता सिद्ध कर दी थी। कुछ राजनीतिक नेताओं और समर्थकों ने इसे पश्चिमी तकनीक के मुकाबले अधिक सक्षम विमान के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। हालांकि स्वतंत्र रक्षा विशेषज्ञों का मत इससे अलग है। उनका कहना है कि उस संघर्ष से जुड़े अनेक दावों की निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए किसी विमान की श्रेष्ठता का निष्कर्ष केवल राजनीतिक प्रचार के आधार पर नहीं निकाला जा सकता।

तकनीकी दृष्टि से जे 10सीई निश्चित रूप से एक आधुनिक लड़ाकू विमान है। यह चौथी और आधी पीढ़ी की श्रेणी में रखा जाता है तथा इसमें सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक स्कैनिंग रडार, डिजिटल उड़ान नियंत्रण प्रणाली और लंबी दूरी तक मार करने वाली पीएल 15 मिसाइल लगाने की क्षमता है। इसका उद्देश्य हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों प्रकार के अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करना है। यही कारण है कि इसे बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान कहा जाता है। भारत के लिए वास्तविक चिंता केवल इस विमान की क्षमता नहीं, बल्कि इसकी भौगोलिक स्थिति है। पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान पहले से इसी प्रकार के चीनी विमान का संचालन कर रहा है। यदि पूर्व में बांग्लादेश भी वही तकनीक अपनाता है तो भारतीय वायुसेना को दोनों मोर्चों पर समान प्रकार की रडार प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और मिसाइल खतरों का सामना करना पड़ सकता है। सामरिक भाषा में इसे तकनीकी मानकीकरण कहा जाता है। इससे विरोधी देशों के बीच प्रशिक्षण, रखरखाव और सूचना साझाकरण की संभावना भी बढ़ जाती है, जो किसी भी क्षेत्रीय शक्ति के लिए गंभीर रणनीतिक विषय होता है। इन परिस्थितियों में भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राफेल केवल एक विमान नहीं, बल्कि एक समग्र युद्ध प्रणाली है। इसमें दो शक्तिशाली इंजन लगे हैं, जबकि जे 10सीई एक इंजन पर आधारित है। दो इंजन होने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि युद्ध या तकनीकी खराबी की स्थिति में भी विमान सुरक्षित लौटने की संभावना अधिक रहती है। विशेषकर समुद्र और पर्वतीय क्षेत्रों में यह विशेषता पायलट की सुरक्षा और अभियान की सफलता दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

राफेल की मारक क्षमता भी उल्लेखनीय है। यह लगभग 9500 किलोग्राम तक हथियार, बम और अतिरिक्त ईंधन ले जा सकता है। इसके लिए इसमें 14 हथियार बिंदु उपलब्ध हैं। दूसरी ओर जे 10सीई की क्षमता लगभग 5600 किलोग्राम और 11 हथियार बिंदुओं तक सीमित मानी जाती है। इसका सीधा अर्थ है कि राफेल एक ही उड़ान में अधिक विविध प्रकार के हथियार लेकर लंबी दूरी तक प्रभावी हमला करने में सक्षम है। यही कारण है कि भारतीय वायुसेना इसे गहरे प्रहार वाले अभियानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानती है। आधुनिक हवाई युद्ध का सबसे निर्णायक क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक युद्ध है। आज जीत केवल मिसाइलों से नहीं, बल्कि रडार, सेंसर और डिजिटल सुरक्षा प्रणालियों से तय होती है। राफेल की स्पेक्ट्रा प्रणाली दुनिया की सबसे उन्नत इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणालियों में गिनी जाती है। यह दुश्मन के रडार संकेतों का विश्लेषण करके उन्हें भ्रमित करती है, मिसाइल की चेतावनी देती है और आवश्यकता पड़ने पर इलेक्ट्रॉनिक प्रतिरोध उत्पन्न करती है। इससे विमान की उत्तरजीविता कई गुना बढ़ जाती है। चीन ने भी अपने विमानों में आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां विकसित की हैं, लेकिन उनकी वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में विश्वसनीयता को लेकर वैश्विक स्तर पर अभी भी सावधानीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाता है। लंबी दूरी की मिसाइलों की बात करें तो भारत के पास मीटिओर जैसी अत्याधुनिक प्रणाली उपलब्ध है, जबकि जे 10सीई पीएल 15 मिसाइल से लैस हो सकता है। दोनों ही लंबी दूरी की मिसाइलें हैं, लेकिन उनकी तकनीकी संरचना अलग है। मीटिओर में विशेष प्रणोदन तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे अंतिम चरण तक उसकी ऊर्जा और गति बनी रहती है।

आत्मकथा का सच प्रमाण मांग सकता है, अनुमति नहीं

आरके जैन

कुछ अनुभव उम्र के साथ धुंधले नहीं पड़ते, भीतर और गहरे उतरते हैं। मनुष्य उन्हें उसी नजर से लिखता है, जिस नजर से उसने जिया। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' पर उठी बहस इसी अधिकार की सीमा का सवाल है। कांग्रेस का आरोप है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने मोदी, आरएसएस और चीन की सीमा से जुड़े अंश हटाने या बदलने को कहा। प्रकाशक का कहना है कि वह भारत में इस किताब का प्रकाशक नहीं है और तथ्य-जांच व संपादकीय सुझाव सामान्य प्रक्रिया हैं। दावे अलग हैं, लेकिन भारत में किताब का प्रकाशन फिलहाल रुका है। सवाल है-क्या लेखक की अपनी स्मृतियों को ऐसी कसौटी पर कसा जाना चाहिए, जो उसकी दृष्टि को अधूरा कर दे?

संपादन की कैंची तथ्य पर चलनी चाहिए, स्मृति पर नहीं। प्रकाशक को संदर्भों की शुद्धता, तथ्यों की पड़ताल और कानूनी जोखिमों की जांच का पूरा अधिकार है। लेकिन आत्मकथा सरकारी फाइल का पुनर्लेखन नहीं, बल्कि जीवन को भीतर से देखी गई आंखों का बयान है। सोनिया गांधी ने मोदी से मुलाकातों, आरएसएस और चीन की सीमा से जुड़े प्रसंगों को जिस नजर से देखा, वह उनकी अपनी अनुभूति है। पाठक उसे अंतिम सत्य नहीं, एक व्यक्ति की गवाही मानकर पढ़ता है। तथ्य गलत हों तो सुधारे जाएं, संदर्भ अधूरे हों तो पूरे किए जाएं; पर केवल असुविधाजनक दृष्टि को हटा देना संपादन की सीमा से बाहर है।

इतिहास की स्याही सिर्फ घटनाएं नहीं, उन्हें देखने वाली आंखें भी दर्ज करती है। गांधी की डायरियां, नेहरू की आत्मकथा और इंदिरा गांधी के पत्र इसलिए मूल्यवान हैं कि उनमें समय की धड़कन और लेखक की निजी दृष्टि साथ है। सीमाएं थीं, फिर भी यही अपूर्णता उन्हें जीवंत बनाती है। आत्मकथा का अर्थ अपने अनुभव को अपनी नजर से दर्ज करना है।

ऐसे में पेंगुइन का कहना कि वह पुस्तक प्रकाशित करना चाहता था, पर सहमति नहीं बनी, सवाल छोड़ता है। 'इच्छा' और 'सहमति' के बीच कितनी दूरी हो कि लेखक की स्मृतियां भी संपादन के दायरे में आ जाएं? तथ्य-जांच प्रकाशक का अधिकार और दायित्व है, लेकिन लेखक की दृष्टि बची रहे—यह भी जरूरी है। राजनीति की बहस अक्सर अपनी-अपनी सुविधा का आईना लेकर शुरू होती है। कांग्रेस इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न मानती है, जबकि भाजपा राजनीतिक दावों की तथ्य-जांच को जरूरी ठहरा सकती है। दोनों तर्कों में वजन है। लेकिन असली कसौटी दल नहीं, पाठक होना चाहिए। आत्मकथा न अंतिम सत्य है, न केवल इसलिए संदिग्ध कि लेखक राजनीति में रहा है। संस्मरण को प्रमाण से अलग पहचानने की समझ पाठक में है। उसे सहमत होने जितना ही असहमत होने का अधिकार भी है। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि असहमति का जवाब शब्दों से दिया जाए, शब्दों को रोककर नहीं। किसी किताब की सबसे बड़ी परीक्षा उसके शब्द नहीं, उन्हें सुनने का समाज का साहस होता है। सोनिया गांधी की पुस्तक का सरोकार भारत की राजनीति और समाज से है, फिर भी उसके कुछ अंशों को लेकर भारत में ही अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है, जबकि वही सामग्री दुनिया के दूसरे हिस्सों में सामने आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय संस्करण अल्फ्रेड ए. नॉफ (पेंगुइन रैंडम हाउस) से 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा और उसमें विवादित अंश रहने की संभावना है। भारत में हार्परकॉलिन्स समेत अन्य प्रकाशकों से बातचीत जारी है। इससे सवाल उठना स्वाभाविक है। किसी तथ्य पर संदेह हो तो प्रमाण से जवाब दिया जा सकता है, किसी दृष्टिकोण से असहमति हो तो दूसरा दृष्टिकोण रखा जा सकता है। पन्ने हटाने से बहस मिटती नहीं, अक्सर और गहरी होती है। बेहतर रास्ता यही है कि पाठक को पूरी बात देखने और अपना निष्कर्ष चुनने दिया जाए। लोकतंत्र आखिर नागरिकों की समझ पर भरोसे से ही मजबूत होता है।

बीता हुआ समय किसी आदेश से अपना अर्थ नहीं बदलता। जो किसी ने जिया, उसकी स्मृति में वह उसी की अनुभूति के साथ बचा रहता है; इतिहासकार बाद में उसी घटना को दूसरे स्रोतों और दूसरी नजर से परख सकता है। दोनों सच अपने-अपने स्थान पर रह सकते हैं-यही इतिहास की जटिलता है। इसलिए आज जिन पन्नों पर बहस है, वे कल केवल सोनिया गांधी की यादें नहीं होंगे; वे 2026 के राजनीतिक माहौल की एक झलक भी देंगे। आने वाली पीढ़ियां शायद यह भी देखेंगी कि उस समय भारत अपने अतीत को कैसे याद करता था, किन शब्दों पर ठहरकर सोचता था और किन स्मृतियों को सार्वजनिक करने में कितना संकोच करता था। इस बहस की मंजिल किसी पक्ष की जीत नहीं, सही सीमा-रेखा तय करना है। प्रकाशक तथ्य और संदर्भ जांचे, लेखक अपने कथनों की जिम्मेदारी उठाए और पाठक को पूरी सामग्री परखने का अवसर मिले। मोदी से जुड़ा प्रसंग हो, आरएसएस पर दृष्टिकोण या चीन की सीमा संबंधी उल्लेख-तथ्य हो तो प्रमाण सामने आए, निजी अनुभव हो तो उसे उसी रूप में समझा जाए।

लोकतंत्र में असहमति का उत्तर शब्द मिटाकर नहीं, बेहतर तथ्य और मजबूत तर्क देकर दिया जाता है। यही रास्ता लेखकीय स्वतंत्रता को भी बचाता है और बहस की गरिमा को भी। किताब की अंतिम कसौटी उसका छपना नहीं, उसे पढ़ने वाला समाज है।

शरीर नहीं, दृष्टि हैं कृष्ण!

डॉ घनश्याम बादल

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, उस चेतना के प्रकट होने का पर्व है, जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर, मोह से विवेक की ओर और स्वार्थ से सत्य की ओर ले जाती है। कृष्ण का कारागार में जन्म भी गहरा प्रतीक है। जब मनुष्य का विवेक भय, मोह, लोभ, अहंकार और स्वार्थ की बेड़ियों में कैद हो जाता है, तब उसके भीतर कृष्ण-चेतना का जन्म आवश्यक हो जाता है।

कृष्ण को केवल ऐतिहासिक व्यक्तित्व, राजा, कूटनीतिज्ञ या देवता के रूप में देखना उनके विराट स्वरूप की अवहेलना होगी। कृष्ण उस परम चेतना के प्रतीक हैं, जो जीवन के प्रत्येक द्वंद्व में मनुष्य का मार्गदर्शन करती है। इस दृष्टि से महाभारत केवल कौरवों और पांडवों का युद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले धर्म और अधर्म, विवेक और अविवेक तथा सत्य और मोह के संघर्ष का भी विराट आख्यान है।महाभारत को यदि संसार का दर्पण माना जाए तो उसमें दिखाई देने वाला कुरुक्षेत्र वस्तुतः हमारा अपना जीवन है। धृतराष्ट्र का अंधत्व केवल आंखों का अंधत्व नहीं, पुत्रमोह और सत्ता-मोह का प्रतीक है। दुर्योधन अहंकार और अधिकार की अंधी भूख का प्रतिनिधि है। शकुनि छल और षड्यंत्र की प्रवृत्ति का प्रतीक है। अर्जुन क्या है?अर्जुन स्वयं संसार है। वह सामर्थ्यवान, लेकिन संशयग्रस्त है। उसके पास शस्त्र हैं, परंतु निर्णय का साहस नहीं। वह कर्तव्य जानता है, लेकिन मोह उसे रोक देता है। अपने ही संबंधों, भावनाओं और आशंकाओं के बीच खड़ा अर्जुन उस सामान्य मनुष्य का प्रतीक है जो जीवन के कठिन मोड़ पर पूछता है-क्या करूं? किसे सही मानूं? मेरा धर्म क्या है? तब उसके सामने कृष्ण खड़े होते हैं। कृष्ण सारथी अर्थात मार्ग दिखाने वाले हैं। वे अर्जुन का जीवन अपने हाथ में नहीं लेते, बल्कि उसे दिशा देते हैं। यही कृष्ण का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संदेश है-परमात्मा मनुष्य की यात्रा अपने हाथ में नहीं लेता, वह उसे सही दिशा में चलने का विवेक देता है। कुरुक्षेत्र में कृष्ण का सबसे बड़ा चमत्कार अस्त्र चलाना नहीं, बल्कि अर्जुन के भीतर सोए विवेक को जगाना है। अर्जुन युद्धभूमि से भागना चाहता है। कृष्ण उसे युद्ध के लिए उकसाते नहीं, बल्कि कर्म, आत्मा, कर्तव्य, मोह, ज्ञान और निष्कामता का अर्थ समझाते हैं। गीता इसी संवाद का नाम है। इसलिए गीता को केवल युद्ध का उपदेश मानना उसके संदेश को छोटा कर देना होगा। गीता वास्तव में मनुष्य के भीतर के अंधकार से संवाद है।

कृष्ण आत्मा की अमरता का बोध कराते हैं। वे कर्म का महत्व बताते हैं, लेकिन कर्मफल के मोह से मुक्त होने की प्रेरणा भी देते हैं। वे ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं, भक्ति का मार्ग बताते हैं और अंततः मनुष्य को अपने विवेक से निर्णय लेने की स्वतंत्रता देते हैं। इसीलिए गीता केवल अर्जुन के लिए नहीं थी। अर्जुन के माध्यम से कृष्ण संसार की आत्मा को जगा रहे थे।

महाभारत भी इसी सत्य की ओर संकेत करता है। वह केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि सांसारिक विकारों के चरम परिणाम का प्रतीक है।जहां लोभ है, वहां संघर्ष है।जहां अहंकार है, वहां विनाश है। जहां मोह विवेक पर भारी पड़ता है, वहां निर्णय भ्रष्ट होते हैं। जहां सत्ता धर्म से बड़ी हो जाती है, वहां कुरुक्षेत्र जन्म लेता है। महाभारत इसलिए हुआ क्योंकि मनुष्य के भीतर के विकार सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था पर हावी हो गए थे। द्यूत, छल, अपमान, अधिकार की लालसा, प्रतिशोध और सत्ता की भूख ने ऐसे संघर्ष को जन्म दिया जिसमें अंततः पूरा समाज दहक उठा। आज प्रश्न यह नहीं है कि कुरुक्षेत्र कहां था। प्रश्न यह है कि हमारा कुरुक्षेत्र कहां है?आज भी मनुष्य के सामने वही अर्जुन-सदृश प्रश्न खड़े हैं। परिवार में संबंध और स्वार्थ का संघर्ष है। राजनीति में सत्ता और सेवा का संघर्ष है। व्यापार में लाभ और नैतिकता का संघर्ष है।

सत्य कभी ध्वस्त नहीं होता

राजेन्द्र कुमार सिंह

आज सोशल मीडिया पर वी डि यो डालकर व्यू बढ़ाने की कवायद इस कदर रफ्तार पकड़ चुकी है कि हर कोई इस जद्दोजहद में लगा हुआ है कि किसी तरह व्यू बढ़ें और उसके साथ कमाई का ग्राफ भी ऊपर की ओर चढ़े।इस प्रचलन को आगे बढ़ाने के लिए जिसका वीडियो समाज की नब्ज पकड़ लेता है,उस वीडियो पर व्यू का करिश्मा दिखाई देने लगता है।फिर क्याष-उस वीडियो का अनुसरण करके आगे बढ़ने की होड़ शुरू हो जाती है।

अक्ल लगाकर नकल करने और नकल के वार से प्रहार कर आगे निकलने का भरसक प्रयास जोर-शोर से जारी है। आज के इस भौतिकवादी दौर में यदि गौर करके देखा जाए तो जो व्यक्ति आगे बढ़ जाता है,उसकी खामियों को तलाशकर उसके नाम को सरेआम उछालने और उसके विरुद्ध भूचाल लाने का प्रयास भी शुरू हो जाता है।ऐसा केवल आज से नहीं,बल्कि सदियों से होता आया है।क्योंकि जो व्यक्ति आगे निकल जाता है,उससे कुपित लोगों की निगाहें उस पर टिक जाती हैंऔर मन ही मन उससे आगे निकलने की आकांक्षाएं जन्म लेने लगती हैं।उसके समानांतर पहुंचने के लिए मन के भीतर तरह-तरह के ख्याली पुलाव उबलने और पकने लगते हैं।

आज एक ऐसे ही विश्वप्रसिद्ध शिक्षक को बदनाम करने की साजिश रचकर कुछ लोगों ने अपनेओछे और बेहूदा वक्तव्यों से उनके प्रति इतना कुछ अनर्गल उगल दिया कि समाज में असंतुलन की स्थिति पैदा हो गई।लेकिन यह बात सर्वविदित है कि जब कोई व्यक्ति आगे निकल जाता है तो उसे पकड़ने के लिए कई लोग उसके पीछे पड़ जाते हैं।मगर वह व्यक्ति पीछे मुड़कर देखने की जुर्रत नहीं करता।किसी विद्वान ने ठीक ही कहा है-'पीछे मुड़कर देखोगे तो आगे नहीं निकल पाओगे।अपनी मंजिल की ओर देखते रहो और निरंतर बढ़ते रहो।'

आज जब बाजारवाद पूरी तरह हावी हो चुका है,ऐसे में हर कोई दूसरे का पैर खींचकर आगे निकलने का प्रयास कर रहा है।लेकिन दूसरे का अहित करने की इस कोशिश में वह अनजाने में अपना ही ह्रास कर बैठता है।क्योंकि आज का जनमानस पहले की अपेक्षा बहुत आगे बढ़ चुका है।उसकी सोचने,समझने और परखने की क्षमता निरंतर सक्रिय और सजग हुई है। इसलिए जो सत्य है,उसके कथ्य को देर-सबेर हर जगह सराहना मिलेगी और जो मिथ्या है,वह अंततःहर जगह धोखा खाएगा। वह मंजिल तक पहुंचना तो दूर,शीघ्र ही ध्वस्त होकर अपने अस्तित्व को ही मिटा बैठेगा और स्वयं को अस्त-व्यस्त कर लेगा।सत्य भले ही कुछ समय के लिए मलिन हो जाए,धूमिल पड़ जाए,लेकिन वह कभी ध्वस्त नहीं होता।समय की धूल उसके चेहरे को कुछ देर के लिए ढक सकती है,मगर उसकी वास्तविक चमक को हमेशा के लिए छिपा नहीं सकती।वक्त आने पर सत्य भी फूलों की तरह खिल उठता हैऔर अपनी खुशबू चारोंओर बिखेर देता है।क्योंकि झूठ का जीवन भले ही कितना भी लंबा क्यों न दिखाई दे,उसका अंत निश्चित है,जबकि सत्य को कभी-कभी परीक्षा की अग्नि से गुजरना पड़ता है,लेकिन अंततःविजय उसी की होती है।

भादो की गणेश चतुर्थी को क्यों कहते हैं बहुला चौथ?

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को बहुला चौथ कहा जाता है, जिसके पीछे की दिलचस्प पौराणिक वजह छिपी हुई है. आइए जानते हैं बहुला चौथ कब है और इसका नाम कैसे पड़ा था.

हिंदू धर्म में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी का विशेष महत्व है. इस तिथि को बहुला चतुर्थी या बहुला चौथ के नाम से जाना जाता है. इस दिन भगवान श्रीगणेश के साथ-साथ बहुला नामक दिव्य गौमाता और उनके बछड़े की पूजा की जाती है. यही वजह है कि भादो की इस चतुर्थी को बहुला चौथ कहा जाता है. यह व्रत विशेष रूप से माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखती हैं।

हर महीने में दो बार गणेश चतुर्थी मनाई जाती है और हर एक का अपना अलग महत्व होता है. ठीक वैसे ही, बहुला चौथ का विशेष महत्व बताया गया है. कई बार लोगों के मन में सवाल आता है कि इसे बहुला चौथ क्यों कहते हैं. आइए जानते हैं कि इस तिथि का नाम बहुला चौथ कैसे पड़ा और साल 2026 में बहुला चौथ किस दिन मनाई जाएगी।

भादो की बहुला चतुर्थी कब है?

बहुला चतुर्थी को कुछ जगहों पर बोल चौथ भी कहा जाता है. ये व्रत इस बार 31 अगस्त 2026, सोमवार को रखा जाएगा।

बहुला चतुर्थी का शुभ मुहूर्त

चतुर्थी तिथि प्रारंभः 31 अगस्त को सुबह 08:50 बजे से

चतुर्थी तिथि समाप्तः 1 सितंबर को सुबह 07:41 बजे तक

गोधूलि पूजा मुहूर्तः शाम 06:31 बजे से 06:57 बजे तक

पूजा की अवधिः 26 मिनट

चंद्रोदयः रात 08:29 बजे

हालांकि, अलग-अलग जगहों के मुताबिक चंद्रमा निकलने के समय में थोड़ा अंतर हो सकता है।

बहुला चौथ के नाम के पीछे क्या है वजह?

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को बहुला चतुर्थी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन बहुला नाम की दिव्य गाय और उसके बछड़े की पूजा का विशेष विधान है. ये व्रत भगवान श्रीकृष्ण, गौमाता के प्रेम, सत्यनिष्ठा और वचन निभाने की एक पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है.

बहुला चौथ की पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, कामधेनु गाय ने भगवान श्रीकृष्ण की सेवा के लिए बहुला नाम की गाय का रूप लिया था. एक बार भगवान श्रीकृष्ण ने बहुला की सत्यनिष्ठा और धर्म की परीक्षा लेने के लिए सिंह का रूप धारण किया. सिंह को देखकर बहुला डर गई, लेकिन उसने उससे विनती की कि उसका बछड़ा भूखा है और वो पहले उसे दूध पिलाकर तुरंत वापस आ जाएगी. बहुला ने अपना वचन निभाया और बछड़े को दूध पिलाने के बाद वो वापस सिंह के पास पहुंच गई।

बहुला की सत्यनिष्ठा और धर्म के प्रति उसके समर्पण को देखकर भगवान श्रीकृष्ण प्रसन्न हो गए. वो अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हुए और बहुला को वरदान दिया कि भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी के दिन गौमाता के रूप में उसकी पूजा की जाएगी. इसी मान्यता के कारण इस दिन को बहुला चौथ के नाम से जाना जाता है।

बहुला चौथ के दिन क्या किया जाता है?

बहुला चौथ का व्रत माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और संकटों से रक्षा की कामना के लिए रखती हैं।

इस दिन भगवान गणेश और शिव परिवार के साथ बहुला गाय और उसके बछड़े की मिट्टी की प्रतिमा बनाकर पूजा करने की परंपरा है. पूजा विशेष रूप से संध्या के समय गोधूलि बेला में की जाती है. कई जगहों पर महिलाएं इस दिन दिनभर निर्जला व्रत रखती हैं. शाम को पूजा करने और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत खोला जाता है।

गौ सेवा का विशेष महत्व

बहुला चौथ के दिन गौ सेवा को भी विशेष महत्व दिया जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गायों को हरा चारा या अनाज खिलाना शुभ माना जाता है. इस तरह बहुला चौथ केवल भगवान गणेश की पूजा का ही नहीं, बल्कि गौमाता के प्रति श्रद्धा और सेवा का भी पर्व माना जाता है।

अखंड सौभाग्य और सुयोग्य वर के लिए सुनें कजरी तीज व्रत कथा

क्षाबंधन के ठीक तीन दिन बाद देश के कई हिस्सों में कजरी तीज का पावन पर्व बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तीज का विशेष स्थान है, जिसे सातुड़ी तीज और बड़ी तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत मुख्य रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की मंगल कामना के लिए रखा जाता है। वहीं, अविवाहित युवतियां भी इस दिन एक सुयोग्य और मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए पूरी निष्ठा से इस व्रत का पालन करती हैं।

इन राज्यों में दिखती है विशेष धूम

यद्यपि कजरी तीज का त्यौहार भारत के लगभग हर हिस्से में मनाया जाता है, लेकिन मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में इस पर्व को लेकर महिलाओं में एक अलग ही उत्साह और अनूठी धूम देखने को मिलती है। इस पावन अवसर पर व्रत रखने वाली महिलाएं देवों के देव महादेव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं। शास्त्रों के अनुसार, कोई भी पूजा या व्रत तब तक पूर्ण नहीं माना जाता जब तक कि उसकी कथा न सुनी जाए। यदि आप भी अपने व्रत का पूरा फल प्राप्त करना चाहती हैं, तो पूजा के दौरान इस पौराणिक कथा को अवश्य पढ़ें।

पौराणिक कथा के अनुसार एक गांव में एक ब्राह्मण और ब्राह्मणी रहते थे, जो बहुत गरीब थे। ब्राह्मण की पत्नी ने कजरी तीज का व्रत रखा। व्रत की पूजा करने के लिए उसने अपनी पति से कहा कि वो उसके लिए चने का सत्तू लेकर आए। ये सुनकर पति बहुत हैरान-परेशान हो गया क्योंकि उसके पास सत्तू खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। बहुत देर सोचने के बाद उसने चोरी करने का विचार बनाया। रात का समय था और ब्राह्मण चोरी करने निकल गया। वो एक साहूकार की दुकान में पहुंचा। चोरी करने के बाद वो जैसे ही बाहर निकलने लगा। साहूकार की नींद खुल गई और उसने ब्राह्मण को पकड़ लिया। उधर चांद निकल गया था ब्राह्मण की पत्नी बेसब्री से अपने पति के आने का इन्तजार कर रही थी। जब ब्राह्मण पकड़ा गया तो उसने साहूकार से बहुत मांफी मांगी और कहा कि वो कोई चोर नहीं है, मजबूरी की वजह से उसे चोरी करनी पड़ी। पहले उस साहूकार को ब्राह्मण की बात पर यकीन नहीं हुआ लेकिन जब उसने छान-बीन की तो सत्तू के अलावा ब्राह्मण के पास से कुछ नहीं मिला।

ब्राह्मण की सारी बातें सुनने के बाद साहूकार ने कहा कि वो उसे माफ कर देगा लेकिन एक शर्त पर। वो शर्त ये थी कि आज से वो उसकी पत्नी को अपनी धर्म बहन मानेगा। इन सारी बातों के बाद साहूकार ने बहुत सा सत्तू, गहने, मेहंदी और पैसे दे कर ब्राह्मण को प्रेम से विदा कर दिया।

जिस प्रकार उस ब्राह्मण के जीवन से दुःख चला गया। उसी तरह कजली तीज माता सब की मनोकामना को पूर्ण कर सुखी जीवन का आशीर्वाद आप सब पर बनाए रखें।

हर किसी के लिए शुभ नहीं होता नीलम रत्न! अंगूठी पहनने से पहले जरूर जानें ये बातें

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की स्थिति के अनुसार लोग अलग-अलग रत्नों की अंगूठियां पहनते हैं. माना जाता है कि ये रत्न संबंधित ग्रहों के शुभ प्रभाव को बढ़ाने और जीवन की परेशानियों को कम करने में मददगार साबित होते हैं. इन्हीं रत्नों में नीलम भी एक बेहद शक्तिशाली रत्न माना जाता है, जिसे शनि ग्रह से संबंधित बताया गया है. नीलम शनि ग्रह का सबसे प्रभावशाली रत्न माना जाता है. शनि दोष दूर करने के लिए मुख्य रूप से नीलम रत्न पहना जाता है।

हालांकि, नीलम हर व्यक्ति के लिए शुभ हो, ये जरूरी नहीं है और गलत तरीके से धारण करने पर इसके विपरीत परिणाम देखने को मिल सकते हैं. नीलम रत्न को पहनने के कुछ खास ज्योतिषीय नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखना जरूरी माना जाता है. इसे किस उंगली में पहनना चाहिए, किस दिन धारण करना शुभ होता है, किस धातु में इसे जड़वाना चाहिए और किन लोगों को इसे पहनने से बचना चाहिए, इन सभी बातों को जानना जरूरी है.

नीलम रत्न किस उंगली में पहनें?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसारस नीलम रत्न को दाहिने हाथ या मुख्य कार्य करने वाले हाथ की मध्यमा उंगली में पहनना सबसे शुभ माना जाता है. मध्यमा उंगली का संबंध शनि ग्रह से माना जाता है।

नीलम रत्न किस दिन पहनें?

नीलम को शनिवार के दिन सुबह 5:00 से 7:00 बजे के बीच या शाम को सूर्यास्त के बाद पहनना चाहिए. नीलम की अंगूठी को पहनने से पहले गंगाजल और कच्चे दूध से धोकर शुद्ध किया जाता है.

नीलम रत्न किस धातु में पहनें?

ज्योतिष के मुताबिक, नीलम रत्न को चांदी, पंचधातु या प्लैटिनम की धातु में पहनना सबसे शुभ माना जाता है. कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, सोने को सूर्य का प्रतीक माना गया है, वहीं शनि और सूर्य में शत्रुता मानी जाती है. इसलिए नीलम को पीले सोने में पहनने से बचा जाता है।

नीलम रत्न के फायदे

नीलम रत्न सही व्यक्ति के लिए तुरंत धन, पद और मान-प्रतिष्ठा बढ़ाता है.

नीलम व्यवसाय, नौकरी, न्याय, वकालत और राजनीति से जुड़े लोगों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

नीलम तनाव, चिंता और डिप्रेशन को दूर कर एकाग्रता और सोचने-समझने की शक्ति को तेज करता है।

ये रत्न धारण करने वाले के आसपास सकारात्मक ऊर्जा का कवच बनाता है।

नीलम स्टोन किस राशि के लिए शुभ है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नीलम रत्न मकर और कुंभ राशि के जातकों को पहनना चाहिए, क्योंकि इन दोनों राशियों के स्वामी शनि देव हैं. इसके अलावा, नीलम रत्न वृषभ और तुला राशि के जातकों के लिए भी शुभ माना जाता है, क्योंकि इन लग्नों या राशियों में शनि योगकारक ग्रह होते हैं।

नीलम रत्न किसे नहीं पहनना चाहिए?

ज्योतिष की मान्यता के मुताबिक, मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन राशि के जातकों को आमतौर पर नीलम पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि इन राशियों के स्वामियों के साथ शनि का शत्रु संबंध होता है।

नीलम किस दिन खरीदना चाहिए?

नीलम रत्न को खरीदने और धारण करने के लिए शनिवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है. इसे शुक्ल पक्ष के दौरान सुबह सूर्योदय के समय या शनि की होरा में खरीदना और पहनना लाभकारी माना जाता है।

कैसे पता करें कि नीलम आपको सूट करता है या नहीं?

अगर आपको जानना है कि नीलम रत्न आपको सूट करता है या नहीं, तो आप नीचे बताए गए आसान तरीके अपना सकते हैं।

कपड़े में बांधकर रखेंः- एक छोटे नीलम को नीले या सफेद कपड़े में बांधकर अपनी बाजू पर बांध लें. इसके अलावा, इसे 3 दिन तक अपनी शर्ट की जेब में या तकिए के नीचे रखकर सोएं।

शारीरिक और मानसिक संकेत देखेंः- इस दौरान अगर आपको कोई बुरा सपना न आए, मन शांत रहे और बेचैनी महसूस न हो, तो ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार ये रत्न आपके अनुकूल हो सकता है.

अगरनीलम सूट न करे तो?

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, अगर किसी को नीलम सूट नहीं करता है तो उसे पहनने के 24 से 72 घंटों के अंदर बहुत गुस्सा आना, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द, आंखों में तकलीफ, बुरे सपने या मानसिक तनाव जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. ऐसे लक्षण दिखने पर नीलम को तुरंत हटा देना चाहिए और किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह लेनी चाहिए।

घर के मुख्य द्वार पर क्यों लगाते हैं तांबे का सूर्य?

घर में सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए वास्तु शास्त्र में कई उपाय बताए गए हैं। इन्हीं उपायों में से एक है मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य लगाना। सूर्य और तांबा दोनों को संबंध ऊर्जा और शक्ति से होता है। यही वजह है कि तांबे से बने सूर्य को घर के प्रवेश द्वार पर लगाने की मान्यता है। आइए जानते हैं तांबे के सूर्य का महत्व, इसे लगाने की सही दिशा और इससे जुड़े लाभ।

तांबे का सूर्य ही क्यों?

वास्तु शास्त्र में तांबे को सूर्य की धातु माना गया है। सूर्य को जीवन शक्ति, तेज, आत्मविश्वास और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि तांबे के सूर्य को घर में लगाने से ऊर्जा का संतुलन बेहतर होता है।

मुख्य द्वार पर लगाने की वजह

घर का मुख्य द्वार ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान होता है। वास्तु अनुसार यहां लगाए गए वास्तु उपायों का विशेष महत्व है। मान्यता है कि मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य लगाने से घर में नकारात्मक प्रभावों से छुटकारा मिलता है।

किस दिशा में लगाएं तांबे का सूर्य?

तांबे का सूर्य लगाने के लिए पूर्व दिशा को सबसे शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा से सूर्य का उदय होता है, इसलिए माना जाता है कि सुबह की किरणें जब तांबे के सूर्य पर पड़ती हैं तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। अगर मुख्य द्वार पूर्व दिशा में हो, तो वहां तांबे का सूर्य लगाना विशेष शुभ माना जाता है।

तांबे का सूर्य लगाने के फायदे

घर के वातावरण में ऊर्जा संतुलन बनाए रखता है।

मान्यता है कि तांबे और सूर्य का संबंध आर्थिक बाधाओं को कम करने और उन्नति के अवसर बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

सूर्य को आत्मबल और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इसे परिवार के सदस्यों के आत्मविश्वास से जोड़कर देखा जाता है।

करियर और शिक्षा में लाभ मिलने के योग बन सकते हैं।

परिवार में सकारात्मक सोच और बेहतर संबंधों को बढ़ावा देता है।

तांबे का सूर्य लगाने की सही दिशा

तांबे का सूर्य हमेशा सही दिशा और उचित स्थान पर ही लगाना चाहिए। गलत दिशा में लगाने से इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल सकता है। इसे लगाने से पहले किसी जानकार वास्तु विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर माना जाता है।

बाथरूम में रखी ये चीजें पैदा कर सकती हैं वास्तु दोष

बाथरूम में आपको कभी भी गिले कपड़े नहीं रखने चाहिए। कई लोगों की आदत होती है कि कपड़ों को बाथरूम में गिला छोड़कर रख देते हैं। वास्तु की मानें तो ऐसा करने से सूर्य की ऊर्जा प्रभावित होती है और भाग्य आपसे रूठ सकता है। इसलिए आप भी यह गलती करने से बचें ताकि सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा आपको मिल सके।

बाथरूम के ड्रेन एरिया या फ्लोर पर पड़े बाल भी आपके जीवन में परेशानियों का कारण बन सकते हैं। इससे वास्तु दोष पैदा हो सकता है और साथ ही शनि का बुरा प्रभाव भी आप पर पड़ सकता है। इसलिए बाथरूम में पड़े बालों को आपको हर रोज साफ कर देना चाहिए।

आपको बाथरूम में कभी भी टूटा हुआ या दरार वाला शीशा नहीं रखना चाहिए ऐसा शीशा शुभ नहीं माना जाता। वास्तु की मानें तो ऐसा करने से आपको सेहत से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

बाथरूम में रखी बाल्टी को कभी भी खाली आपको नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से आर्थिक परेशानियां आपके जीवन में पैदा हो सकती हैं। इसलिए कभी भी खाली बाल्टी आपको अपने बाथरूम में नहीं रखनी चाहिए। इसके साथ ही आपको बाथरूम के साथ ही घर के सभी नलों पर भी ध्यान देना चाहिए, घर के नल अगर टपक रहे हैं तो उन्हें तुरंत ठीक करवाना चाहिए। टपकते हुए नल आपकी आर्थिक स्थिति को खराब कर सकते हैं।

कुछ चीजों जो अक्सर लोग बाथरूम में जमा करके रख देते हैं वो भी वास्तु दोष का कारण बन सकती है। जैसे इस्तेमाल हो चुका टूथब्रश, पेस्ट, शैंपू की खाली बोतलें आदि आपको इस्तेमाल करने के बाद तुरंत फेंक देनी चाहिए। अगर ये चीजें घर में बाथरूम में पड़ी रहती हैं तो घर की ऊर्जा प्रभावित होती है।

हर असफलता में छिपी है सफलता की चाबी एडिसन की जिंदगी से सीखें आगे बढ़ने का राज

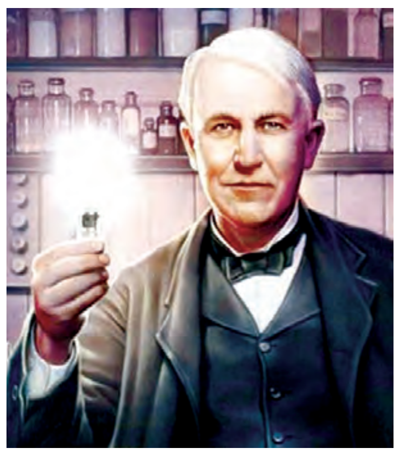

महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन बहुत ही मेहनती एवं जुझारू प्रवृति के व्यक्ति थे। बचपन में उन्हें यह कहकर स्कूल से निकाल दिया गया कि वह मंद बुद्धि बालक है। उसी थॉमस एडिसन ने कई महत्वपूर्ण आविष्कार किए जिनमें से "बिजली का बल्ब" प्रमुख है। उन्होंने बल्ब का आविष्कार करने के लिए हजारों बार प्रयोग किए थे तब जाकर उन्हें सफलता मिली थी।

एक बार जब वह बल्ब बनाने के लिए प्रयोग कर रहे थे तभी एक व्यक्ति ने उनसे पूछा, "आपने करीब एक हजार प्रयोग किए लेकिन आपके सारे प्रयोग असफल रहे और आपकी मेहनत बेकार हो गई। क्या आपको दुख नहीं होता?"

एडिसन ने कहा, "मैं नहीं समझता कि मेरे एक हजार प्रयोग असफल हुए हैं। मेरी मेहनत बेकार नहीं गई क्योंकि मैंने एक हजार प्रयोग करके यह पता लगाया है कि इन एक हजार तरीकों से बल्ब नहीं बनाया जा सकता। मेरा हर प्रयोग, बल्ब बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है और मैं अपने प्रत्येक प्रयास के साथ एक कदम आगे बढ़ रहा हूं।" कोई भी सामान्य व्यक्ति होता तो वह जल्द ही हार मान लेता लेकिन थॉमस एडिसन ने अपने प्रयास जारी रखे और हार नहीं मानी। आखिरकार एडिसन की मेहनत रंग लाई और उन्होंने बल्ब का आविष्कार करके पूरी दुनिया को रोशन कर दिया।

यह थॉमस एडिसन का विश्वास ही था, जिसने आशा की किरण को बुझने नहीं दिया और पूरी दुनिया को बल्ब के द्वारा रोशन कर दिया। सफलता के रास्ते तभी खुलते हैं जब हम उसके करीब पहुंच जाते हैं। मेहनत कभी बेकार नहीं जाती, यह विश्वास ही हमें आगे बढ़ने एवं निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। हमारा हर प्रयास हमें एक कदम आगे बढ़ाता है और हम जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं वैसे-वैसे हमारे लिए सफलता के रास्ते खुलते जाते हैं।

बनावटीपन छोड़ें और सरल रहें, सरलता व्यक्ति को प्रभावशाली और सबका प्रिय बनाती है

अपने स्वभाव में सरलता लाएं। व्यक्ति जितना अधिक प्राकृतिक, नैसर्गिक और स्वाभाविक होता है, उतना ही वह सामर्थ्यवान और आकर्षक बनता है। सलरता हमारे व्यक्तित्व को प्रभावशाली और सबका प्रिय बनाती है। जब हम बनावटीपन छोड़कर अपने वास्तविक स्वरूप में रहते हैं, तो लोग हमें समझते हैं, स्वीकार करते हैं और धीरे-धीरे हमारा सम्मान भी करने लगते हैं। इसलिए जीवन में सरलता और शांति को अपनाना चाहिए। किसी को प्रभावित करने के लिए स्वयं को बदलने के बजाय, अपने भीतर की सच्चाई को बनाए रखें। यही स्वाभाविकता हमारे व्यक्तित्व की सबसे बड़ी शक्ति और सुंदरता है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि

50 की उम्र में 30 की लगती हैं चित्रांगदा सिंह

50 साल की उम्र में भी चित्रांगदा सिंह की खूबसूरती और फिटनेस का जलवा बरकरार है. एक्ट्रेस को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगाना मुश्किल है. चित्रांगदा के 50वें बर्थडे के मौके पर जानते हैं की फिटनेस का वो राज, जो उन्हें आज भी इतना यंग और फिट रखता है.

चित्रांगदा सिंह 30 अगस्त को अपना 50वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं, लेकिन उनकी फिटनेस देखकर लगता है जैसे उम्र ने उन पर असर ही नहीं किया. उनकी ग्लोइंग स्किन और फिट बॉडी अक्सर फैंस का ध्यान खींचती है. एक्ट्रेस ने एक बार अपने डेली रूटीन और खान-पान को लेकर खुलकर बात की थी.

चित्रांगदा सिंह 'लेट्स टॉक विद नमिता' के पॉडकास्ट में अपने मॉर्निंग रूटीन के बारे में बताया था. उन्होंने बताया था कि सुबह उठते ही वो गरम पानी पीती हैं.

इसके लिए वो जीरा और अजवाइन को पानी में भिगोकर उबालती हैं और उसमें नींबू डालकर पीती हैं. इसके बाद वो भीगे हुए बादाम खाती हैं. चित्रांगदा सिंह का नाश्ता भी काफी हल्का और हेल्दी होता है. एक्ट्रेस ने बताया कि था सुबह के वक्त वो एक कीवी और एक छोटी कटोरी पपीता खाती हैं. चित्रांगदा किसी भी फैड डाइट को फॉलो करने में यकीन नहीं रखतीं. वो घर का बना फ्रेश और सिंपल खाना खाना पसंद करती हैं, जैसे चिकन सलाद, पनीर या दही. वो हफ्ते में करीब 4 दिन एक्सरसाइज करती हैं. खुद को फिट और टोन्ड रखने के लिए वो पिलेट्स करना पसंद करती हैं.

नागार्जुन अक्किनेनी की 100वीं फिल्म का जारी हुआ पहला वीडियो

नागार्जुन अक्किनेनी के फैंस का अब इंतजार खत्म हो गया है। अभिनेता के जन्मदिन पर अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने उनकी ऐतिहासिक 100वीं फिल्म का पहला ग्लिम्प्स जारी कर दिया है। इसमें अभिनेता शानदार लुक में नजर आए हैं। फिल्म का आधिकारिक नाम 'किंग 100' रखा गया है।

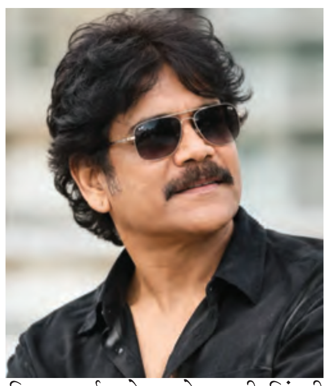

पहले ग्लिम्प्स में क्या है?

डेढ़ मिनट से ज्यादा लंबे इस ग्लिम्प्स में नागार्जुन अक्किनेनी को एक बेहद स्टाइलिश और दमदार अवतार में पेश किया गया है। यह दर्शकों को पहली बार उनके किरदार और फिल्म की दुनिया की झलक दिखाता है। ग्लिम्प्स की शुरुआत नागार्जुन के किरदार द्वारा दुनिया को अपने नजरिए से देखने के साथ होती है। ग्लिम्प्स देखने से पता चलता है कि नागार्जुन ने पहले अपनी जिंदगी में काफी संघर्ष किया। इसके बाद उन्होंने मेहनत से अपने आपको स्थापित किया। अब वह लोगों की मदद करते हैं। इसलिए लोग उन्हें प्यार से किंग बुलाते हैं। पहले ग्लिम्प्स के संवाद बेहद प्रभावशाली हैं। यह अभिनेता के किरदार की सोच और उनके सत्ता तक पहुंचने के सफर को पेश करते हैं।

नागार्जुन का आकर्षक लुक उनके व्यक्तित्व को उभारता है। शानदार विजुअल्स 'किंग 100' की दिलचस्प दुनिया को दिखाते हैं। देवी श्री प्रसाद का संगीत ग्लिम्प्स को और खास बनाता है। इसमें गरीबी, पैसा और शोहरत दिखाई गई है।

ग्लिम्प्स के अंत में टाइटल 'किंग 100' का खुलासा किया जाता है। इसे आर.ए. कार्तिक ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि फिल्म का निर्माण अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने किया है। फिल्म में संगीत देवी श्री प्रसाद, सिनेमैटोग्राफी राजा महादेवन, प्रोडक्शन डिजाइन सतीश कुमार एन और एडिटिंग नवीन नूली की है। यह 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मिर्जापुरः द मूवी' को मिला 'ए' सर्टिफिकेट, रनटाइम का भी हुआ खुलासा

ओटीटी की दुनिया पर राज करने वाली सीरीज 'मिर्जापुर' अब फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए तैयार है। तीन सीजन तक फैन्स को बांधे रखने के बाद, अब मेकर्स मिर्जापुर की दुनिया सिनेमाघरों में लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म की रिलीज को कुछ ही दिन बचे हैं और अब सीबीएफसी से भी 'मिर्जापुरः द मूवी' को ग्रीन सिग्नल मिल गया है। यानी अब दर्शक बड़े पर्दे पर भी खून-खराबे, धोखे और भौकाल से भरी 'मिर्जापुर' देख सकेंगे। गुड्डू पंडित और कालीन भैया के एक्शन और खून खराबे वाली इस फिल्म को सीबीएफसी से 'A' सर्टिफिकेट मिला है। इसी के साथ फिल्म के रनटाइम का खुलासा भी हो गया है।

अली फजल, पकंज त्रिपाठी और दिव्येंदु शर्मा स्टारर 'मिर्जापुरः द मूवी' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन यानी CBFC से 'ए' सर्टिफिकेट मिला है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, फिल्म को 29 अगस्त को ही सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म के रनटाइम की बात करें तो ये 197.19 मिनट यानी 3 घंटे 17 मिनट लंबी होगी। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी ये एक्शन-थ्रिलर 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात तो ये है कि इस फिल्म में कई जाने-पहचाने किरदार देखने को मिलेंगे, जिनमें गुड्डू पंडित, कालीन भैया, मुन्ना त्रिपाठी के रोल शामिल हैं।

खत्म नहीं हुई है गद्दी की लड़ाई

वेबसाइट पर दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 'मिर्जापुरः द मूवी' में भी दर्शकों को 'मिर्जापुर' का पूरा फ्लेवर मिलने वाला है। मिर्जापुरः द मूवी में पुराने दुश्मन एक बार फिर से सामने नजर आने वाले हैं। मुन्ना भैया और गूड्डू पंडित के बीच की दुश्मनी फिर नए खतरे पैदा करेगी और पुराने हिसाब-किताब चुकाने होंगे। गद्दी की लड़ाई जारी रहेगी और सत्ता के भूखे दावेदार हिंसक अंडरवर्ल्ड दुनिया पर कब्जे के लिए आमने-सामने होंगे। मिर्जापुर में अली फजल एक बार फिर गुड्डू पंडित की भूमिका, तो वहीं पंकज त्रिपाठी मशहूर कैरेक्टर कालीन भैया की भूमिका दोहराते नजर आएंगे।

स्पेन में नोरा फतेही ने गिराई बिजलियां

बिकिनी टॉप और शॉर्ट्स में दिखाया ग्लैमरस अंदाज

नोरा फतेही अपने स्पेन वेकेशन से लगातार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है. बिकिनी टॉप और शॉर्ट्स में उनका स्टाइलिश लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. पॉपुलर डांसर और एक्ट्रेस नोरा फतेही इन दिनों स्पेन में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं और सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों से फैंस का ध्यान खींच रही हैं.

हाल ही में एक्ट्रेस ने बिकिनी टॉप और शॉर्ट्स में अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. नोरा फतेही ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने स्पेन वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो देखते ही इंटरनेट पर वायरल हो गईं. स्पेन में नोरा फतेही ने अपने ग्लैमरस अंदाज से बिजलियां गिरी दी.

इस दौरान वो बिकिनी टॉप और शॉर्ट्स पहने नजर आईं. नोरा फतेही ने स्पेन की खूबसूरत लोकेशन के बीच एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं. तस्वीरों में उनका स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अंदाज साफ नजर आ रहा है. नोरा की इन तस्वीरों में स्पेन की खूबसूरत लोकेशन और वहां की शानदार खूबसूरती की झलक भी देखने को मिल रही है.

क्या सनी देओल की झोली में आई नई फिल्म? राजकुमार संतोषी हो सकते हैं निर्देशक

साल 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'घातक' सनी देओल की सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में से एक है। अब इसी तर्ज पर एक और नई फिल्म बनने वाली है। जिसका नाम 'घातक घुस के मारेगा' होगा। फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी ने कहा कि वह अपनी अपकमिंग फिल्म घातक घुस के मारेगा के लिए सनी देओल के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें बॉलीवुड स्टार उनकी 90 के दशक की मशहूर एक्शन फिल्म 'घातक' जैसा ही किरदार निभाएंगे।

संतोषी के साथ काम कर चुके सनी देओल निर्देशक और अभिनेता की जोड़ी ने हाल ही में रिलीज हुई बंटवारे पर बनी फिल्म 'बंटवारा 1947' में साथ काम किया, जिससे 30 साल बाद उनकी वापसी हुई। 90 के दशक में उन्होंने 'घायल', 'दामिनी' और 'घातक' जैसी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्में दी थीं।

निर्देशक ने क्या जानकारी दी?

संतोषी ने कहा 'सनी और मैं कुछ कहानियों पर काम कर रहे हैं और जल्द ही हम इसके बारे में औपचारिक घोषणा करेंगे। फिल्म में भरपूर एक्शन है। इसका नाम 'घातक घुस के मारेगा' है। यह कोई सीक्वल नहीं है। लेकिन इसमें किरदार वही है।

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

संतोषी ने आगे कहा 'सनी के फैंस खुश होंगे क्योंकि इस नई फिल्म में एक्शन, दमदार डायलॉग और इमोशन हैं। इस फिल्म के अलावा, सनी के साथ दो-तीन और कहानियां भी पाइपलाइन में हैं। उदाहरण के लिए, एक फिल्म में सनी अमेरिका में एक सरदार की भूमिका में हैं, जो एक एक्शन-ड्रामा भी है।'

'घातक' के बारे में जानकारी

राजकुमार संतोषी की 1996 की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'घातक' एक ईमानदार आदमी की कहानी है। इसकी कहानी और डायलॉग भी राजकुमार संतोषी ने ही लिखे थे।

इसमें सनी देओल के अलावा मीनाक्षी शेषाद्रि, डैनी, अमरीश पुरी, मुकेश ऋषि और केके रैना थे।6.25 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 32.7 करोड़ रुपये कमाए थे। 14 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह थे। इसे आमिर खान प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई।

निक्की-अरबाज के रिश्ते में आई दरार? लगाए चीटिंग के आरोप, किया अनफॉलो

रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी 5' में अपनी केमिस्ट्री से सुर्खियां बटोरने वाली निक्की तंबोली और अरबाज पटेल की जोड़ी एक बार फिर चर्चा में है. करीब दो साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद अब दोनों के रिश्ते में दरार आने की खबरें सामने आ रही हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर दोनों के एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें तेज हो गई हैं. वहीं, अरबाज पटेल और निक्की तंबोली की एक क्रिप्टिक पोस्ट ने भी इन खबरों को और हवा दे दी है.

निक्की तंबोली और अरबाज पटेल ने किया एक-दूसरे को अनफॉलो

निक्की तंबोली और अरबाज पटेल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है. इसके साथ ही अरबाज पटेल ने चीटिंग से जुड़ा एक क्रिप्टिक पोस्ट भी शेयर किया. उन्होंने लिखा, 'अपने पार्टनर को धोखा देना, फिर घर लौटकर उसकी आंखों में आंखें डालकर ये कहना कि 'मैं तुमसे प्यार करती हूं', ये डिसरिस्पेक्ट का एक अलग ही लेवल है. मैंने जो कहा, सो कहा.'

निक्की तंबोली ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

अरबाज के इस पोस्ट के तुरंत बाद निक्की तंबोली ने भी एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा, 'सच जो वो नहीं बताते. अफेयर्स इसलिए नहीं होते कि कोई नया व्यक्ति आकर्षक लग रहा है, बल्कि इसलिए होते हैं क्योंकि कोई पुराना व्यक्ति अपने वादों का सम्मान करना बंद कर देता है.'

बता दें कि अरबाज और निक्की ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिसके बाद से ही दोनों के ब्रेकअप की खबरों ने जोर पकड़ लिया है. हालांकि, निक्की तंबोली और अरबाज पटेल ने अपने ब्रेकअप को अभी तक कंफर्म नहीं किया है और न ही ब्रेकअप की खबरों पर कोई रिएक्शन दिया है. ऐसे में हर कोई ये कयास लगा रहा है कि कपल के बीच में आखिर ऐसा क्या हुआ कि दोनों ने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया.

निक्की तंबोली और अरबाज पटेल की लव स्टोरी

गौरतलब है कि निक्की और अरबाज की पहली मुलाकात रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी 5' के दौरान हुई थी. शो में दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया. निक्की ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो शो में जाने से पहले ही तय करके गई थीं कि उन्हें वहां एक पार्टनर चाहिए. स्टेज पर अरबाज को देखते ही उन्हें महसूस हो गया था कि शायद वही उनके लिए सही इंसान हैं.

2 साल लिव-इन रिलेशनशिप में रहे

शो खत्म होने के बाद भी दोनों का रिश्ता लगातार चर्चा में रहा. करीब दो साल तक दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहे और अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ रोमांटिक तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते नजर आते थे. यही वजह है कि अब दोनों के अनफॉलो करने और क्रिप्टिक पोस्ट के बाद उनके फैंस भी हैरान हैं.

ऋषभ शेट्टी ने यश और 'टॉक्सिक' का किया समर्थन; कहानी और किरदार को लेकर कही ये बात

जब से फिल्म 'टॉक्सिक' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, तब से इस फिल्म पर मिली जुली प्रतिक्रिया आ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी वैसी धूम नहीं मचा पा रही है जैसी उम्मीद थी। कुछ लोग फिल्म की कई वजहों से आलोचना कर रहे हैं, तो वहीं कई लोग इसका समर्थन कर रहे हैं। हाल ही में कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने फिल्म और यश का समर्थन किया था। अब यश के समर्थन में एक और कन्नड़ अभिनेता आए हैं।

ऋषभ शेट्टी ने की यश की तारीफ

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कन्नड़ अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर यश की तारीफ की है। उन्होंने 'टॉक्सिक' को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। ऋषभ ने लिखा 'एक कलाकार के तौर पर जब आप कोई किरदार निभाते हैं, तो आप उसे दिल से जीवंत करने की कोशिश करते हैं। यहां मैं सचमुच उस भरोसे से प्रभावित हूं जिसके साथ एक ताकतवर आदमी के संघर्ष को दिखाया गया है।'

गलत नहीं है रास्ता

ऋषभ ने आगे लिखा 'हो सकता है कि कहानी और मुख्य किरदार उस आम रास्ते पर न हों जिस पर ज्यादातर फिल्में चलती हैं, मगर इसका मतलब यह नहीं है कि रास्ता गलत है। कहानी कहने में जो मेहनत लगती है और दिमाग में एक विचार से लेकर स्क्रीन पर फिल्म बनने तक का जो सफर होता है, वह बहुत बड़ा होता है।'

यश को लेकर क्या बोले ऋषभ?

यश की तारीफ करते हुए उन्होंने लिखा, 'यश जिस तरह से आपने खुद को एक ऐसे किरदार और दुनिया के लिए समर्पित किया है, जिसमें 'लार्जर-दैन-लाइफ' परफॉर्मेंस की जरूरत थी, उसके लिए आपको सलाम। मैं हर सीन में इसे साफ तौर पर महसूस कर सकता था। दर्शकों को यह अनुभव कराना आसान नहीं है कि कैसे पछतावा बढ़ता है और जिंदगी में जहर घोलता है। इस साहसी प्रयोग की कोशिश करने के लिए मैं आपके साथ खड़ा हूं, सर।'

क्या बोले थे किच्चा सुदीप?

हाल ही में, किच्चा सुदीप ने भी फिल्म की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'बस इतना कहना चाहता हूं। यश आपने अपनी पिछली कमर्शियल ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद एक और आम उम्मीद के मुताबिक और फॉर्मूले वाली फिल्म बनाने का आसान रास्ता चुनने के बजाय सच में कुछ हटकर करने की कोशिश की है।'

'टॉक्सिक' एक गैंगस्टर फिल्म है जिसे गीतू मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत हैं। इस फिल्म को वेंकट के. नारायण और यश ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इसे ओणम के मौके पर 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। चार दिनों में इस फिल्म ने 190.45 करोड़ रुपये कमाए हैं।

'मेरी गुजारिश है... एक बार फिर नेपाल की यात्रा करें' बाढ़ त्रासदी के बीच मनीषा कोइराला ने लोगों से की अपील

नेपाल में बीते बुधवार को भोटेकोशी नदी तंत्र से आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। कई लोगों की जान गई। कई लापता हैं।

इस आपदा का असर लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा है। इस बीच अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने लोगों से गुजारिश की है कि इस मुश्किल वक्त में देश के प्रति समर्थन जताएं।

मनीषा कोइराला की लोगों से अपील

मनीषा कोइराला नेपाली मूल की अभिनेत्री हैं। 90 के दशक में उन्होंने बॉलीवुड में कई चर्चित फिल्मों में काम किया। इस वक्त जब मनीषा का देश बाढ़ की त्रासदी से गुजर रहा है तो उन्होंने लोगों से अपने देश में पर्यटन के लिए आने की अपील की है।

अभिनेत्री ने क्या कहा?

मनीषा कोइराला ने सद्गुरु द्वारा आयोजित एक विशेष सभा कार्यक्रम 'इन सॉलिडेरिटी विद नेपाल' में अपनी बात रखी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मनीषा कोइराला ने सद्गुरु के कार्यक्रम में देश के लिए समर्थन मांगा। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं पूरी इंटरनेशनल कम्युनिटी से गुजारिश करना चाहती हूं कि आपने नेपाल के प्रति बार-बार दया और प्यार दिखाया है। मैं प्रार्थना करती हूं कि आपका यह प्यार और सहयोग बना रहे'।

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'एक देश के तौर पर, हमें लोगों के हमारे देश आने की जरूरत है। हमें टूरिज्म की जरूरत है। हम नहीं चाहते कि हमें सिर्फ एक ऐसे देश के तौर पर जाना जाए, जो आपदाओं से भरा हो या लगातार मुश्किलों का सामना कर रहा हो। हम अपने खूबसूरत मौसम, हिमालय, बेहतरीन लोगों, प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं के लिए जाने जाना चाहते हैं'।

मनीषा बोलीं- 'टूरिज्म हमारी जीवन रेखा'

मनीषा ने आगे कहा, 'नेपाल बॉर्डर के पास एक आपदा आई है, लेकिन टूरिज्म हमारी जीवन-रेखा है। मैं इंटरनेशनल कम्युनिटी को प्रोत्साहित करती हूं कि वे एक बार फिर नेपाल की यात्रा करें'। मनीषा ने अपने पोस्ट में सदगुरु का भी आभार व्यक्त किया।

आईआईएम इंदौर वैकेंसीः प्रोजेक्ट मैनेजर और कंसल्टेंट समेत 107 पदों पर भर्ती

आईआईएम इंदौर ने प्रोजेक्ट आधारित भर्ती 2026 के तहत 107 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इसमें प्रोजेक्ट मैनेजर, मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन एक्सपर्ट, कंसल्टेंट, टेक्निकल एक्सपर्ट और बीटेक इंजीनियर/आईटीआई प्रोफेशनल जैसे कई पद शामिल हैं।

क्या है आवेदन की शर्तें?

प्रोजेक्ट मैनेजर - 1 पदः

निगरानी एवं मूल्यांकन विशेषज्ञ - 2 पदः

सलाहकार - 4 पदः

तकनीकी विशेषज्ञ - 10 पदः

बीटेक इंजीनियर/आईटीआई - 90 पदः

उम्मीदवारों का चयन कई चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में पात्रता, शैक्षणिक योग्यता और संबंधित अनुभव के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इसके बाद संस्थान की जरूरत के अनुसार लिखित परीक्षा या तकनीकी मूल्यांकन कराया जा सकता है। अंतिम चरण में शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का व्यक्तिगत साक्षात्कार होगा।

क्या है आवेदन की प्रक्रिया?

निर्धारित आवेदन पत्र डाउनलोड करें। आवेदन पत्र में मांगी गई सभी जानकारी भरें।

अपना अपडेटेड बायोडाटा (सीवी) संलग्न करें।

शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों की स्व-सत्यापित प्रतियां लगाएं।

जहां जरूरी हो, वहां अनुभव प्रमाण पत्र की प्रतियां संलग्न करें।

अन्य जरूरी दस्तावेज भी आवेदन के साथ लगाएं।

आवेदन को तय अंतिम तिथि से पहले या उसी दिन जमा करें।

जरूरी दस्तावेज

निर्धारित प्रारूप में भरा हुआ आवेदन पत्र

अपडेटेड बायोडाटा (सीवी)

शैक्षणिक योग्यता के स्व-सत्यापित प्रमाण पत्र

अनुभव प्रमाण पत्र की स्व-सत्यापित प्रति (जहां लागू हो)

अन्य जरूरी सहायक दस्तावेज

कब तक करें आवेदन?

आवेदन करने की अंतिम तारीख 7 सितंबर 2026 है। उम्मीदवारों को आवेदन amrut1ia@iimidr.ac.in पर ईमेल के जरिए भेजना होगा। आवेदन आईआईएम इंदौर के बताए गए तरीके से करना होगा। तय समय के बाद मिले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। जरूरी दस्तावेजों के बिना भेजे गए अधूरे आवेदनों पर भी विचार नहीं किया जाएगा।

कम्युनिकेशन स्किल्स से जुड़े ये बेहतरीन करियर ऑप्शन

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सिर्फ एक अच्छी डिग्री हासिल करना ही करियर में बड़ी सफलता की गारंटी नहीं रह गया है। यदि आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स मजबूत हैं, आप लोगों के सामने अपने विचार स्पष्ट रूप से रख सकते हैं और अपनी बात दूसरों को आसानी से समझाने का हुनर रखते हैं, तो आपके लिए नौकरियों के ढेरों अवसर मौजूद हैं। अपनी बात को प्रभावी ढंग से कहने की क्षमता अब एक ऐसा कौशल बन चुका है जिसके जरिए आप लाखों रुपये का पैकेज हासिल कर सकते हैं।

एंकरिंग और पत्रकारिता से आगे भी हैं कई रास्ते

अक्सर यह माना जाता है कि अच्छा बोलने और बातचीत करने वालों के लिए केवल टीवी एंकरिंग या जर्नलिज्म ही एकमात्र रास्ता है। हालांकि डिजिटल युग और कॉर्पोरेट सेक्टर के तेजी से हो रहे विस्तार के बाद अब स्थिति बदल चुकी है। डिजिटल और कॉर्पोरेट दौर में कम्युनिकेशन स्किल्स की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में है। अब कई आधुनिक और नए

फील्ड्स सामने आ चुके हैं जहां सिर्फ अच्छी बातचीत और संवाद के दम पर शानदार करियर बनाया जा सकता है।

अगर आपको कैमरे के सामने बोलना पसंद है, तो टीवी एंकरिंग, रेडियो जॉकी, पॉडकास्टिंग और डिजिटल कंटेंट के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव के कारण वीडियो प्रेजेंटर और कंटेंट होस्ट की मांग भी बढ़ी है।

कॉर्पोरेट ट्रेनर और कम्युनिकेशन कोच

आज के समय में हर कोई अपनी पर्सनालिटी, बातचीत के लहजे और आत्मविश्वास को निखारना चाहता है। अगर आपको लोगों को संवाद कला सिखाना और उन्हें गाइड करना पसंद है तो आप एक कम्युनिकेशन कोच या कॉर्पोरेट ट्रेनर बन सकते हैं। इस क्षेत्र में कर्मचारियों को कम्युनिकेशन, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, प्रेजेंटेशन और अन्य जरूरी स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाती है।

कॉर्पोरेट संस्थानों, स्कूल और कॉलेजों में ऐसे ट्रेनर्स की जरूरत होती है। अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ इस काम के लिए आकर्षक और मुंहमांगी सैलरी भी मिलती है।

इंटरनल कम्युनिकेशंस स्पेशलिस्ट

बड़ी कंपनियों और बहुराष्ट्रीय संस्थानों में मैनेजमेंट और कर्मचारियों के बीच सही संवाद और तालमेल बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। इंटरनल कम्युनिकेशंस स्पेशलिस्ट का मुख्य कार्य कंपनी की नीतियों, रणनीतियों और संदेशों को कर्मचारियों तक सटीक व सरल तरीके से पहुंचाना होता है। ये प्रोफेशनल कंपनियों की कार्यसंस्कृति को बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका होती है।

पब्लिक रिलेशंस (पीआर एक्सपर्ट)

पब्लिक रिलेशंस (PR) का काम नेटवर्किंग और असरदार बातचीत पर ही टिका होता है। एक पीआर एक्सपर्ट का काम बड़े ब्रांड्स, कंपनियों और सेलिब्रिटीज की छवि को मजबूत करना और उन्हें सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करना होता है। किसी नए प्रोजेक्ट या फिल्म के प्रचार से लेकर किसी संकट के समय ब्रांड की प्रतिष्ठा बचाने तक, एक पीआर विशेषज्ञ की कम्युनिकेशन स्किल्स ही लोगों और मीडिया के साथ मजबूत रिश्ता कायम करती है।

10वीं पास युवाओं के लिए डाक विभाग में 25 हजार पदों पर निकली बंपर भर्ती

भारतीय डाक विभाग में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे 10वीं पास युवाओं के लिए शानदार मौका सामने आया है। डाक विभाग ने जुलाई 2026 सत्र के लिए ग्रामीण डाक सेवक (GDS) भर्ती का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के जरिए देश भर के विभिन्न पोस्टल सर्किलों में लगभग 25 हजार पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट in-

diapostgdsonline.gov.in पर जाकर तय समय सीमा में अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

10वीं पास कर सकेंगे आवेदन

ग्रामीण डाक सेवक भर्ती में शामिल होने के लिए उम्मीदवार का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से गणित और अंग्रेजी विषय के साथ 10वीं कक्षा पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा उम्मीदवार को संबंधित सर्किल की स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिए। अभ्यर्थी को कंप्यूटर का बुनियादी ज्ञान और साइकिल चलाने की जानकारी भी होनी जरूरी है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेटः 19 सितंबर, 2026

एप्लीकेशन फॉर्म भरने की अवधिः 2 सितंबर से 21 सितंबर, 2026

बिना लिखित परीक्षा के मेरिट से होगा चयन

इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन पूरी तरह से 10वीं कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाने वाली मेरिट सूची से होगा। उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को इसमें कोई अलग से प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। चयन सूची में नाम आने के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को संबंधित डिविजनल हेड के कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

आयु सीमा और सैलरी

आयु सीमा की बात करें तो न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और अधिकतम उम्र 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को पांच वर्ष तथा अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी को तीन वर्ष की छूट मिलेगी।

ब्रांच पोस्ट मास्टर (BPM): 12000 रुपये से लेकर 29380 रुपये प्रति माह। असिस्टेंट ब्रांच पोस्ट मास्टर (ABPM) और डाक सेवकः 10000 रुपये से लेकर 24470 रुपये प्रति माह

आवेदन शुल्क और रजिस्ट्रेशन के नियम

जनरल और OBC वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 100 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सभी वर्गों की महिला अभ्यर्थियों के लिए आवेदन पूरी तरह निशुल्क रहेगा।

उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन से पहले पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन के समय वैध 10 अंकों का मोबाइल नंबर और ईमेल ID दर्ज करना होगा, जिसे OTP के माध्यम से सत्यापित किया जाएगा। अभ्यर्थी ध्यान रखें कि उनका नाम, माता-पिता का नाम और जन्म तिथि 10वीं के सर्टिफिकेट के अनुसार ही दर्ज होनी चाहिए। उम्मीदवारों को ध्यान रखना होगा कि रजिस्ट्रेशन के दौरान दिया गया मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी बाद में बदला नहीं जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद उम्मीदवार को एक रजिस्ट्रेशन नंबर मिलेगा, जिसे रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल ID पर भेजा जाएगा।

'नैनोटैक्नोलॉजी' में रोजगार के अवसर

टैक्नोलॉजी की ही एक ब्रांच है नैनोटेक्नोलॉजी। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटैक्नोलॉजी क्या है?

नैनोटैक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है, जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन रसायन विज्ञान से लेकर कम्प्यूटर विज्ञान तक- अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है।

नैनोटैक्नोलॉजी टैक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

नैनोटैक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमैडिकल, कैमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर साइंस में बी.टेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी. एससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर

पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मास्टर पाठ्यक्रम : नैनोटैक्नोलॉजी में एम.एससी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.एससी; नैनोटैक्नोलॉजी में एम.टेक; सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एम.टेक; नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एम.टेक।

डॉक्ट्रेट पाठ्यक्रम : नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी।

नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी.एससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक/ जैव चिकित्सा/ रसायन/ जैव प्रौद्योगिकी/ इलैक्ट्रॉनिक्स / कम्प्यूटर विज्ञान में बी.टेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बी.टेक एम.टेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्या स्कोप है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आई.टी. और इंटरनैट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बेंगलूर और चेन्नई आई.टी. और मैडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टैक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटैक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिक के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं, उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर हैं। पी. एचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजिस्ट, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, प्रोफेसर, इंजीनियर, चिकित्सा वैज्ञानिक, खाद्य वैज्ञानिक से लेकर सैमीकंडक्टर उद्योग, विनिर्माण उद्योग में भी मौके हैं।

16 साल के लक्ष्मणन मेय्यप्पन बने दुनिया के सबसे युवा सीए, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

जिस उम्र में ज्यादातर किशोर अपने करियर की दिशा तय करने में लगे होते हैं, उस उम्र में लक्ष्मणन मेय्यप्पन ने प्रोफेशनल अकाउंटिंग की पढ़ाई पूरी कर नया रिकॉर्ड बना दिया। मेय्यप्पन ने महज 16 वर्ष और 141 दिन की उम्र में दुनिया के सबसे युवा पुरुष चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस शानदार और ऐतिहासिक उपलब्धि को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी है।

कोविड-19 में शुरू हुआ था फाइनेंस का सफर

मेय्यप्पन के इस सफर की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान हुई थी जब उन्होंने अपनी 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा पूरी की थी। 15 साल की उम्र में उन्होंने एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स की पढ़ाई शुरू की और लगभग एक वर्ष के भीतर ही इसे पूरा कर लिया। मेय्यप्पन की मां भी खुद एक ACCA प्रोफेशनल हैं और उन्होंने लॉकडाउन के दौरान मेय्यप्पन को अकाउंटिंग की बुनियादी बातें सिखाई थीं जिसके बाद उन्होंने इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का फैसला किया।

घड़ियां डिजाइन करने का भी रखते हैं शौक

इतनी कम उम्र में ACCA पूरा करने के बाद भी मेय्यप्पन का सफर रुका नहीं। इसके बाद उन्होंने CFA चार्टर हासिल किया और वर्तमान में वे फाइनेंस में MSc की डिग्री ले रहे हैं। इसके साथ ही वे दुबई की प्रमुख कंपनी सेंचुरी फाइनेंशियल में सीनियर रिसर्च एनालिस्ट के पद पर कार्यरत हैं जहां वे निवेश, अनुसंधान और वित्तीय बाजारों के विश्लेषण से जुड़े काम संभालते हैं।

पढ़ाई और फाइनेंस की जटिल दुनिया के अलावा मेय्यप्पन की अन्य रचनात्मक कार्यों में भी काफी रुचि है। वे अपने खाली समय में कलाई की घड़ियों को डिजाइन करने और उन्हें बनाने का शौक भी रखते हैं।

मैंने योग्यता को कभी दौड़ नहीं माना- मेय्यप्पन

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज होने पर मेय्यप्पन ने कहा कि यह मुकाम उनके लिए बहुत खास है लेकिन उन्होंने कभी भी पढ़ाई को किसी दौड़ की तरह नहीं देखा। उनका मानना है कि वास्तविक दुनिया में फाइनेंस कैसे काम करता है इसे समझना और खुद को समय के अनुकूल बनाना सबसे जरूरी है। जब इंसान किसी चीज को रफ्तार के बजाय जिज्ञासा के साथ सीखता है तो उसके नतीजे कहीं ज्यादा सार्थक और प्रभावशाली होते हैं।

जेन जी ने बदली नौकरी की तस्वीर, 2 साल में दोगुनी हुई हिस्सेदारी, कंपनियों के सामने नई चुनौती

भारत के प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर में कर्मचारियों को लंबे समय तक कंपनी से जोड़े रखना लगातार बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' की नई रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में करीब हर दूसरा कर्मचारी सक्रिय रूप से नई नौकरी की तलाश कर रहा है। वहीं, 75 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि वे अगले 12 महीनों में अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ने की योजना बना रहे हैं।

130 से ज्यादा संगठनों और 1.1 लाख से अधिक कर्मचारियों के बीच किए गए सर्वे पर आधारित इस रिपोर्ट ने भारतीय वर्कफोर्स को लेकर कई अहम संकेत दिए हैं। खास बात यह है कि इसी दौरान प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर में जेन Z कर्मचारियों की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है।

सैलरी से आगे बढ़ी कर्मचारियों की उम्मीदें

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों में सुविधाएं और काम का माहौल पहले की तुलना में बेहतर हुए हैं, लेकिन कर्मचारियों की अपेक्षाएं भी बदल रही हैं। अब सिर्फ अच्छी

सैलरी या बेहतर ऑफिस सुविधाएं उन्हें कंपनी में बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। कर्मचारी अपने काम की पहचान, करियर में आगे बढ़ने के अवसर, पारदर्शिता और बेहतर वर्क कल्चर को भी उतना ही महत्व दे रहे हैं। रिपोर्ट के संकेत बताते हैं कि कंपनियों के सामने अब कर्मचारियों को सिर्फ भर्ती करने के बजाय उन्हें लंबे समय तक जोड़े रखने की चुनौती ज्यादा बड़ी हो गई है।

दो साल में दोगुनी हुई Gen Z की हिस्सेदारी

रिपोर्ट में प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर में जेन Z की बढ़ती हिस्सेदारी को भी महत्वपूर्ण बदलाव बताया गया है। 2023 में जहां वर्कफोर्स में जेन Z कर्मचारियों की हिस्सेदारी 17 फीसदी थी, वहीं अब यह बढ़कर 34 फीसदी हो गई है। यानी महज दो साल में इस पीढ़ी की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है। इससे कंपनियों के लिए युवा कर्मचारियों की बदलती प्राथमिकताओं और काम को लेकर उनकी अपेक्षाओं को समझना और भी जरूरी हो गया है।

'जितना काम, उतना ही योगदान' का ट्रेंड बढ़ा

रिपोर्ट में कर्मचारियों के व्यवहार में एक और बड़ा बदलाव सामने आया है। कर्मचारी अब अपनी तय जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर अतिरिक्त काम करने के लिए पहले की तरह तैयार नहीं दिख रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि कर्मचारी काम नहीं करना चाहते, बल्कि वे अपने काम और निजी जिंदगी के बीच बेहतर संतुलन को ज्यादा महत्व दे रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों में कुछ सुधार जरूर हुए हैं, लेकिन ऐसे व्यापक बदलाव अभी नजर नहीं आ रहे हैं जो कर्मचारियों को लंबे समय तक कंपनी के साथ बनाए रख सकें।

जूनियर नहीं, मैनेजर सबसे ज्यादा नौकरी बदलना चाहते हैं

नौकरी बदलने की इच्छा को लेकर मैनेजर और सुपरवाइजर सबसे ज्यादा दबाव में दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 86 फीसदी फ्रंटलाइन मैनेजर और सुपरवाइजर सक्रिय रूप से नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं। इसके मुकाबले व्यक्तिगत योगदान देने वाले कर्मचारियों में नई नौकरी तलाशने वालों की हिस्सेदारी 53 फीसदी है। यह आंकड़ा बताता है कि कर्मचारियों को संभालने और टीमों को लीड करने वाली भूमिका में मौजूद लोग भी नौकरी बदलने को लेकर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

एआई का इस्तेमाल बढ़ा, लेकिन कर्मचारियों की तैयारी कम

प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर में एआई का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 60 फीसदी कंपनी अपने रोजमर्रा के कामकाज में एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, टेक्नोलॉजी अपनाने और कर्मचारियों को उसके लिए तैयार करने के बीच अंतर दिखाई देता है। सिर्फ 20 फीसदी कर्मचारियों ने माना कि उन्हें एआई टूल्स के फायदे और संभावित जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी दी गई है।

65 अरब बैरल तेल और 100 साल की डील!

अमेरिका–वेनेजुएला में क्या हुआ?

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच हुई एक बड़ी तेल डील ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के करीब 65 अरब बैरल तेल भंडार के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। ट्रंप ने इसे दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी तेल डील बताया है।इस समझौते के तहत वेनेजुएला के 17 रणनीतिक तेल क्षेत्रों में काम किया जाना है। अमेरिका ने कहा है कि वह तेल निकालने के लिए एक निजी कंपनी के साथ मिलकर काम करेगा। हालांकि, इस डील की कई अहम शर्तें अभी सार्वजनिक नहीं हुई हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञों और आलोचकों के बीच कई सवाल भी उठ रहे हैं।

65 अरब बैरल तेल कितना बड़ा भंडार है?

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 तक वेनेजुएला के पास करीब 303 अरब बैरल तेल का भंडार था। ऐसे में 65 अरब बैरल उसके कुल भंडार का लगभग पांचवां हिस्सा है। दुनिया के कुल तेल भंडार का करीब 17 फीसदी हिस्सा भी वेनेजुएला में होने का अनुमान है। हालांकि, कुछ तेल विशेषज्ञों ने ट्रंप के बताए 65 अरब बैरल के आंकड़े पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि डील की पूरी शर्तें सामने नहीं आई हैं, इसलिए अभी यह साफ नहीं है कि वास्तव में अमेरिका को कितने तेल भंडार पर अधिकार मिलेगा और किस तरह मिलेगा।

अमेरिका को इस डील से क्या फायदा होगा?

ट्रंप का कहना है कि इस समझौते से अमेरिका के तेल भंडार में काफी बढ़ोतरी होगी। अमेरिका के अपने तेल भंडार 2024 के अंत तक करीब 46 अरब बैरल थे। अमेरिका के पास आपात स्थिति के लिए एक बड़ा स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व भी है। इसका इस्तेमाल तेल की सप्लाई में बड़ी परेशानी होने पर किया जाता है। लेकिन इस रिजर्व में फिलहाल करीब 28.97 करोड़ बैरल तेल है, जबकि इसकी क्षमता करीब 71.4 करोड़ बैरल की है। ट्रंप का दावा है कि वेनेजुएला से मिलने वाला तेल अमेरिका की सप्लाई को मजबूत करेगा और देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को कम करने में मदद कर सकता है।

अमेरिका और वेनेजुएला के रिश्ते कैसे बदले?

इस डील को समझने के लिए अमेरिका और वेनेजुएला के पिछले कुछ महीनों के घटनाक्रम को समझना जरूरी है। वेनेजुएला लंबे समय तक राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के नेतृत्व में रहा। मादुरो और ट्रंप के बीच काफी समय से तनाव था। अमेरिका ने मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए, जबकि मादुरो सरकार अमेरिका पर अपने देश के आंतरिक मामलों में दखल देने का आरोप लगाती रही। 3 जनवरी को दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया। अमेरिकी कार्रवाई के बाद मादुरो को हिरासत में लिया गया और अब वह न्यूयॉर्क में ड्रग्स और हथियारों से जुड़े आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने मादुरो की पूर्व उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर समर्थन दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल निर्यात पर भी अपना नियंत्रण बढ़ाया।अमेरिका के इस दावे की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत किसी देश को अपने प्राकृतिक संसाधनों पर स्थायी अधिकार प्राप्त होता है। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के तेल को लेकर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश की है। अमेरिका का कहना रहा है कि वेनेजुएला ने पहले अमेरिकी कंपनियों के तेल संसाधनों का राष्ट्रीयकरण किया था। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल क्षेत्रों को लेकर पहले भी कई कड़े बयान दिए हैं।

नेपाल में बाढ़ से 550 एमडब्ल्यू बिजली उत्पादन ठप

भारत ने संभाला मोर्चा, सितंबर से होगी अतिरिक्त सप्लाई

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत नेपाल में बिजली की कमी को दूर करने के लिए वहां ज्यादा बिजली आपूर्ति की संभावनाओं पर काम कर रहा है। मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, भारतीय अधिकारी मौजूदा नियमों और तय व्यवस्था के तहत नेपाल को अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने के अनुरोधों पर प्रक्रिया आगे बढ़ा रहे हैं।

इसमें भारतीय पावर एक्सचेंजों के डे-अहेड मार्केट और रियल-टाइम मार्केट के जरिए बिजली कारोबार भी शामिल है।

सितंबर से बिजली आयात की मांग

नेपाल ने हाल में भारत से सितंबर से ही बिजली आयात की अनुमति देने का अनुरोध किया है। आमतौर पर नेपाल भारत से बिजली का आयात अक्टूबर से शुरू करता है, जब देश में बिजली उत्पादन और उपलब्धता पर दबाव बढ़ता है। लेकिन हाल की बाढ़ के कारण नेपाल में बिजली उत्पादन क्षमता प्रभावित हुई है। ऐसे में नेपाल ने सामान्य समय से पहले बिजली आयात की अनुमति मांगी है।

इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार भारत नेपाल की जरूरत के मुताबिक बिजली उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच बिजली का दोतरफा कारोबार होता है और भारत भी नेपाल से बिजली का आयात करता है।

बाढ़ से नेपाल की 550 एमडब्ल्यू क्षमता प्रभावित

26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ से नेपाल में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। इसकी चपेट में बिजली उत्पादन से जुड़ी कई इकाइयां भी आईं। एक उद्योग अधिकारी के मुताबिक, इस नुकसान के कारण नेपाल की घरेलू बिजली उत्पादन क्षमता करीब 550 एमडब्ल्यू कम हो गई है। बिजली उत्पादन में कमी के कारण भारत को नेपाल से होने वाला बिजली निर्यात भी प्रभावित हुआ है। फिलहाल भारत को होने वाली बिजली आपूर्ति पहले के करीब 950-1000 एमडब्ल्यू के उच्चतम स्तर से घटकर लगभग 400 एमडब्ल्यू कम हो गई है।

भारत के बिजली ग्रिड पर सीमित असर

अधिकारियों और उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि नेपाल में बिजली उत्पादन में आई कमी का भारत के राष्ट्रीय बिजली ग्रिड पर असर बहुत सीमित है और इसे आसानी से संभाला जा सकता है। बिजली मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, भारत को घरेलू मांग पूरी करने के लिए किसी विशेष आपात खरीद या वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत नहीं दिख रही है। भारत के बड़े राष्ट्रीय ग्रिड, पर्याप्त बिजली उत्पादन और मजबूत रिजर्व मार्जिन की वजह से करीब 400 एमडब्ल्यू की अस्थायी कमी को बिना किसी बड़ी परेशानी के संभाला जा सकता है।

8वां वेतन आयोग: फिटमेंट फैक्टर 3.61, 3.833 और 4 को लेकर तेज हुई चर्चा,जानिए कितना बढ़ सकता है वेतन

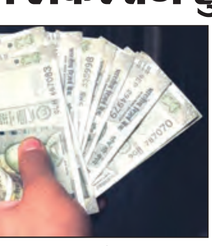

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। 3 सितंबर को आयोग के गठन के 10 महीने पूरे होने जा रहे हैं और देशभर में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श का दौर जारी है। आयोग की अध्यक्षता न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं और इसे अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। वेतन संशोधन, भत्तों, पेंशन और अन्य सेवा संबंधी मामलों के बीच सबसे अधिक चर्चा फिटमेंट फैक्टर को लेकर हो रही है, क्योंकि इसी के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी तय होती है। फिटमेंट फैक्टर वह गुणांक होता है जिसके आधार पर वर्तमान मूल वेतन को संशोधित कर नया वेतन तय किया जाता है। वर्तमान में केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपए है, जिसे 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर तय किया गया था। 6वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 1.86 रखा गया था, जबकि 7वें वेतन आयोग में इसे बढ़ाकर 2.57 कर दिया गया था। इसी बदलाव के कारण न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हो गया था। अब 8वें वेतन आयोग के लिए विभिन्न कर्मचारी और पेंशनभोगी संगठनों ने इससे कहीं अधिक फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। सर्वे ऑफ इंडिया की मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोसिएशन (एमएसए) ने 3.61 फिटमेंट फैक्टर का प्रस्ताव रखा है। यदि इस प्रस्ताव को स्वीकार किया जाता है तो वर्तमान 18,000 रुपए के न्यूनतम मूल वेतन को बढ़ाकर लगभग 64,980 रुपए, यानी करीब 65,000 रुपए किया जा सकता है। दूसरी ओर, नेशनल काउंसिल-जेसीएम (एनसीजेसीएम) स्टाफ साइड और भारत पेंशनर्स समाज (बीपीएस) ने 3.833 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। इस स्थिति में न्यूनतम मूल वेतन करीब 69,000 रुपए तक पहुंच सकता है। सबसे अधिक मांग भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ (बीपीएमएस) ने की है, जिसने 4.00 फिटमेंट फैक्टर लागू करने का सुझाव दिया है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है, तो न्यूनतम मूल वेतन बढ़कर 72,000 रुपए तक पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि 3.61 और 4.00 फिटमेंट फैक्टर वाले प्रस्तावों के बीच ही लगभग 7,020 रुपए प्रति माह का अंतर बनता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि 65,000 रुपए, 69,000 रुपए और 72,000 रुपए के ये आंकड़े केवल विभिन्न संगठनों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर आधारित अनुमान हैं। इन्हें 8वें वेतन आयोग के तहत तय होने वाली अंतिम न्यूनतम सैलरी नहीं माना जाना चाहिए।

कारोबारियों के लिए जीएसटी नियम आसान करने की तैयारी

12 सितंबर को हो सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी को लेकर एक बार फिर बड़ा फैसला हो सकता है। जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक 12 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली है। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। बैठक से एक दिन पहले यानी 11 सितंबर को अधिकारियों की बैठक भी होगी। जीएसटी काउंसिल में केंद्र के साथ राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल होते हैं। खास बात यह है कि काउंसिल की यह बैठक एक साल से ज्यादा समय के अंतराल के बाद होने जा रही है। इससे पहले 3 और 4 सितंबर 2025 को बैठक हुई थी। उस बैठक में जीएसटी की दरों और स्लैब में बड़ा बदलाव किया गया था। 22 सितंबर 2025 से जीएसटी का नया सिस्टम लागू हुआ था। इसके तहत मुख्य रूप से 5% और 18% के दो टैक्स स्लैब बनाए गए हैं। वहीं, महंगी और कुछ विशेष वस्तुओं के लिए 40% जीएसटी रखा गया है। इससे पहले 5%, 12%, 18% और 28% के चार स्लैब लागू थे।

बड़े कारोबारियों के लिए आसान हो सकते हैं नियम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 12 सितंबर की बैठक में बड़े कारोबारियों के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को आसान बनाने पर चर्चा हो सकती है। खासकर ऐसे कारोबार जिनमें हर महीने 2.5 लाख रुपये से ज्यादा का टैक्स क्रेडिट पास किया जाता है, उनके लिए प्रक्रिया सरल करने पर विचार किया जा सकता है। फिलहाल बड़े कारोबारियों के जीएसटी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरे देश में एक जैसी नहीं है। केंद्र और अलग-अलग राज्यों के जीएसटी विभाग अपने-अपने तरीके से प्रक्रिया अपनाते हैं। इससे कारोबारियों को परेशानी और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है।

छोटे कारोबारियों के लिए पहले ही आसान हुई प्रक्रिया

काउंसिल जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने की प्रक्रिया में भी ऑटोमेशन और दूसरे बदलाव करने पर विचार कर सकती है। इसका मकसद प्रक्रिया को ज्यादा आसान और एक जैसा बनाना है। सितंबर 2025 की बैठक में छोटे और कम जोखिम वाले कारोबारियों के लिए सरल जीएसटी रजिस्ट्रेशन स्कीम को मंजूरी दी गई थी। यह व्यवस्था 1 नवंबर से लागू हुई थी। जीएसटी सिस्टम के डेटा के आधार पर जिन कारोबारियों को छोटा और कम जोखिम वाला माना जाता है, वे इस योजना का फायदा उठा सकते हैं। इसके अलावा वे कारोबारी भी इस स्कीम को चुन सकते हैं, जिनकी हर महीने की आउटपुट टैक्स देनदारी 2.5 लाख रुपये तक है।

70 की प्याज 35 में बिकनी शुरू!

कौन और कहां से खरीद सकेंगे सस्ती प्याज? स्टॉक में कमी पर भी आया मंत्रालय का जवाब

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)। देश में इन दिनों प्याज की कीमतें उफान में हैं। इसका असर घर की रसोई से लेकर स्ट्रीट फूड मार्केट पर भी दिखने लगा है। प्याज की कीमत बढ़ने से वेज-नॉनवेज थाली का भी बजट बढ़ गया है। देशभर में खुदरा प्याज औसतन 70 प्रति किलो के पार हो गई हैं। कई इलाकों में तो इसकी कीमत 80 प्रति किलो भी देखी गई है। हालांकि अब सरकार की ओर से प्याज को सस्ते में बेचने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अलावा इसकी सप्लाई को लेकर भी चल रही अटकलों पर विराम लग गया है।

आधे कीमत में बिक रही प्याज

देशभर में प्याज की खुदरा कीमत औसतन 70 प्रति किलो तक बिक रही है। प्याज की कीमत को कम करने के लिए सरकार ने सरकारी एजेंसियों के सारे स्टॉक को एक साथ रिटेल मार्केट में उतारने का फैसला लिया था। उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने बीते दिनों राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए खुदरा वितरण के लिए नई दिल्ली के कृषि भवन से प्याज के वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सरकार के मूल्य स्थिरीकरण बफर से प्याज को एनसीसीएफ, एनएएफईडी और केंद्रीय भंडार के आउटलेट्स

बफर प्याज फिलहाल दिल्ली-एनसीआर के खुदरा दुकानों और मोबाइल वितरण केंद्रों पर 35 प्रति किलो की दर से बिक रहा है। इस पहल का उद्देश्य मौसमी मूल्य दबाव को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ताओं को किफायती दरों पर प्याज मिलता रहे। एनएएफईडी और एनसीसीएफ केंद्रीय भंडार के आउटलेट्स सरकार के मूल्य-स्थिरीकरण उपायों को सीधे आम ग्राहकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्याज के स्टॉक और सप्लाई पर चिंता?

इस साल के स्टॉक के लिए सरकारी एजेंसियों ने 2 लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य रखा था, लेकिन किसानों ने एजेंसियों को प्याज देने की बजाय लोकल मंडियों में बेचना शुरू किया क्योंकि वहां उन्हें अच्छे दाम मिल रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल सिर्फ 1.20 लाख टन ही प्याज की सरकारी खरीद हुई थी, ऐसे में प्याज के स्टॉक और सप्लाई को लेकर उपभोक्ताओं में चिंता की अटकलें लगाई गई हैं।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि 2025-26 में अनुमानित 307 लाख मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन के चलते आगामी महीनों में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए प्याज की उपलब्धता पर्याप्त है।

ग्राहकों को क्यों महंगा मिल रहा अंडा और चिकन?

असली वजह से पोल्ट्री सेक्टर की बढ़ी चिंता!

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में इस साल अंडे और चिकन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम ग्राहक प्रोटीन के ये दो सबसे आसान सोर्स की महंगाई से परेशान हैं। मौसम संबंधी समस्याओं और मौसमी सप्लाई में दबावों के चलते चिकन और अंडे महंगे हुए हैं, लेकिन इसकी एक बड़ी वजह सप्लाई चेन के ऊपरी हिस्से में छिपी पोल्ट्री फीड है। मक्का, सोयाबीन मील और अन्य फीड सामग्री की बढ़ती कीमतें हर अंडे और हर किलोग्राम चिकन के उत्पादन की लागत बढ़ा रही हैं।

फीड की कीमतों में उछाल, कमी की चिंता

इस साल दबाव अधिक रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पोल्ट्री फीड की कीमत लगभग 15% बढ़कर 4,400 प्रति क्विंटल पहुंच गई है, जो एक साल पहले करीब 3,600 प्रति क्विंटल थी। वहीं, सोयाबीन मील की कीमतें 62,000 से 65,000 प्रति टन के आसपास बनी हुई हैं। उद्योग का अनुमान है कि नई फसल आने से पहले लगभग 15 लाख टन की कमी रह सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में मक्के की पैदावार अच्छी स्थिति में है, इस फसल की मांग खाद्य और फीड क्षेत्र से आगे भी बढ़ी है। एथेनॉल निर्माताओं द्वारा मक्का की बढ़ती खपत ने उपलब्ध सप्लाई के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ा दी है।रिपोर्ट्स के मुताबिक जब मक्का महंगा होता है तो फीड बनाने वाले कीमतें बढ़ा देते हैं।

इसके बाद पोल्ट्री किसानों के लिए ब्रॉयलर मुर्गियों को पालने और अंडा देने वाली मुर्गियों को बनाए रखने की लागत बढ़ जाती है। यदि पोल्ट्री फार्मर्स को मिलने वाली कीमतें उसी अनुपात में नहीं बढ़तीं, तो उनका मार्जिन तेजी से घटता है। ऐसे में उत्पादक या तो उत्पादन कम करते हैं या बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालते हैं। दोनों ही स्थितियों में खुदरा कीमतों पर असर पड़ता है।

अंडे की कीमतें रिकॉर्ड लेवल पर

फीड कीमतों में बढ़ोतरी का असर हाल के बाजार भावों में भी दिखाई दिया। जुलाई में हैदराबाद में फार्म स्तर पर अंडों की कीमतें महीने-दर-महीने 15 प्रतिशत और साल-दर-साल लगभग 40 प्रतिशत बढ़ने की जानकारी मिली। कई बाजारों में खुदरा अंडों की कीमत 8.5 से 9 प्रति अंडा तक पहुंच गई। भीषण गर्मी ने ब्रॉयलर उत्पादन को भी प्रभावित किया, जिससे चिकन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई।पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अनुसार, भारत में 2024-25 के दौरान 149.11 अरब अंडों का उत्पादन हुआ। इसमें कॉमर्शियल पोल्ट्री की हिस्सेदारी 84.49 प्रतिशत रही।

मक्का और सोया पोल्ट्री फीड की रीढ़

मक्का और सोयाबीन मील पोल्ट्री फीड के दो सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं। मक्का ऊर्जा देता है, जबकि सोयाबीन मील प्रोटीन का प्रमुख स्रोत है। हाल के उद्योग अनुमानों के अनुसार, पोल्ट्री फीड में मक्का की हिस्सेदारी लगभग 55-60 प्रतिशत होती है, जबकि प्रोटीन के लिए मुख्य रूप से सोयाबीन मील का उपयोग किया जाता है। इसका मतलब है कि कीमतों में थोड़े समय की बढ़ोतरी भी पोल्ट्री फार्म की इकॉनमी को काफी प्रभावित कर सकती है।

'मैंने धीरूभाई से सीखा, आपने नहीं'

सुभाष चंद्रा का मुकेश अंबानी पर बड़ा हमला, 22000 करोड़ के कर्ज पर बवाल

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)। एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा ने एनसीएलटी मामले को लेकर एक बेहद तीखा बयान जारी किया है। उन्होंने पहली बार सीधे तौर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके मीडिया नेटवर्क टीवी18, सीएनबीसी और न्यूज़18 का नाम लेते हुए उन पर उनके खिलाफ फर्जी नैरेटिव चलाने और विच हंटिंग यानी निशानी बनाने का आरोप लगाया है। चंद्रा का दावा है कि उनके ऊपर 22,000 करोड़ रुपये के कर्ज का गलत आंकड़ा प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने खुद मुकेश अंबानी से फोन पर बात करने की कोशिश की और उन्हें पत्र भी लिखा। चंद्रा ने कहा कि उन्हें लगा कि इस मामले की सच्चाई जनता के सामने रखना जरूरी है, इसलिए उन्होंने खुलकर अपना पक्ष रखा है।

2019 के ज़ी संकट का भी किया जिक्र

अपने बयान में सुभाष चंद्रा ने 2019 में ज़ी के सामने आए वित्तीय संकट का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, जनवरी 2019 में एक ही दिन में ज़ी के शेयर करीब 40% टूट गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे अप्रत्यक्ष रूप से शेल कंपनियों का हाथ था।चंद्रा ने दावा किया कि जब उन्होंने अपना कर्ज चुकाने के लिए ज़ी को बेचने के प्रस्ताव के साथ मुकेश अंबानी से संपर्क किया था, तब अंबानी ने कथित तौर पर उन्हें सलाह दी थी कि बैंकों का पैसा और ब्याज चुकाने की जरूरत नहीं है।

'मैंने धीरूभाई अंबानी से बहुत कुछ सीखा'

मुकेश अंबानी को सीधे संबोधित करते हुए सुभाष चंद्रा ने कहा कि उन्होंने उनके पिता और रिलायंस के फाउंडर धीरूभाई अंबानी से बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि मुकेश अंबानी ने उनके सिद्धांतों को नहीं अपनाया।चंद्रा ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं जिसके पास अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन्होंने कथित तौर पर मुकेश अंबानी से कहा कि अगर मनोज मोदी उनके नियंत्रण में हैं तो उन्हें इस कथित प्रचार को रोकने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह विच हंटिंग जारी रही तो वह चुप नहीं बैठेंगे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	सिंह	मे	सिंह---	05-08 बजे
चंद्र	मीन	मे	कन्या---	07-14 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला----	08-18 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक---	11-29 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु----	13-44 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर---	15-48 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ---	17-40 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन---	19-17 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष----	20-53 बजे
			वृष-----	22-36 बजे
			मिथुन---	00-40 बजे
			कर्क-----	02-56 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष सोमवार 31 August 2026
तिथि - तृतीया 08-51 तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - रेवती 03-23 रात्रि तक उपरान्त अश्विनी
योग - गण्ड 01-50 रात्रि तक उप वृद्धि
करण - विष्टी (भद्रा) 08-51 तक उप बव

पंचक,बहुला चतुर्थी व्रत
कज्जली सातुडी तीज

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-36 से 09-10 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	06-01 - 07-36	शुभ		चंचल	18-42 - 19-56	शुभ	
काल	07-36 - 09-10	अशुभ		रोग	19-56 - 21-23	अशुभ	
शुभ	09-10 - 10-43	शुभ		काल	21-23 - 22-50	अशुभ	
रोग	10-43 - 12-16	अशुभ		लाभ	22-50 - 00-16	शुभ	
उत्पात	12-16 - 13-50	अशुभ		उत्पात	00-16 - 01-43	अशुभ	
चंचल	13-50 - 15-23	शुभ		शुभ	01-43 - 03-10	शुभ	
लाभ	15-23 - 16-56	शुभ		अमृत	03-10 - 04-37	शुभ	
अमृत	16-56 - 18-42	शुभ		चंचल	04-37 - 06-01	शुभ	

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है , उसका मूल्यांकन करे और ध्यान दे की आप अपनी क्षमताओ से क्या हासिल कर सकते हैं । आपको ध्यान रखना है की आपकी जितनी चादर है उतना ही पाव फैलाये ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यो में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है । कार्यस्थल पर प्रबंधन आपके काम से बहुत प्रभावित है और आपको पदोन्नति भी मिल सकती है!

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा !

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक वेतन कम हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है की ये चीज़ आपके मन और मस्तिस्क पर बुरा प्रभाव न डाले ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है बजाय की यादृच्छिक घटनाए आप पर हावी हो ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

राजस्थान चुनाव टिकट बंटवारे पर रार

कही निकले अपशब्द, तो कही उठी चप्पल

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। चुनावी दिनों में नेताओं की आपसी फूट सामने आ जाती है। निकाय चुनाव के दौरान भी ऐसा ही हो रहा है। प्रत्याशी तय करने की जद्दोजहद और खींचतान में भाजपा और कांग्रेस दोनों की अंदरुनी कलह सामने आ गई है। चहेतों को टिकट दिलाने के लिए भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेता आमने सामने हो गए। एक दूसरे को गाली निकालने के साथ चप्पल उठाकर मारने के इशारे की घटनाएं हुई। कांग्रेस के वॉर रूम और बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष के घर पर हुई इन घटनाओं ने दोनों ही दलों की अंदरुनी हकीकत बाहर ला दी।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में दिनभर बैठकों का दौर जारी रहा लेकिन भरतपुर संभाग के चुनाव प्रभारी अशोक परनामी के आवास पर भी कल मीटिंग चलती रही। बैठक में करौली के प्रत्याशी तय करने के दौरान विवाद हो गया। पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव और भाजपा जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन आमने सामने हो गए। विवाद के दौरान पूर्व विधायक जाटव ने जादौन को चप्पल उठाकर मारने का इशारा किया। उधर जादौन ने खुद के गले में बीजेपी के दुपट्टा कस लिया। बैठक में मौजूद अन्य नेताओं ने बीच बचाव कर दोनों को शांत किया।

बैठक के दौरान जब पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने प्रत्याशियों का पैनल प्रभारी को दिया को जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन ने एतराज जताते हुए कहा कि पैनल में शामिल किए गए लोगों से लाखों रुपए लिए गए। पुराने और सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम काटे जाने के आरोप भी लगाए। इस दौरान जाटव भड़क गई और उन्होंने चप्पल उठाकर मारने का इशारा किया। इस दौरान जादौन ने खुद के गले में बीजेपी का दुपट्टा कस दिया। राजकुमारी जाटव ने भी गोवर्धन सिंह जादौन पर रुपए लेकर दावेदारों का पैनल तैयार करने के आरोप लगाए।

प्रत्याशी तय करने को लेकर कांग्रेस वॉर रूम में भी बैठक हुई लेकिन इस बैठक में भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आमने सामने हो गए। भीलवाड़ा से आए पूर्व मंत्री रामलाल जाट और धीरज गुर्जर में तीखी बहस हुई। बैठक में ही दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गालियां बकी खरी खोटी सुनाई। रामलाल जाट ने धीरज गुर्जर को गुंडा कह दिया। दोनों के उलझने के बाद प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बीच बचाव कर दोनों को शांत किया।

नीट पीजी के दौरान हंगामा बार-बार बंद हुए कंप्यूटर

दावा- 2 घंटे में 10 बार पेपर रुका सेंटर पर फिर से होगी परीक्षा

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में नीट पीजी PG-2026 परीक्षा के सीतापुर के ION डिजिटल जोन सेंटर पर हंगामा हो गया। कैंडिडेट्स ने आरोप लगाया कि कंप्यूटर बार-बार बंद हुए, जिससे परीक्षा प्रभावित हुई। दो घंटे में 10 बार तक एग्जाम बाधित हुआ। छात्रों ने पेपर लीक की भी आशंका जताई है। परीक्षा खत्म होने के बाद से सैकड़ों की संख्या में परीक्षार्थी विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। हंगामा बढ़ता देख इस सेंटर की परीक्षा कैंसिल कर दी गई है। इस केंद्र पर अब 5 सितंबर को फिर से परीक्षा होगी। छात्रों के अनुसार, परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होनी थी, लेकिन इसे करीब 10 बजे शुरू किया गया। बार-बार बंद होने के बाद कुछ कंप्यूटर्स को फिर से स्टार्ट करने के बाद स्क्रीन पर 3 से 4 सवाल ही दिखाई दिए। जबकि कुछ छात्रों के सिस्टम पर 5 से 6 सवाल आने के बाद फिर कंप्यूटर बंद हो गए। छात्रों का आरोप है कि सेंटर के स्टाफ ने तकनीकी खराबी का कोई कारण नहीं बताया। विरोध कर रहे छात्रों ने आरोप लगाया- पुलिस से मामले की शिकायत की तो विरोध प्रदर्शन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। छात्रों का दावा है कि उनसे कहा गया कि यदि वे बाहर प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। वहीं, छात्रों ने आरोप लगाया कि बार-बार सिस्टम बंद होने और अलग-अलग सवाल दिखाई देने के बाद उन्हें परीक्षा की गोपनीयता पर संदेह है।

जीप-स्कूटी में जोरदार टक्कर पिता-बेटे समेत 3 की मौत

6 साल के मासूम समेत 2 ने मौके पर और 1 ने अस्पताल में तोड़ा दम

हनुमानगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ के पीलीबंगा-रावतसर रोड पर शनिवार देर शाम हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 40 वर्षीय व्यक्ति और 6 साल के मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल तीसरे व्यक्ति ने जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, यह हादसा पीलीबंगा-रावतसर रोड पर जीप और स्कूटी के बीच हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार सुनील (40) पुत्र ओमप्रकाश, निवासी वार्ड नंबर 22, पीलीबंगा और 6 वर्षीय परी पुत्र राकेश नायक निवासी पीलीबंगा की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में राकेश पुत्र पीरथा राम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हनुमानगढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान राकेश ने भी दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतक परी और राकेश पिता-बेटे थे। स्कूटी सवार सुनील और राकेश ईंट-भट्टे पर मजदूरी का काम करते थे। एक ही परिवार के पिता-बेटे और एक अन्य व्यक्ति की मौत से परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है। हादसे की सूचना मिलते ही एएसआई दिनेश कुमार मालिया पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू करवाया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और टक्कर के पीछे क्या कारण रहे, इसे लेकर पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। एक साथ 3 लोगों की मौत की खबर से पीलीबंगा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

निकाय चुनाव, बांग्लादेश से आने थे करोड़ों के नकली नोट

जयपुर में पकड़े गैंग मेंबर्स का खुलासा, ट्रायल करने आए थे, मशीन से हुई करेंसी की जांच

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनावों में करोड़ों के नकली नोट खपाने की तैयारी थी। बांग्लादेश में प्रिंट हुए नकली नोटों की खेप जयपुर लाने की डील भी हो चुकी थी। ये खुलासा जयपुर में 21 अगस्त को पुलिस के हत्थे चढ़े नकली नोट गैंग के चारों आरोपियों ने किया है। फिलहाल 4 लाख से ज्यादा के नकली नोट ट्रायल के लिए मंगवाए थे। अगर नोट मार्केट में आसानी से चल जाते तो कुछ दिनों में बड़ी खेप जयपुर आने वाली थी। पकड़े गए नोटों की प्रिंटिंग, सिक्योरिटी फीचर्स, रंग और पेपर क्वालिटी ऐसी थी कि पुलिस को यूवी मशीन मंगवानी पड़ी। अल्ट्रावॉयलेट रोशनी में एक-एक फीचर्स चेक करने के बाद ही नकली होने की पुष्टि हो सकी। संडे बिग स्टोरी में पढ़िए- गिरोह का क्या प्लान था? गिरोह कब से नकली नोट का नेटवर्क चला रहा है? स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि आरोपियों से 500-500 रुपए के 861 नकली नोट (4 लाख 30 हजार 500 रुपए) पकड़े थे। सभी नोटों की क्वालिटी 'ए' श्रेणी की थी। बदमाशों ने हाई-क्वालिटी पेपर पर असली नोट जैसी प्रिंटिंग की नकल कर रखी थी। कागज, प्रिंट, रंग और प्रिंटिंग पैटर्न को देख कर आम व्यक्ति के लिए अंदाजा लगाना मुश्किल है कि ये नोट असली है या नकली।

नकली नोटों की जांच करने में पुलिस टीम ने यूवी मशीन का इस्तेमाल किया। सभी नोटों को यूवी लाइट में से गुजारा गया। इस दौरान सामने आया कि नकली नोट पर प्रिंट कुछ सुरक्षा फीचर्स असली नोट से नहीं मिल रहे थे। नकली नोटों में सिक्योरिटी थ्रेड, वॉटरमार्क और अन्य सुरक्षा चिह्नों को अलग-अलग तरीकों से प्रिंट किया गया था। नकली नोट में इनकी नकल पूरी तरह सटीक नहीं थी। यही वजह रही कि नोट यूवी मशीन से पकड़ में आ गए। पकड़े गए नोट दो सीरीज 7बीजी 234xxx और 6SB 417xxx के मिले हैं। सीरीज के सभी नोटों के सीरियल नंबर अलग-अलग हैं, ताकि किसी को शक नहीं हो। लेकिन एक्सपर्ट के अनुसार इनमें से 7BG सीरीज 100 रुपए के नोटों की है, जिसका इस्तेमाल गिरोह ने 500 की करेंसी पर किया है। 21 अगस्त को बजाज नगर थाना पुलिस और CST ने संयुक्त कार्रवाई कर रोहतक हरियाणा निवासी अंशुल (24), प्रियांशु (21) और आकाश (26) के साथ सीकर के साहिल चौधरी (24) को अरेस्ट किया था। ये नोट कोलकाता से नेटवर्क चला रहे रोहतक (हरियाणा) निवासी अमन राणा से खरीदे गए थे। कमिश्नर ने बताया सीकर का साहिल चौधरी पिछले 2 साल से अमन राणा के संपर्क में था।

उदयपुर में गैंगवार! हिस्ट्रीशीटर पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग, सुबह सुबह मच गया बवाल

उदयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर के सवीना थाना क्षेत्र में रविवार तड़के करीब 3 बजे थाने के सामने ही हिस्ट्रीशीटर पर फायरिंग का मामला सामने आया है। बदमाशों ने फरदीन उर्फ गांजा पर तीन गोलियां चलाईं। इनमें से 2 गोली हिस्ट्रीशीटर के कंधे में फंस गई, जबकि तीसरी गोली उसके साथी को छूते हुए निकल गई। घटना के बाद घायल फरदीन को तुरंत एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना के करीब 9 घंटे बाद भी दोनों गोलियां उसके कंधे में फंसी हुई हैं। फिलाहल उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।फायरिंग करने वाले उस्मान अली और उसके दो से तीन साथी बनाए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ की जा रही है।

फायरिंग के बाद प्राथमिक तौर पर यह जानकारी सामने आई है कि फरदीन और उस्मान अली के बीच पुरानी रंजिश बताई जा रही है, जिसके चलते यह घटना हुई है हालांकि अभी तक पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। पुलिस उस्मान अली और उसके दोस्तों की तलाश में जुटी हुई है। एमबी अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती फरदीन ने बताया कि बीती रात को उसके भाई हर अरदीन पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। उसकी रिपोर्ट देने के लिए वह सवीना थाने जा रहा था इस दौरान उस्मान अली और उसके कुछ साथी कर में सवार होकर आए और फायरिंग कर दी, इस घटना में उसके कंधे पर गोली लगी है वही मौके पर मौजूद फरदीन के एक साथी को भी गोली छूते हुए चली गई।

फरदीन का साथी गोगा हिस्ट्रीशीटर होने की वजह से गैंगवार होने की भी संभावनाएं जताई जा रही है। इस घटना के बाद सबीना थाना पुलिस ने बताया कि प्राथमिक तौर पर दिन की ओर से उस्मान अली और उसके साथी गोगा के साथ अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है ऐसे में पुलिस अब फायरिंग के सभी आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

घायल फरदीन की मां ने बताया कि उसका छोटा बेटा अरदीन बीती रात को खाना खाने के बाद जब घर लौट रहा था तो उसके ऊपर गोगा और उसके साथियों ने हमला कर दिया हालांकि वह अपना बचाव करते हुए घर पहुंच गया लेकिन जैसे ही घर पहुंचा उसके बाद फरदीन फरदीन और उसका भाई पुलिस थाने प्रकरण दर्ज करवाने जा रहा था।

भाई को बचाने कुंड में कूदी 3-बहनें, चारों की मौत

नहाने उतरा था युवक, वीडियो बनाते हुए डूबा; रक्षाबंधन पर पीहर आई थीं

धौलपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। धौलपुर में भाई को बचाने तीन बहनें कुंड में कूद गईं। डूबने से चारों भाई-बहनों की मौत हो गई। घटना आंगई थाना क्षेत्र में बिरजा गांव के पास रविवार सुबह 4 बजे की है। एएसआई मोहन सिंह ने बताया- कोतवाली थाना के नथुआपुरा, मोरोली निवासी रवि उर्फ (21) पुत्र लायक सिंह सगी बहन मनोरमा (22), बोटो (25) और चचेरी बहन कल्लो (18) पुत्री भभूति के साथ शनिवार रात बिरजा में हीरामन बाबा के मंदिर आया था। मेले में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चारों रात करीब 11 बजे पहुंचे थे। रविवार सुबह करीब 4 बजे चारों हीरामन कुंड में पहुंचे। रवि नहाने के लिए कुंड में उतरा तो डूबने लगा। उसकी तीनों बहनें भी पास में नहा रही थीं। रवि को डूबता देखकर तीनों उसे बचाने के लिए कुंड में कूद गईं। पानी गहरा होने के कारण वे भी डूब गईं। प्रत्यक्षदर्शी गिरिराज ने बताया कि रवि कुंड में नहाते वक्त वीडियो बना रहा था। वीडियो बनाते-बनाते वह गहरे पानी में चला गया था और डूब गया।

ग्रामीणों ने पहले अपने स्तर पर बचाव का प्रयास किया। उन्होंने तीनों बहनों के शव कुंड से निकाल लिए। सूचना मिलने पर सुबह करीब 6 बजे पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के करीब 6 घंटे बाद सुबह 10 बजे रवि का शव बाहर निकाला गया। चारों शव सरमथुरा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए। सूचना मिलने पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए थे।

दो गाड़ियों के बीच फंसी स्विफ्ट,नवजात समेत 3 की मौत

2 दिन पहले हुआ था बच्ची की जन्म, हॉस्पिटल से घर जा रहा था परिवार

बीकानेर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। बीकानेर के भड़ल गांव में एक्सीडेंट के कारण दो गाड़ियों के बीच फंसी स्विफ्ट कार में एक नवजात सहित तीन लोगों की मौत हो गई। परिवार प्रसूता और 2 दिन की मासूम को हॉस्पिटल से लेकर घर लौट रहा था। हादसा शाम 7 बजे बज्जू थाना क्षेत्र में हुआ। स्विफ्ट में कुल 6 लोग थे। प्रसूता सहित तीन लोग गंभीर घायल हैं। घायलों को पहले बज्जू हॉस्पिटल लाया गया, जहां बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। बज्जू थानाधिकारी चंद्रजीत सिंह भाटी ने बताया परिवार फलोदी के मदासर गांव का रहने वाला है। हॉस्पिटल से घर जाते समय उनकी कार बज्जू से करीब 30 किलोमीटर दूर कैंपर से भिड़ गई। कुछ सेकेंड बाद ही कार के पीछे चल रही स्कॉर्पियो उनकी कार से टकरा गई। स्विफ्ट के अंदर फंसे सभी घायलों को करीब आंधा घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। इलाज के दौरान बज्जू के हॉस्पिटल में नवजात के मामा रिछपाल (प्रसूता के काका का बेटा) की मौत हो गई। जबकि, अन्य घायलों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया। रास्ते में नवजात और उसकी नानी ऐलची पत्नी शैलूराम ने भी दम तोड़ दिया।

23 दिनों से जेल में बंद नरेश मीणा की तबीयत बिगड़ी

करवाया टोंक के अस्पताल में भर्ती

टोंक, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के नगरफोर्ट में थप्पड़कांड के मामले में टोंक जेल में बंद नरेश मीणा को शनिवार दोपहर अचानक तबीयत खराब हो गई। उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच टोंक के सआदत अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया है। इधर, इस खबर से नरेश के समर्थकों में चिंता की लहर फैल गई है। समर्थकों ने जेल प्रशासन पर नरेश के स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही का आरोप लगाया है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, नरेश मीणा को सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। उन्हें अब तत्काल आईसीयू में एडमिट कर उपचार शुरू कर दिया गया है। नरेश की ईसीजी रिपोर्ट सामान्य आई है, जबकि रक्त जांच (ब्लड रिपोर्ट) आनी बाकी है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय किया जाएगा कि उनका इलाज कहां किया जाएगा। वहीं समर्थक उनके बेहतर उपचार के लिए उन्हें जयपुर ले जाने की मांग कर रहे है। नरेश मीणा के अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलते ही उनके समर्थक बड़ी संख्या में सआदत अस्पताल के बाहर जुटने लगे। इस दौरान पूर्व सरपंच आरडी गुर्जर ने जेल प्रशासन पर नरेश के स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही का आरोप लगाया है। समर्थकों दावा है कि नरेश मीणा बीते 7-8 दिनों से सीने और पीठ में दर्द परेशान है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने जेल प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

बता दें कि पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने भी बीते दिनों नरेश मीणा के स्वास्थय को लेकर मीडिया में सवाल उठाया था। उन्होंने 22 अगस्त को जेल मेंनरेश से मुलाकात की थी। उनकी नरेश से करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। इसको लेकर पूर्व सरपंच ने कहा कि जब पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा जेल में नरेश मीणा से मुलाकात करने पहुंचे थे, तब भी मीणा ने सीने में दर्द की बात कही थी। इसके बाद गुढ़ा ने मीडिया के समक्ष उनके खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया था। गुढ़ा ने भी नरेश को अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज कराने की मांग की थी, लेकिन इसके बाद भी जेल प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

कोटा में सांप के काटने से 2 की मौत

पलंग पर सो रहे 12वीं के छात्र को काटा, चारा काट रही महिला को भी डसा

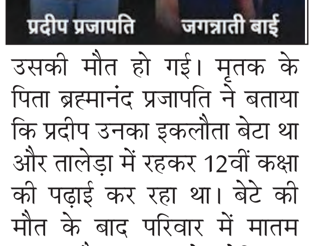

प्रदीप प्रजापति · जगन्नाती बाई

कोटा, 30 अगस्त (एजेंसियां)। कोटा के एमबीएस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में सांप के काटने के बाद रेफर हुए एक युवक और एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। बूंदी जिले में सांप के काटने से एक छात्र और 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। दोनों घटनाएं अलग-अलग गांवों में हुईं। पहला मामला तालेड़ा कस्बे का है, जहां 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले प्रदीप प्रजापति को 28 अगस्त की रात पलंग पर सोते समय सांप ने काट लिया। परिजन सांप को मारने के बाद प्रदीप को इलाज के लिए कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ब्रह्मानंद प्रजापति ने बताया कि प्रदीप उनका इकलौता बेटा था और तालेड़ा में रहकर 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। बेटे की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा है। शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्च्युरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की गई। दूसरी घटना देहीखेड़ा थाना क्षेत्र के रेबरपुरा गांव की है। यहां 70 वर्षीय जगन्नाती बाई शनिवार सुबह करीब 6 बजे खेत में चारा काटने गई थीं। इसी दौरान उन्हें सांप ने काट लिया। खेत में मौजूद महिलाओं ने परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें तुरंत लाखेरी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में कोटा रेफर कर दिया गया। परिजन उन्हें कोटा एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

2 दिन बाद तेज बारिश की चेतावनी

लगातार दूसरे दिन सूखा रहा मानसून, अगस्त अंत में भी पारा 40 डिग्री के ऊपर

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में शनिवार को लगातार दूसरा दिन रहा, जब मानसून सूखा रहा। बारिश नहीं होने से प्रदेश के सभी शहरों में आसमान साफ रहा। श्रीगंगानगर में तापमान 40 डिग्री के ऊपर रिकॉर्ड हुआ।

वहीं, अलवर, टोंक, जोधपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने बताया- राज्य में अगले तीन दिन मौसम साफ रहेगा। 2 सितंबर से राज्य में एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने की संभावना है, जिसके असर से पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां फिर से शुरू होगी। 2 सितंबर को 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मानसून की एक्टिविटी रुकी हुई हैः मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- मानसून ट्रफ इस समय अमृतसर, मुजफ्फरनगर, शाहजहांपुर, बस्ती, पटना होते हुए बंगाल की खाड़ी तक गुजर रही है। इसके चलते राजस्थान में बारिश की गतिविधियां अभी रूकी हुई है। अब आगे क्या?ःमौसम केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले 3 दिन मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। राज्य में 2 सितंबर से मानसून एक बार फिर एक्टिव होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम के असर से राज्य के पूर्वी जिलों (भरतपुर, कोटा, जयपुर संभाग) में बारिश की गतिविधियां फिर से शुरू हो सकती हैं।

हादसे में घायल रिटायर्ड फौजी की मौत

परिवार में मरने वालों की संख्या 4 हुई, शोकसभा से लौटते समय 5 दिन पहले हुआ था हादसा

नागौर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के खींवसर-माडपुरा सड़क मार्ग पर 25 अगस्त को हुए भीषण सड़क हादसे में घायल रिटायर्ड फौजी धन्नाराम डूडी की भी मौत हो गई। धन्नाराम का जोधपुर में इलाज चल रहा था। जहां रविवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। इस हादसे में इससे पहले धन्नाराम की पत्नी, उनके छोटे भाई और छोटे भाई की पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई थी। अब हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। हादसा 25 अगस्त की शाम करीब 6:20 बजे पांचौड़ी थाना क्षेत्र में हुआ था। परिवार के सभी सदस्य एक रिश्तेदार की शोकसभा में शामिल होने बीकानेर के नोखा गए थे। शाम को वे कार से अपने गांव माडपुरा लौट रहे थे। इसी दौरान खींवसर-माडपुरा सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर रॉन्ग साइड से आया और सामने से आ रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। डंपर कार को करीब 50 फीट तक घसीटकर ले गया। हादसे में धन्नाराम की पत्नी, छोटे भाई और भाभी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि धन्नाराम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया था। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों ने खींवसर जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर धरना देकर आरोपी डंपर चालक की गिरफ्तारी की मांग की थी।

ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर 4.45 लाख ठगे

पीड़ित की रिपोर्ट पर साइबर पुलिस ने 69 हजार रुपए होल्ड करवाए

चूरू, 30 अगस्त (एजेंसियां)। चूरू जिले में ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर एक युवक से 4 लाख 45 हजार रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। सुजानगढ़ क्षेत्र के बागसरा आथूणा निवासी 30 वर्षीय सुभाषचंद्र वर्मा ने इस संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुभाषचंद्र वर्मा ने बताया कि 6 अगस्त को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने घर बैठे काम कर मुनाफा कमाने का लालच दिया और ऑनलाइन कार्य के लिए एक वेबसाइट भेजी। बाद में उन्हें 'मंत्रा ई-कॉमर्स मार्केटिंग ग्रुप' नामक टेलीग्राम समूह से भी जोड़ दिया गया। आरोपियों ने पीड़ित की वेबसाइट पर आईडी बनवाई और अधिक लाभ का झांसा देकर विभिन्न लेन-देन के जरिए कुल 4,45,000 रुपए जमा करवा लिए। यह राशि उनके एसबीआई और राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक खातों से ट्रांसफर की गई थी।

नदी में डूबने से दो बहनों की मौत

खेलते समय पैर फिसला, बचाने उतरी दूसरी बहन भी डूबी ;राखी मनाने ननिहाल आई थी

बेगूं, 30 अगस्त (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के बेगूं में नदी में डूबने से 2 मौसेरी बहनों की मौत हो गई। राखी पर ननिहाल गई एक बच्ची मेनाली नदी के पास खेल रही थी। खेलते-खेलते पैर फिसल जाने से वह नदी में डूब गई। पास ही खेल रही बहन उसे बचाने के लिए नदी में उतर गई। डूबने से दोनों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोटा निवासी राधिका (8) पुत्री विक्रम सिंह और उसकी मौसी की लड़की रावतभाटा निवासी प्रतिज्ञा (9) पुत्री रवीन्द्र सिंह शनिवार को अपने ननिहाल सामरिया आई थी। रविवार सुबह करीब 8 बजे घर से थोड़ी दूर मेनाली नदी के पास खेल रही थी। इस दौरान राधिका का पैर फिसल गया और वह नदी में डूबने लगी। उसे डूबता देखकर प्रतिज्ञा भी उसे बचाने के लिए नदी में उतर गई। साथ खेल रहे दूसरे बच्चों ने दौड़कर घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों बालिकाओं को पानी से बाहर निकाला। उन्हें तत्काल काटूंदा सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर बेगूं पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि परिजनों ने बच्चियों का पोस्टमॉर्टम करवाने से मना कर दिया।

पूरे तेलंगाना में बैंकिंग पहुँच और कम्युनिटी आउटरीच का विस्तार

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (एसबीआई) के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने आज तेलंगाना में सात नई शाखाओं और चार डिजिटल कियोस्क का उद्घाटन किया। इससे पूरे राज्य में ग्राहकों तक बैंकिंग पहुँच बढ़ाने और सुविधाजनक डिजिटल बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता और मज़बूत हुई है।

चेयरमैन द्वारा वर्चुअली उद्घाटन की गई सात शाखाएँ चित्रापुरी कॉलोनी, सतमराई, चेंगीचेरला, दौलताबाद, भूपल्ली, तीगलागुट्टापल्ली और येल्लारेड्डीपेट में स्थित हैं। ये नई शाखाएँ उभरते और कम सेवा वाले इलाकों में एसबीआई की मौजूदगी को और मज़बूत करेंगी और ग्राहकों को उनके घरों और व्यवसायों के पास बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला उपलब्ध कराएंगी।

डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने के प्रयासों के तहत, श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने चार डिजिटल कियोस्क का भी वर्चुअली उद्घाटन किया। ये कियोस्क श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (चिन्ना तिरुपति), वट्टम; श्री लक्ष्मी गोदा समेता श्री विराट वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, संगारेड्डी; श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम, भद्राचलम; और श्री भद्रकाली मंदिर, वारंगल में स्थित हैं।

इन कियोस्क का उद्देश्य भक्तों और आगंतुकों के लिए एसबीआई की डिजिटल बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करना है।

बैंक की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहलों के तहत, शिक्षा और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्रों में उनके प्रयासों का समर्थन करने के लिए अक्षय विद्या फाउंडेशन, हैदराबाद और ज्ञान सरस्वती देवस्थानम, बासर को बसें भी दान की गईं। श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने बसों को हरी झंडी दिखाई और लाभार्थी संगठनों के प्रतिनिधियों को चाबियाँ सौंपीं। तेलंगाना सरकार के एंडोमेंट्स विभाग के अतिरिक्त आयुक्त ई. श्रीनिवास राव और अक्षय विद्या फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी एस. जनार्दन ने चेयरमैन से बस की चाबियाँ प्राप्त कीं।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद सर्कल के चीफ जनरल मैनेजर नीलेश द्विवेदी; जनरल मैनेजर सतीश कुमार; रणविजय प्रताप; डीजीएम और सीडीओ सुरजीत त्रिपाठी के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कुतबुल्लापुर में 11.365 किलो गांजे के साथ दो लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला पुलिस ने कुतबुल्लापुर में दो लोगों को गिरफ्तार किया जो गांजा बेचने की योजना बना रहे थे और शनिवार को उनसे 11.365 किलो गांजा ज़ब्त किया।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की और एचएमटी कॉलोनी में मारेड्डुबुडी राजू (33) और सिरापु हेमा (41) को पकड़ा। तलाशी के दौरान, पुलिस ने पाँच बंडलों में पैक गांजा बरामद किया, साथ ही दो मोबाइल फ़ोन और बैग भी मिले जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर गांजा लाने-ले जाने के लिए किया गया था।

पुलिस के अनुसार, राजू ने कथित तौर पर विशाखापत्तनम ज़िले के मद्दुगुला के पास बुम्पारा रमना से गांजा लिया था और इसे बेचने के लिए हेमा को सौंपने के लिए हैदराबाद लाया था। पुलिस ने कहा कि फ़रार संदिग्ध रमना को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

सत्ता खोने के बाद ही बीआरएस को विकलांग कल्याण की याद आई: अदलुरी

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के क्षेत्र में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने पूछा कि क्या सत्ता से बाहर होने के बाद ही पार्टी को इस समुदाय की याद आई है। जिन लोगों ने 10 वर्षों तक राज्य पर इस तरह शासन किया मानो वे राजा और मंत्री हों, और मानो कोई उन पर सवाल नहीं उठा सकता हो, वे अब विकलांग व्यक्तियों के कल्याण की बात कर रहे हैं, मंत्री ने पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी हरीश राव द्वारा की गई आलोचना की कड़ी निंदा करते हुए कहा।

रविवार को यहां सीएलपी मीडिया सेंटर में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए लक्ष्मण कुमार ने आरोप लगाया कि हरीश राव ने दिव्यांगजनों के साथ आयोजित एक बैठक में खुलेआम झूठ बोला था। उन्होंने

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना करते समय हरीश राव द्वारा कथित तौर पर एकवचन और अपमानजनक भाषा के प्रयोग पर भी आपत्ति जताई। मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि दिव्यांगजनों को जबरन बैठक में लाया गया और उन्हें राजनीतिक आलोचना सुनने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा, यदि आप दिव्यांगजनों की समस्याओं के बारे में बात करना चाहते हैं, तो तथ्यों और आंकड़ों के साथ बात करें। उनका राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करना स्वीकार्य नहीं है। मंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस 2014, 2018 और 2023 के अपने चुनावी घोषणापत्रों में विकलांग व्यक्तियों से किए गए एक भी प्रमुख वादे को पूरा करने में विफल रही है। जब आप सत्ता में थे तब वादे किए गए थे। दस साल बीत गए।

अब सत्ता खोने के बाद, आप अचानक विकलांग व्यक्तियों के प्रति चिंता जताने का दावा कर रहे हैं। यह लोगों को गुमराह करने का एक मात्र प्रयास है।, लक्ष्मण कुमार ने कहा कि बीआरएस सरकार अपने एक दशक के कार्यकाल के दौरान विकलांग व्यक्तियों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदर्शित करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, कांग्रेस सरकार ने विकलांग व्यक्तियों के कल्याण को प्राथमिकता दी थी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए वाहनों, बैटरी से चलने वाले वाहनों और अन्य सहायक उपकरणों पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि वाहनों और अन्य उपकरणों की उपलब्धता के लिए अगले वर्ष 50 करोड़ रुपये और आवंटित किए जाएंगे।

मिर्जा रहमत बेग के एमएलसी पद से इस्तीफे पर सस्पेंस बरकरार

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन से निष्कासित किए गए विधान परिषद सदस्य मिर्जा रहमत बेग के एमएलसी पद से इस्तीफा देने या नहीं देने को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। पार्टी नेतृत्व ने कथित यौन दुर्व्यवहार से संबंधित एक वीडियो सामने आने के बाद शुक्रवार को उन्हें पार्टी से निष्कासित करते हुए विधान परिषद सदस्य पद से भी इस्तीफा देने को कहा था।

बताया जाता है कि बेग शुक्रवार दोपहर से संपर्क में नहीं हैं और उनका मोबाइल फोन भी बंद है। अभी तक विधान परिषद के सभापति को उनके इस्तीफे सौंपने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि पार्टी नेतृत्व की ओर से इस्तीफे की मांग की गई है, लेकिन उपलब्ध जानकारी के अनुसार बेग फिलहाल इस्तीफा देने के इच्छुक नहीं हैं। इस बीच बेग ने एक वीडियो बयान जारी कर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों से इनकार किया।

उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से तैयार कर उन्हें और पार्टी को बदनाम करने के उद्देश्य से फैलाया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस विवाद में एआईएमआईएम, पार्टी अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी तथा पार्टी के विधानमंडल दल के नेता और चंद्रायनगुट्टा विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी को न जोड़ा जाए। बेग की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है और इस संबंध में मामला भी दर्ज किया गया है। पुलिस अब वीडियो की वास्तविकता और पूरे मामले की जांच कर रही है।

मधिरा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू विक्रमार्क भट्टी ने कहा कि बोनाकल मंडल के कलकोटा गांव में कुल 57.59 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें करीब 57 करोड़ रुपये की लागत से कलकोटा- राल्लापल्ली- गन्नवरम- मुसलीमडुगु-लक्ष्मीपुरम मार्ग के 20 किलोमीटर हिस्से के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य शामिल हैं। इसके अलावा 59 लाख रुपये की लागत से कलकोटा एससी कॉलोनी में आंतरिक सीसी सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में सड़क संपर्क बेहतर होने के साथ-साथ ग्रामीणों के आवागमन को सुविधा मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने स्थानीय स्तर पर

बेहतर और निर्बाध बिजली सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टीजीएनपीडीसीएल के तत्वावधान में नवनिर्मित सेक्शन कार्यालय का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि बिजली से संबंधित समस्याओं के समाधान और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में यह कार्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मधिरा विधानसभा क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास सरकार की प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, सड़क एवं बिजली व्यवस्था में सुधार तथा लोगों की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने और जनता को उनका सीधा लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य मधिरा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

सड़क हादसे में महिला किसान की मौत

सिद्दिपेट, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को तिम्माक्कापल्ली गांव में सड़क हादसे में एक महिला किसान की मौत हो गई और उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए।

किसान दंपत्ति, उदिदि रामा स्वामी और उनकी पत्नी अमृता (55), दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे। गज़वेल-रामायमपेट रोड पर यू-टर्न लेते समय एक दूसरे दोपहिया वाहन ने कथित तौर पर उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय अमृता की मौत हो गई, जबकि स्वामी का इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राइपोल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा श्रावणी उपक्रम -महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद, सिकंदराबाद, द्वारा 28 अगस्त को अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाला की अध्यक्षता में मामड़पल्ली स्थित श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के हरिप्रिया पुष्कर्णी पर श्रावणी उपक्रम महोत्सव आयोजित किया गया। प्रातः 9:11 पर श्री रामनाथ आश्रम से संत श्री सेवाराम महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर बस रवाना की गई ।

प्रातः 10:21 पर हरिप्रिया पुष्कर्णी पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के प्रख्यात पुरोहितों द्वारा प्रधान गोकुल चंद उपाध्याय के सानिध्य में पूजा अर्चना, विधिवत पुष्कर्णी में दस विधि स्नान व अन्य अनुष्ठान विधिवत मंत्र उच्चारण के साथ संपन्न हुआ। तत्पश्चात गायत्री -यज्ञोपवीत पूजा व पंचकुंडीय महा गायत्री यज्ञ प्रारंभ हुआ। जहां बारी-बारी सभी ने यज्ञ में आहुति दी।आयोजन पर 23 नूतन यज्ञोपवीत धारकों ने मंत्र उच्चार व गुरु मंत्र के साथ यज्ञोपवीत धारण की। हर तरफ गायत्री माता की जयकारे लग रहे थे ।आरती के पश्चात भोजन प्रसादी व्यवस्था प्रारम्भ हुई। महामंत्री रामदेव नागला ने कार्यक्रम स्थल पर विप्र बंधुओं के उल्लास को देखकर कहा कि यह उनका महत्वपूर्ण त्यौहार है। व पिछले लगभग 60 वर्षों से सभा द्वारा यह धार्मिक आयोजन होता है।

इस परम्परा को आगे बढ़ने का श्रेय सभा के प्रमुख सूरजमल शर्मा, रामनिवास शर्मा, मुसद्दीलाल शर्मा,राजाराम शास्त्री, रामनिवास गांधी, राधाकिशनजी जोशी, व अनेक साथी गणों को जाता है। भोजन प्रसादी कार्यक्रम पर छन्द के बादशाह रामनिवास परिसर ने अपने छंदों की बौछार कर दी जिसे सुनकर भक्तगण झूम उठे।

इस भव्य आयोजन पर सभा द्वारा के सहयोगी यजमान रामचन्द तिवारी, गोकुलचंद उपाध्याय, हरिनारायण व्यास,सुखदेव जोशी, शांतिलाल चान्डा,सुरेशकुमार व्यास पारीक, हुक्मीचंद थानवी,महावीर शर्मा,गोपाल शर्मा,हरिप्रसाद रिणवा,व रामप्रकाश ओझा का शॉल व माला द्वारा सम्मान किया गया। साथ ही बृजभूषण चान्डा,गोविंद व्यास,नेमीचंद दाधीच, व भाजपा नेता भारत चान्डा को उनकी योग्यता के हिसाब से सभा द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के भव्य प्रदान करने में अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाल,महामंत्री रामदेव नागला,कोषाध्यक्ष भारत चान्डा,प्रधान संजयोक सुरेश गांधी,दामोदर जोशी, संजयोक मंडल के रामनिवास पाराशर,मोहनलाल शर्मा, अनिल जायलवाल, श्रीलाल पारीक,भगवान व्यास, संदीप जायलवाल, मुरलीधर तिवारी,रामेश्वर लाल जोशी, प्रभु दयाल पांडे के अलावा काफी संख्या में विप्र बंधु व महिलाएं उपस्थित थीं।

बदलते मौसम के बीच लोगों से सावधानी बरतने की अपील

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जन स्वास्थ्य निदेशक ने रविवार को हैदराबाद और अन्य जिलों के लोगों के लिए एक सामान्य स्वास्थ्य सलाह जारी की, जिसमें खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है। तेलंगाना के डीपीएच डॉ. बी. रविंदर नायक ने कहा कि मौजूदा मौसम के पैटर्न से तापमान में गिरावट और नमी बढ़ने की उम्मीद है, जिससे मौसमी बीमारियों - खासकर मच्छरों, पानी और हवा से फैलने वाली बीमारियों - के बढ़ने का खतरा है।

मच्छरों के खतरे से निपटने और मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया के मामलों को कम करने के लिए, डीपीएच ने परिवारों से अपील की है कि वे दरवाजों, खिड़कियों, बिस्तरों और बच्चों के पालनों को मच्छरदानी या जाली से सुरक्षित करें।

सलाह में कहा गया है कि मच्छर भगाने वाली चीजों (रिपेलेंट्स) का इस्तेमाल करें, घर के नालों की देखभाल करें ताकि पानी जमा न हो, सेप्टिक टैंक को ढककर रखें ताकि मच्छर न पनपें, और घर के आसपास जमा पानी से छुटकारा पाने के लिए हर हफ्ते 'फ्राइडे - ड्राई डे' (शुक्रवार - सूखा दिन) का पालन करें।

पानी से फैलने वाले संक्रमणों जैसे एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस, पीलिया और टाइफाइड से बचने के लिए, लोगों को फ़िल्टर किया हुआ या उबला हुआ पानी पीना चाहिए, हाथ धोने चाहिए (खासकर खाना खाने से पहले और बाद में), और बाहर का बासी खाना खाने से बचना चाहिए। हवा से फैलने वाले संक्रमणों (जैसे वायरल बुखार और इन्फ्लूएंजा) से बचने के लिए, डीपीएच ने लोगों से बीमार व्यक्ति से हाथ मिलाने से बचने, हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करने और छींकते या खांसते समय रुमाल का इस्तेमाल करने की अपील की।

बिजली का झटका लगने से मौत

निर्मल, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात पेरकापल्ली गाँव में एक 27 वर्षीय खेत मज़दूर को एयर-कूलर हटाने की कोशिश करते समय बिजली का ज़ोरदार झटका लगा। पुलिस ने बताया कि एम्बाडी सतीश को कूलर हटाने की कोशिश के दौरान बिजली का झटका लगा, क्योंकि कूलर में बिजली का करंट आ गया था। उन्हें तुरंत खानापुर के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राजीव राहदारी को बड़ा करने का प्रस्ताव एक साल से अटका है

मंचेरियल, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव राहदारी को आठ-लेन वाले एक्सप्रेस हाईवे में बदलने का प्रस्ताव पिछले एक साल से अटका हुआ है।

राजीव राहदारी तेलंगाना के उत्तरी जिलों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क है। राज्य में होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं में से लगभग 40 प्रतिशत इसी सड़क पर होती हैं। सड़क पर घुमावदार रास्तों और जंक्शनों पर वाहनों की टक्कर में कई लोगों की जान जा चुकी है, जिससे वाहन चालकों और सड़क सुरक्षा कार्यकर्ताओं में चिंता है।

इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने सितंबर 2025 में दुर्घटनाओं को कम करने के मकसद से लगभग 400 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इस सड़क को बड़ा करने का फैसला किया। योजना थी कि घुमावदार रास्तों को हटाया जाए और ज़रूरत पड़ने पर ज़मीन अधिग्रहण करके एक नया रास्ता बनाया जाए।

प्रस्तावित नया रास्ता मौजूदा सड़क (जो गांवों से होकर गुजरती है) के बजाय खेतों से होकर गुज़रने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उम्मीद है कि नए रास्ते से दुर्घटनाएं कम होंगी और वाहन चालकों को राहत मिलेगी। सड़क का इस्तेमाल करने वालों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया था। हालांकि, यह प्रोजेक्ट पिछले एक साल से ठंडे बस्ते में पड़ा है। फंड की कमी के कारण लंबे समय से प्रतीक्षित यह प्रोजेक्ट शुरू नहीं हो पाया है। अधिकारियों ने कहा कि फंड मंज़ूर होने के बाद काम शुरू हो जाएगा।

यह हाईवे मूल रूप से लगभग 30 साल पहले बनाया गया था और 2014 में इसे चार-लेन वाली सड़क में बदल दिया गया था। बाद में इसका नाम राजीव राहदारी रखा गया।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट की नयी कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में विशेष मीटिंग आयोजित कर आगामी कार्यकाल 2026-2029 के लिए नयी कार्यकारिणी का गठन सर्वसहमति से चुनाव अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि सर्वसहमति से नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें अध्यक्ष भारमल वरपा, उपाध्यक्ष राजाराम चोयल, पोकरराम गेहलोत, सचिव लालाराम हाम्बड़, सहसचिव चम्पालाल काग, कोषाध्यक्ष पोकरलाल सैंणचा, सहकोषाध्यक्ष बाबूलाल चोयल, खेल मंत्री स्वरुपराम वरपा, चुन्नीलाल चोयल, मीडिया प्रभारी रमेश भायल, सलाहकार चौथाराम पंवार, मगाराम परिहार, वेनाराम वरपा, हंसाराम आगलेचा, कार्यकारिणी सदस्य भरत पंवार, सोहनलाल चोयल, सुरेश, डायाराम वरपा, जयंतीलाल सैंणचा, नारायणलाल, जस्साराम भायल, रामलाल सानपुरा, गोविन्द पंवार, अशोक चोयल, मनोनित सदस्य चुन्नीलाल वरपा, प्रकाश आगलेचा, नेमाराम काग, हिरालाल सैंणचा, पुखराज चोयल, भाणाराम वरपा, राजुराम सेपटा, दौलतराम पंवार, मोतीलाल चोयल, डूंगाराम सोलंकी, सहयोगी सदस्य सोहनलाल चोयल, नत्थाराम सोलंकी, महेन्द्र हाम्बड़, पुनाराम गेहलोत, राकेश सोलंकी, पुनाराम परिहारिया, देवाराम, दिलीप आगलेचा, मुकेश चोयल व मानाराम काग चुने गये। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भारमल वरपा व सचिव लालाराम हाम्बड़ ने सर्वसहमति से चुने जाने पर समाज बन्धुओ का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज हित में वे कार्य करेंगे। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए बताया कि रविवार 13 सितम्बर भादवा सुदी बीज को नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को शपथ दिलाकर वर्तमान कार्यकारिणी का विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा। भादवा सुदी बीज को सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

हनुमान मंदिर में गज़स्तंभ और शिखर स्थापना

मदनूर, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति, ने जनता के सहयोग से मदनूर पुराना बस स्टैंड स्थित पुरातन श्री हनुमान मंदिर का सदगुरू 108 मलिकार्जुन शिवाचार्य स्वामी के नेतृत्व में जीर्णोद्धार के साथ रविवार के सुबह पुरोहित के मंत्र उपचार के साथ गज़ स्तंभ और शिखर की स्थापना की गई। इस समय स्थानिक भक्तों ने अधिक संख्या में भाग लेते हुए पूजा अर्चना के साथ आरती व महा प्रसाद का लाभ लिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पीएम मोदी को...

भारत के लिए क≈यों अहम है यह दौरा; 4 पॉइंट

1. **खनिजों का भंडार:** भारत लंबे समय से मध्य एशिया के देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। मध्य एशिया तेल, गैस, यूरेनियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का बड़ा भंडार है।

2. **ऊर्जा जरूरत:** भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग बढ़ाना चाहता है।

3. **नए बिजनेस रूट:** भारत मध्य एशिया के देशों के साथ व्यापार भी बढ़ाना चाहता है। इसके लिए वह नए व्यापार और परिवहन मार्ग विकसित करने पर काम कर रहा है।

4. **आतंकवाद के खिलाफ मुहिम:** अफगानिस्तान की स्थिति और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी भारत इन देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है।

कृष्णा शेषाद्री जिसने ...

'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कृष्णा के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर कृष्णा ने अपने इतिहास से जुड़े इस प्रयास की शुरुआत की जानकारी साझा की थी। पीएम मोदी को उनका यह विचार काफी दिलचस्प लगा। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कृष्णा से फोन पर बातचीत की और उनसे उनकी वेबसाइट तथा इसे बनाने के पीछे के विचार के बारे में सवाल किए। बातचीत की शुरुआत में कृष्णा थोड़े घबराए हुए नजर आए, लेकिन बाद में उन्होंने सहजता से प्रधानमंत्री के सवालों के जवाब दिए।

कृष्णा शेषाद्री का मानना है कि स्कूलों और कॉलेजों में भारतीय इतिहास को अक्सर किसी एक साम्राज्य या राज्य के नजरिए से पढ़ाया जाता है। उनका कहना है कि इस वजह से कई अन्य महत्वपूर्ण राजवंशों और क्षेत्रों के इतिहास पर उतना ध्यान नहीं जाता।

उन्होंने खास तौर पर चोल, पल्लव, कश्मीर के करकोटा वंश और असम के अहोम साम्राज्य जैसे उदाहरण दिए। कृष्णा के मुताबिक, इन राजवंशों ने अपनी संस्कृति और परंपराओं को लंबे समय तक बनाए रखा, लेकिन इनके बारे में आम लोगों की जानकारी अपेक्षाकृत कम है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नए सीजन से पहले सख्ती : श्रीलंका दौरे से लौटते ही फिटनेस टेस्ट में जुटे भारतीय खिलाड़ी

बंगलूरू, 30 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की कड़ी सीरीज खत्म होने के महज 48 घंटे के भीतर भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को अनिवार्य फिटनेस टेस्ट के लिए बुलाया गया। शनिवार को भारत के कई केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे और नए घरेलू सीजन से पहले अपनी फिटनेस परखी। भारतीय टीम के टेस्ट खिलाड़ियों ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार तीन दिन मैदान पर बिताए थे। इसके बावजूद कई प्रमुख खिलाड़ियों ने नए सीजन से पहले अपने फिटनेस पैरामीटर पूरे किए। आने वाला सीजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए काफी व्यस्त रहने वाला है, जो आईपीएल 2027 तक करीब आठ महीने चलेगा।

जडेजा, पंत और जायसवाल ने बहाया पसीना

फिटनेस टेस्ट में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नजर आए। इनके अलावा टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर, टी20 विशेषज्ञ रिंकू सिंह, संजू सैमसन और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ समेत कई अन्य खिलाड़ियों ने भी फिटनेस ड्रिल में हिस्सा लिया।

किन फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे खिलाड़ी?

बीसीसीआई के अनिवार्य फिटनेस

टेस्ट में कई तरह की शारीरिक और क्रिकेट से जुड़ी ड्रिल शामिल हैं।

ब्रोंको टेस्ट

2 किलोमीटर रन

यो-यो टेस्ट

रनिंग बिटवीन द विकेट्स

अन्य क्रिकेट स्पेसिफिक ड्रिल

विज्ञापन

क्या है ब्रोंको टेस्ट?

ब्रोंको टेस्ट में 0 मीटर, 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर की दूरी पर कोन लगाए जाते हैं। खिलाड़ी बिना ब्रेक लिए 0 से 20 मीटर और वापस, फिर 40 मीटर और 60 मीटर तक दौड़ पूरी करते हैं। इस प्रक्रिया को पांच सेट में पूरा करना होता है। इस दौरान खिलाड़ियों को कुल 1200 मीटर की दूरी करीब साढ़े पांच मिनट में पूरी करनी होती है। वहीं, यो-यो टेस्ट का लंबे समय से निर्धारित मानक 16.5 रहा है। 2 किलोमीटर की दौड़ को 10 मिनट के भीतर पूरा करना होता है।

बुमराह, हार्दिक और नीतीश फिट होने के बाद देंगे टेस्ट

हालांकि सभी प्रमुख खिलाड़ी इस समय फिटनेस टेस्ट में शामिल नहीं हुए। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और नीतीश कुमार रेड्डी पूरी तरह फिट घोषित होने के बाद ही इन फिटनेस ड्रिल में हिस्सा लेंगे। तीनों खिलाड़ी फिलहाल रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को फिलहाल फिटनेस टेस्ट से छूट दी गई है। दोनों ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में काफी गेंदबाजी की थी।

सितंबर से शुरू होगा भारत का घरेलू सीजन

बीसीसीआई का घरेलू क्रिकेट कार्यक्रम, जिसे इंडिया क्रिकेट के नाम से जाना जाता है, हर साल सितंबर में शुरू होता है।

इस बार भारत का घरेलू सीजन दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से शुरू होगा। इसे तकनीकी तौर पर भारत की घरेलू सीरीज माना जाएगा, हालांकि मुकाबले भारत में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जाएंगे।

इसके बाद भारतीय टी20 टीम एशियन गेम्स के लिए जापान का रुख करेगी, जबकि एक अन्य व्हाइट-बॉल टीम इसी दौरान वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलेगी। इसके अलावा सितंबर के आखिरी सप्ताह से अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक पुद्दुचेरी में इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच सीरीज भी प्रस्तावित है।

इस तरह भारतीय क्रिकेटरों के लिए आने वाला सीजन काफी व्यस्त रहने वाला है और इसी को देखते हुए बीसीसीआई ने सीजन शुरू होने से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर खास जोर दिया है।

महिला हॉकी विश्वकप: अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

एम्सटेलवीन, 30 अगस्त (एजेंसियां)।अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

पिछली हार का चुकाया बदला

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप

ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

कप्तान ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेंनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

सुनील छेत्री को मौजूदा भारतीय टीम से ईर्ष्या! ब्राजील-उरुग्वे से टीम इंडिया की भिड़ंत पर क्या बोले?

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के लिए सितंबर का महीना बेहद खास होने वाला है। टीम को ब्राजील और उरुग्वे जैसी विश्व फुटबॉल की दिग्गज टीमों के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिलेगा। भारत के पूर्व कप्तान और देश के महान फुटबॉलरों में शामिल सुनील छेत्री भी इन मुकाबलों को लेकर काफी उत्साहित हैं।

हालांकि, मौजूदा खिलाड़ियों को यह अवसर मिलता देखकर छेत्री के मन में खुशी के साथ थोड़ा अफसोस भी है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में स्वीकार किया कि उन्हें मौजूदा पीढ़ी के खिलाड़ियों से थोड़ी ईर्ष्या हो रही है, क्योंकि अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्हें कभी ब्राजील या उरुग्वे जैसी टीमों का सामना करने का मौका नहीं मिला।

'मुझे थोड़ी ईर्ष्या होती है'

छेत्री ने कहा कि वह अब एक प्रशंसक के तौर पर भारतीय टीम को

देख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एक दर्शक के तौर पर मुझे थोड़ी ईर्ष्या होती है। अपने 24-26 साल के पेशेवर करियर और करीब 20 साल के राष्ट्रीय टीम के सफर में मुझे ऐसा मौका कभी नहीं मिला।'

भारत के लिए लंबे समय तक कप्तानी करने वाले छेत्री ने कहा कि इन मुकाबलों की खबर सुनकर उन्हें अपने खेल के दिनों की याद आती है। हालांकि, वह चाहते हैं कि मौजूदा खिलाड़ी इस बड़े अवसर को दबाव की तरह न लें और अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करें।

फिटनेस और आत्मविश्वास पर जोर

छेत्री ने उम्मीद जताई कि ब्राजील और उरुग्वे के खिलाफ मुकाबलों के दौरान भारतीय खिलाड़ी फिट रहेंगे और पूरी ऊर्जा के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को सलाह दी कि उन्हें विरोधी टीम की प्रतिष्ठा से प्रभावित होने के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।

उनके मुताबिक, ऐसे बड़े मुकाबले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को परखने और सीखने का महत्वपूर्ण मौका देते हैं। टीम में मौजूद युवा प्रतिभाओं का जिक्र करते हुए छेत्री ने कहा, 'टीम में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं। हर किसी को मौका मिलता है। मुझे भी करीब 20 साल पहले अपना मौका मिला था।'

भारतीय टीम में कुछ खिलाड़ियों के चयन और कुछ नामों को बाहर रखे जाने से जुड़े सवालों पर भी छेत्री ने कोच और उनके सहयोगी स्टाफ का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम की जरूरत और रणनीति को सबसे अच्छी तरह कोच ही समझ सकते हैं। छेत्री ने कहा, 'इसका जवाब कोच को देना है। अब मैं भी बाकी लोगों की तरह एक प्रशंसक हूं और टीम को देख रहा हूं।'

वापसी के सवाल पर किया मजाक

हाल ही में दोबारा अभ्यास शुरू करने वाले छेत्री ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की किसी भी संभावना को मजाकिया अंदाज में खारिज कर दिया। उन्होंने अपनी मौजूदा फिटनेस का जिक्र करते हुए कहा, 'मैंने सिर्फ 20 मिनट ट्रेनिंग की है। अब मैं करीब 42 साल का हूं। ठीक से दौड़ भी नहीं पाता और काफी मुश्किल हो रही है।' राष्ट्रीय टीम से दूर होने के बावजूद छेत्री का मौजूदा खिलाड़ियों पर भरोसा कायम है। उनका मानना है कि अब युवा खिलाड़ियों का समय है और ब्राजील-उरुग्वे जैसी टीमों के खिलाफ मिलने वाले मौके को उन्हें यादगार बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

महिला एशिया कप: पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर क्या बोले भारतीय टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार?

दुबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। महिला एशिया कप 2026 में रविवार का दिन क्रिकेट फैंस के लिए रोमांचक होने वाला है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय महिला टीम और थाइलैंड के बीच मुकाबला होने वाला है। हालांकि, टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का इंतजार है। दोनों देशों के बीच मुकाबला 5 सितंबर को होना है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से आपसी रिश्ते सहज नहीं हैं। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद क्रिकेट के मैदान पर भी दोनों देशों के बीच दूरियां साफ दिखी हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के कप्तान और टीम (पुरुष और महिला) एक दूसरे के साथ हाथ नहीं मिलाते। एशिया कप 2026 में क्या यह सिलसिला कायम रहेगा या

टूटेगा। इसे लेकर फैंस के मन में सवाल है। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के दौरान क्या भारतीय टीम पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाएगी? इस सवाल का जवाब थाइलैंड के साथ होने वाले मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय टीम के कोच अमोल मजूमदार ने दिया।

उन्होंने कहा, देखिए, हम मैदान पर सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और मैदान के बाहर की चीजों पर हम ध्यान नहीं देते। हम उस दिन सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और जब हम वह मैच खेलेंगे तो इस बारे में बात करेंगे। लेकिन अभी, थाइलैंड के खिलाफ मैच पर ध्यान दे रहे हैं।

थाइलैंड ने टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ की है। अपने पहले मैच में थाइलैंड ने हांगकांग को 6 रन से हराया था। भारतीय टीम का टूर्नामेंट में यह पहला मैच है और निश्चित रूप से थाइलैंड के खिलाफ टीम सावधान रहेगी।

थाइलैंड के खिलाफ मैच से जुड़े सवाल पर मजूमदार ने कहा, ₹हमें टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत पर फोकस करना होगा। हम आक्रामक क्रिकेट खेलते हुए बेहतर परिणाम हासिल करने का प्रयास करेंगे। भारतीय टीम का हाल में टी20 फॉर्मेट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

इस पर मजूमदार ने कहा, हम फॉर्म पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। आप पिछले छह महीनों में टी20 हमारे प्रदर्शन पर बात कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इस टीम में सुधार की बहुत गुंजाइश है। टीम में युवा खिलाड़ी हैं। हम अच्छा और आक्रामक क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

जैस्मिन लंबोरिया ने लड़कों के साथ मुक्केबाजी के अभ्यास से शुरू किया करियर

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है।

जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं।

भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी। इसलिए उन्होंने लड़कों के साथ प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी तकनीक और आत्मविश्वास को और मजबूत

किया। जैस्मिन ने 2021 में दुबई में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसी वर्ष एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रजत पदक और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा लाइटवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अस्ताना में 2025 में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप में जैस्मिन ने गोल्ड मेडल जीत वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सबसे हालिया सफलता है। 25 साल की हो रही जैस्मिन से एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक की उम्मीद है।

फुटबॉलर लिएंड्रो परेडेस ने तोड़ी चुप्पी 10 मैचों से बैन की सजा पर क्या बोले?

भेदभाव, नस्लीय दुर्व्यवहार, टीम के अनुशासन से जुड़े उल्लंघन का मामला

ब्यूनस आयर्स , 30 अगस्त (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर लिएंड्रो परेडेस विश्व कप फाइनल के बाद हुए विवाद को लेकर मिली 10 मैचों की पाबंदी से खुश नहीं हैं। फीफा की अनुशासन समिति ने स्पेन के खिलाफ फाइनल के बाद हुए विवाद में उनकी भूमिका के लिए उन पर 10 मैचों का निलंबन लगाया है। अब परेडेस ने इस सजा को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है और इसे जरूरत से ज्यादा बताया है।

स्पेन ने विश्व कप फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर खिताब जीता था। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किया था। मुकाबले के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तनातनी और विवाद की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसके बाद फीफा ने कई खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

'मुझे लगता है यह सजा ज्यादा है'

बोका जूनियर्स के लिए मुकाबला खेलने के बाद परेडेस ने कहा कि उन्हें 10 मैचों का निलंबन अत्यधिक लगता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अर्जेंटीना फुटबॉल संघ इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है। परेडेस ने कहा, 'यह अतिशयोक्तिपूर्ण लगता है। अजीब बात यह भी है कि गावी को एक मैच मिला, जबकि उसने ही मेरे सीने पर मुक्का मारा था। लेकिन अब यही फैसला है। हमें सजा के खिलाफ अपील करनी होगी। जो लोग इन चीजों को समझते हैं, वे देखेंगे कि इसे पलटा जा सकता है या नहीं। मेरे लिए यह अत्यधिक है और मुझे लगता है कि इसे कम किया जा सकता है।'

गावी को सिर्फ एक मैच का बैन

परेडेस ने खास तौर पर स्पेन के युवा खिलाड़ी गावी की सजा पर सवाल उठाया। फीफा ने गावी पर एक मैच का निलंबन और 30 हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया है। वहीं परेडेस को 10 मैचों के निलंबन के साथ 90 हजार डॉलर का जुर्माना भुगतना होगा। अर्जेंटीना के एक अन्य खिलाड़ी नाहुएल मोलिना को भी सात मैचों के लिए निलंबित किया गया है और उन पर 90 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। वहीं थियागो अलमाडा को एक मैच का बैन और 30 हजार डॉलर का जुर्माना मिला है। टीम अधिकारी रोबर्टो अयाला पर तीन मैचों का प्रतिबंध और 30 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

AFA पर भी लगा भारी जुर्माना

फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल संघ पर भी 3,21,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई भेदभाव, नस्लीय दुर्व्यवहार, टीम के अनुशासन से जुड़े उल्लंघन और स्टेडियम में सुरक्षा एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने में नाकामी समेत कई नियमों के उल्लंघन के कारण की गई। इसके अलावा अर्जेंटीना को अपने अगले दो घरेलू मुकाबले 50 प्रतिशत दर्शक क्षमता के साथ खेलने का आदेश दिया गया है। फीफा ने जुर्माने में से 1,00,000 डॉलर को भेदभाव के खिलाफ जागरूकता और रोकथाम से जुड़े कार्यक्रम में लगाने का निर्देश भी दिया है। हालांकि, सजा के एक हिस्से को परिवीक्षा अवधि के तहत निलंबित किया गया है।

अपील का रास्ता खुला

फीफा के मुताबिक संबंधित पक्षों को गुरुवार को फैसले की जानकारी दे दी गई थी और उनके पास फैसले का विस्तृत कारण मांगने के लिए 10 दिन का समय है। इसके बाद फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद 61 के तहत इन फैसलों के खिलाफ अपील की जा सकती है। परेडेस की 10 मैचों की पाबंदी अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के अगले मुकाबलों पर लागू होगी। ऐसे में अगर अपील से सजा कम नहीं होती है तो अर्जेंटीना को आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में अपने अनुभवी मिडफील्डर के बिना मैदान पर उतरना पड़ सकता है।

यूएस ओपन में न्यूयॉर्क की 'नशीली हवा' से परेशान खिलाड़ी, कैटी बोल्टर बोलीं- ध्यान भटकता है

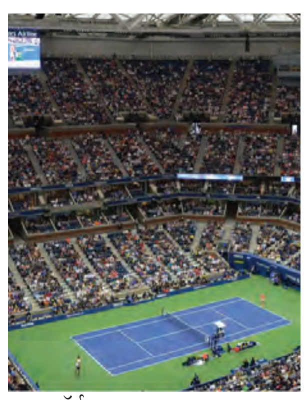

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त (एजेंसियां)। यूएस ओपन 2026 का मुख्य ड्रॉ रविवार से शुरू होने जा रहा है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने न्यूयॉर्क में कैनबिस (गांजे) की तेज गंध को लेकर चिंता जताई है। ब्रिटेन की नंबर-1 खिलाड़ी कैटी बोल्टर समेत कई खिलाड़ियों का कहना है कि मैच और अभ्यास के दौरान आसपास से आने वाली इस गंध से उनका ध्यान भटकता है। न्यूयॉर्क में 21 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए इस नशीले पदार्थ का सेवन कानूनी है। यूएस ओपन का आयोजन यूएसटीए बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर में होता है, जिसके आसपास के इलाकों से कई बार नशीली गंध टेनिस कोर्ट तक पहुंच जाती है।

'मैच के बीच में यह गंध नहीं चाहिए'

दुनिया की 60वें नंबर की खिलाड़ी कैटी बोल्टर ने बताया कि अभ्यास के दौरान उन्हें नशीली गंध कई बार महसूस होती है। उन्होंने कहा कि वह इसकी प्रशंसक नहीं हैं और मैच के दौरान ऐसी गंध उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आएगी। बोल्टर ने कहा, 'मैं इसकी बहुत बड़ी प्रशंसक नहीं हूं। मुझे पता है कि कई खिलाड़ियों ने कुछ खास कोर्ट को लेकर शिकायत की है। मैं पहले भी ऐसे कोर्ट पर खेल चुकी हूं और अपने मैच के दौरान भी इसकी गंध महसूस की थी।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही होती हूं और फिर यह आपको उस पल से बाहर कर देता है। आपको किसी तरह के भटकाव की जरूरत नहीं होती। इसलिए मैं इसकी बड़ी प्रशंसक नहीं हूं।' बोल्टर रविवार को अमेरिका की वाइल्डकार्ड खिलाड़ी कैरोल यंग सुह ली के खिलाफ अपने यूएस ओपन अभियान की शुरुआत करेंगी।

फ्रैन जोन्स ने सुनाया पिछले साल का अनुभव

ब्रिटेन की एक और खिलाड़ी फ्रैन जोन्स ने भी नशीले पदार्थ की गंध को लेकर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि पिछले साल पहले दौर के मैच के दौरान उन्होंने मजाक में एक अधिकारी से पूछा था कि क्या कोर्ट के आसपास ऐसी गंध आना सामान्य है। जोन्स ने कहा कि उनका मैच स्टेडियम में था और वह पार्क के बिल्कुल पास है। अधिकारी ने उन्हें बताया कि ऐसी स्थिति सामान्य है।

यूएसटीए ने कहा- हम सतर्क हैं

यूएस ओपन की आयोजक संस्था यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन (यूएसटीए) ने भी खिलाड़ियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया दी है। संगठन का कहना है कि टूर्नामेंट परिसर के बाहर होने वाली गतिविधियों पर उसका नियंत्रण नहीं है, लेकिन वह इस मामले को लेकर सतर्क है। यूएसटीए ने एक बयान में कहा कि वह 'यूएसटीए बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर के बाहर क्या होता है, उसे नियंत्रित नहीं कर सकती, लेकिन इस मामले को लेकर लगातार सतर्क है।'

अज़ामाबाद की 500 करोड़ रुपये की जमीन निजी व्यक्ति को देने की साजिश : हरीश राव

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद के आरटीसी क्रॉस रोड्स, अज़ामाबाद में स्थित करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की तेलफेड की सरकारी जमीन निजी व्यक्ति को सौंपने की तैयारी कर रही है। इस मामले में उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को खुला पत्र लिखकर फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

हरीश राव ने कहा कि दशकों से सरकार के नियंत्रण में रही संपत्ति को कथित तौर पर कमीशन के लिए निजी हाथों में सौंपने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खुले बाजार में करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की 3 एकड़ 23 गुंटे यानी 15,984 वर्ग गज जमीन को मात्र 87 करोड़ रुपये में निजी व्यक्ति को देने की साजिश की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकारी संस्था तेलफेड स्वयं 87 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए तैयार है, तो उसे नजरअंदाज कर जमीन निजी व्यक्ति को क्यों दी जा रही है। हरीश राव ने दावा किया कि 1987 में उच्चतम न्यायालय ने भी निजी संस्था के दावे को खारिज करते हुए जमीन पर सरकार के अधिकार को स्पष्ट किया था। पूर्व मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद वह कीमती सरकारी जमीनों को निजी लोगों के हवाले कर रही है।

उन्होंने कहा कि अज़ामाबाद की जमीन का मामला अकेला नहीं है, बल्कि कोकापेट, रायदुर्ग और गच्चीबोवली में भी सरकार पर रियल एस्टेट कारोबार चलाने जैसे आरोप लग रहे हैं। हरीश राव ने मुख्यमंत्री से तत्काल कथित आवंटन रद्द कर जमीन तेलफेड को वापस देने और उसे फ्रीहोल्ड अधिकार प्रदान करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो भारत राष्ट्र समिति जनता की संपत्ति की रक्षा के लिए बड़ा आंदोलन करेगी।

24.35 करोड़ रुपये से अमृत स्टेशन के रूप में विकसित हो रहा विकाराबाद रेलवे स्टेशन : किशन रेड्डी

विश्वस्तरीय सुविधाओं से रेल सफर का अनुभव भी बेहतर होगा : कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की

विकाराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को विकाराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर वहां चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान चेवेल्ला के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, सिकंदराबाद मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आर. गोपालकृष्णन सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने स्टेशन के निर्माणाधीन हिस्सों का दौरा कर स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, 12 मीटर चौड़े पैदल पुल, पार्किंग और स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थल पर यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे इंतजामों की भी जानकारी ली। बाद में मीडिया से बातचीत में किशन रेड्डी ने बताया कि 24.35 करोड़ रुपये की लागत से विकाराबाद रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधाओं, सुगम आवागमन और स्टेशन के समग्र वातावरण में सुधार करना है। परियोजना के

तहत 12 मीटर चौड़ा पैदल पुल, लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियां, आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर स्टेशन परिसर, प्रवेश द्वार और भवन के अग्रभाग का सुधार तथा आधुनिक प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। किशन रेड्डी ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों का 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान तेलंगाना के रेलवे नेटवर्क में व्यापक बदलाव आया है। राज्य में नई रेल लाइनों, दोहरीकरण, तीसरी लाइन, बाईपास लाइन, स्टेशन पुनर्विकास, विद्युतीकरण और सुरक्षा से संबंधित कई परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने बताया कि स्वदेशी तकनीक से विकसित स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली 'कवच' को तेलंगाना में पहली बार लागू किया गया था और विभिन्न रेल मार्गों पर इसे कवच 4.0 में उन्नत करने का काम जारी है।

हैदराबाद और सिकंदराबाद से विशाखापत्तनम, तिरुपति, बेंगलुरु और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली पांच वंदे भारत रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हैदराबाद के आसपास क्षेत्रीय रिंग रोड के बाहरी हिस्से के साथ प्रस्तावित क्षेत्रीय रिंग रेल के लिए 400 किलोमीटर के अंतिम स्थान सर्वेक्षण को वर्ष 2023 में मंजूरी मिली थी। इसके उत्तरी हिस्से का लाइडार सर्वे पूरा कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सौंप दी गई है, जबकि दक्षिणी हिस्से के रेल मार्ग का सरेखण अंतिम चरण में है। सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकाराबाद स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलने के साथ उनके रेल सफर का अनुभव भी बेहतर होगा। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल ने केंद्रीय मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बाद में किशन रेड्डी और सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने स्टेशन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अगले विधानसभा चुनाव में विकाराबाद की तीनों सीटें जीतेगी भाजपा : केंद्रीय मंत्री

तांडूर, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी विकाराबाद जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और जनता की समस्याओं के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया।

तांडूर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने विकाराबाद जिला भाजपा अध्यक्ष के रूप में रमेश की नियुक्ति का स्वागत किया और उनके नेतृत्व में पार्टी को और मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने टाइगर नरेंद्र, बद्दम बाल रेड्डी और कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के कार्यकाल में क्षेत्र में भाजपा को मिले जनसमर्थन का उल्लेख किया। किशन रेड्डी ने कहा कि वर्ष 1980 में भाजपा की स्थापना के समय उन्होंने सर्वेश्वर रेड्डी और बाल रेड्डी के साथ पार्टी का पहला झंडा थामा था। उन्होंने कहा कि तांडूर की जनता के बीच भाजपा का मजबूत आधार रहा है और मजलिस के खिलाफ संघर्ष कर पार्टी ने जीत हासिल की है। कार्यकर्ता सामूहिक प्रयास करें तो बड़ी सफलता संभव है।

नाबालिगों को सिगरेट बेचने पर पान दुकान संचालक और कर्मचारी पकड़े गए

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स ने सिकंदराबाद के ओल्ड बोइनपल्ली में नाबालिगों को कथित तौर पर सिगरेट बेचने के आरोप में पान दुकान संचालक और उसके कर्मचारी को पकड़ लिया। पुलिस ने दुकान से करीब 60 हजार रुपये मूल्य के सिगरेट और तंबाकू उत्पाद बरामद किए। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने के बाद ईगल फोर्स के जवानों ने संबंधित क्षेत्र में 22 बार निगरानी की।

इस दौरान 30 अगस्त को 14 और 17 वर्ष की उम्र के दो नाबालिग कथित रूप से दुकान से सिगरेट खरीदते पाए गए। इस पूरी घटना को प्रमाण के तौर पर वीडियो में रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद ईगल फोर्स की टीम ने मल्काजगिरी पुलिस आयुक्तालय के बोइनपल्ली पुलिस के साथ मिलकर लिमरा पान महल पर छापा मारा। पुलिस ने दुकान संचालक 65 वर्षीय मोहम्मद यूसुफ उद्दीन गौरी और उसके 19 वर्षीय कर्मचारी मोहम्मद रेहान अली को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने करीब 10 ब्रांड के सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद बरामद किए। इनकी अनुमानित कीमत 60 हजार रुपये बताई गई है।

पकड़े गए दोनों आरोपियों और जब्त सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बोइनपल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

फिल्मनगर में आग लगने से छह कारें जलकर खाक

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात हैदराबाद के फिल्मनगर में जर्नलिस्ट कॉलोनी के हुडा एन्क्लेव में एक रिहायशी इमारत के बेसमेंट में आग लगने से छह कारें जलकर खाक हो गईं। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग को घटना की सूचना मिली और पंजगुट्टा, जुबली हिल्स और अन्नपूर्णा स्टूडियो से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं।

इमारत में पहुंचने पर दमकलकर्मियों को अंदर 15 लोग मिले। आग बुझाने का काम शुरू करने से पहले दमकलकर्मियों ने सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बेसमेंट में खड़ी गाड़ियों को अपनी चपेट में लेने वाली आग पर मिलकर कोशिशों के बाद काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि आग में सभी छह कारें जलकर खाक हो गईं। दमकल अधिकारियों ने कहा कि दमकलकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से जान-माल का नुकसान टल गया और निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

ओवैसी की तरह भाजपा को भी बंडी संजय से इस्तीफा लेना चाहिए : डॉ प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के राज्य महासचिव डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों की कड़ी निंदा करती है और हमेशा उनके पक्ष में खड़ी रहेगी।

उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के बयानों को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि भारत राष्ट्र समिति पर टिप्पणी करने से पहले भाजपा को अपने इतिहास पर नजर डालनी चाहिए। डॉ. प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा के केंद्रीय मंत्री के बेटे बंडी भगीरथ से जुड़े नाबालिग लड़की के मामले में राज्यभर में धरने हुए, लेकिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव उनमें शामिल क्यों नहीं हुए और उन्होंने बंडी संजय के इस्तीफे की मांग क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, एमआईएम विधान परिषद सदस्य मिर्जा रहमत बेग से जुड़े मामले में पीड़ित लड़की सामने नहीं आई थी।

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल होने की जानकारी मिलते ही एमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने तत्काल रहमत बेग से इस्तीफा लेकर उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। उन्होंने कहा कि रहमत बेग के खिलाफ पुलिस थाने में पीड़ितों की ओर से कोई शिकायत नहीं हुई और न ही प्राथमिकी दर्ज हुई। हालांकि, रहमत बेग ने अपने खिलाफ कथित रूप से गहरे फर्जी वीडियो बनाकर झूठा प्रचार करने की शिकायत की है और साइबर अपराध थाने में प्राथमिकी संख्या 554/2026 दर्ज हुई है।

हैदराबाद को लूटने की साजिश है कांग्रेस का 'क्योर', जनता के लिए अभिशाप : रामचंदर राव

मेडचल-मलकाजगिरी जिले के नए कार्यालय का उद्घाटन

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार हैदराबाद महानगर को लूटने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम कानून में बदलाव कर 'कोर अर्बन रीजन' (क्योर) के नाम से लाई जा रही व्यवस्था जनता के लिए अभिशाप साबित होगी।

मेडचल-मलकाजगिरी शहरी जिला भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष गिरिवर्धन रेड्डी के शपथ ग्रहण और नए जिला कार्यालय के उद्घाटन समारोह में रामचंदर राव ने कहा कि क्योर व्यवस्था लागू होने से नगरसेवकों का महत्व समाप्त हो जाएगा और महापौर के अधिकार भी सीमित हो जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पूरी सत्ता अपने हाथों में केंद्रित करना चाहते हैं, जिससे आम और मध्यम वर्ग पर करों का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सत्ता में आते ही हाइड्रा के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्ग के मकानों को गिराया

तथा औद्योगिक और सरकारी जमीनों को रियल एस्टेट कारोबार में बदलने का काम किया। रामचंदर राव ने दावा किया कि पूर्व बीआरएस सरकार 15 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार थी, जबकि कांग्रेस शासन में यह कथित तौर पर 30 प्रतिशत कमीशन तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस के शासन से जनता परेशान है और भाजपा को विकल्प के रूप में देख रही है। रामचंदर राव ने एक सर्वे का हवाला देते हुए दावा किया कि तेलंगाना में भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव में 8 से 10 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने राज्य में नशीले पदार्थों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि ड्रग्स के मामले 43 प्रतिशत बढ़ना सरकार की विफलता है। उन्होंने युवाओं और छात्रों के भविष्य के लिए 'नशामुक्त भारत' के लक्ष्य के साथ काम करने का आह्वान किया। रामचंदर राव ने बताया कि भाजपा सितंबर में कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेगी। 5 और 6 सितंबर को 22-ए भूमि नियमों को रद्द करने की मांग को लेकर इंदिरा पार्क में दो दिवसीय महाधरना तथा 7 सितंबर को लंबित छात्र शुल्क प्रतिपूर्ति जारी करने की मांग को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में महाधरना आयोजित किया जाएगा।

मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जीएचएमसी का निगरानी अभियान तेज

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त ने मुख्यालय स्थित बैठक कक्ष में सार्वजनिक स्वास्थ्य, मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम तथा कीटविज्ञान संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की।

बैठक में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के अतिरिक्त आयुक्त, सभी जोनल आयुक्त, उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रेड्ड्या नाइक, राष्ट्रीय कीट स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान के डॉ. शक्तिवेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, महानगरीय निगरानी इकाई तथा सभी सर्किलों के सहायक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए। आयुक्त ने शहर में मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति की समीक्षा करते हुए मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए निगम की ओर से किए जा रहे उपायों की जानकारी ली।

बैठक में मच्छरों की वैज्ञानिक निगरानी मजबूत करने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान करने, रोकथाम के उपायों तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। उस्मानिया विश्वविद्यालय के कीटविज्ञान विशेषज्ञों ने मच्छर नियंत्रण और उनके प्रजनन स्थलों की वैज्ञानिक तरीके से पहचान कर उन्हें समाप्त करने के संबंध में तकनीकी सुझाव दिए। आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निगम के मैदानी कर्मचारियों और स्वास्थ्य विभाग के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जोनल आयुक्तों और सर्किल सहायक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को मैदानी निरीक्षण तेज करने, चिन्हित मच्छर प्रजनन स्थलों पर समयबद्ध कार्रवाई करने तथा नागरिकों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने और पानी जमा होने से रोकने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, वैज्ञानिक निगरानी और मैदानी स्तर पर त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

पीडीएस चावल की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ पीडी एक्ट

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर पुलिस ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत रियायती चावल की अवैध खरीद, परिवहन और कालाबाजारी में कथित रूप से शामिल आदतन अपराधी मोहम्मद रफीक (24) के खिलाफ निवारक निरोध (पीडी) अधिनियम लागू किया है। पुलिस ने बताया कि तलबकट्टा में रहने वाला और सीसीटीवी तकनीशियन के रूप में काम करने वाला रफीक सार्वजनिक वितरण योजना (पीडीएस) का चावल कम दामों पर खरीदता था, उसे बड़ी मात्रा में जमा करता था और व्यावसायिक लाभ के लिए विभिन्न स्थानों पर भेजता था।

आरोप है कि उसकी गतिविधियों के कारण राज्य सरकार और नागरिक आपूर्ति निगम को वित्तीय नुकसान हुआ और पीडीएस प्रणाली कमजोर हुई। रफीक के खिलाफ भवानी नगर, मीरचौक और मेडक टाउन पुलिस स्टेशनों में बीएनएस, आवश्यक वस्तु अधिनियम और संबंधित पीडीएस नियमों के प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने 13 अगस्त, 2026 को सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक गतिविधियों में उनकी बार-बार संलिप्तता का हवाला देते हुए पीडी आदेश जारी किया। आदेश पर कार्रवाई करते हुए, भवानी नगर पुलिस ने शनिवार को रफीक को गिरफ्तार कर हिरासत आदेश का पालन किया और उसे चंचलगुडा केंद्रीय जेल भेज दिया।

मूसारामबाग पुल का काम पूरा, नलगोंडा फ्लाईओवर भी जल्द होगा शुरू

आयुक्त ने फ्लाईओवर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आर. वी. कर्णन ने मुख्य अभियंता, सहायक आयुक्त (स्वच्छता) और निगम के अन्य अधिकारियों के साथ मूसारामबाग पुल तथा नलगोंडा फ्लाईओवर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को मूसीरामबाग पुल के उद्घाटन से संबंधित सभी व्यवस्थाएं तैयार रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके शुरू होने से अंबरपेट से मलकपेट, दिलसुखनगर और नागोल के बीच आवागमन और संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। नलगोंडा फ्लाईओवर का मुख्य हिस्सा भी पूरा हो चुका है। आयुक्त ने अधिकारियों को ए-4 ऊपरगामी मार्ग का काम आज ही पूरा करने तथा चंपापेट की ओर ए-3 साइड रैंप का कार्य अगले 2-3 दिनों में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेष कार्य तेजी से पूरा कर फ्लाईओवर के उद्घाटन की तैयारियां की जाएं।

फ्लाईओवर के चालू होने के बाद चंचलगुडा, सैदाबाद, संतोष नगर, आईएस सदन, ओवैसी अस्पताल, कंचनबाग, चंपापेट और सागर रोड की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को यातायात में काफी राहत मिलने की उम्मीद है। निगम अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ निर्धारित समयसीमा में सभी शेष कार्य पूरे करने के निर्देश दिए गए।

तेलंगाना से जुड़े लोगों की तलाश और शवों की पहचान के लिए विशेष समन्वय

नई दिल्ली, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर तेलंगाना भवन के अधिकारी विदेश मंत्रालय, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास और नेपाल पुलिस के साथ लगातार समन्वय कर रहे हैं। तेलंगाना से जुड़े लोगों की तलाश, उनकी सुरक्षित वापसी तथा मृतकों के शवों की पहचान और स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में सहायता के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, 29 अगस्त को 449 भारतीय नागरिक तिब्बत से नेपाल में प्रवेश कर चुके हैं। वहीं, 30 अगस्त को इसी मार्ग से 397 और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने की व्यवस्था की जा रही है। प्राप्त सूची में अल्ली इलेशा का नाम और पासपोर्ट विवरण तेलंगाना भवन में उपलब्ध अभिलेखों से मेल खाता है। उनके परिवार ने पुष्टि की है कि वे उनके संपर्क में हैं और आज रात करीब 10 बजे हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद है। नेपाल सरकार ने मृतकों के फोटो और प्राथमिक विवरण नेपाल पुलिस के आपदा पोर्टल पर उपलब्ध कराए हैं। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन, गोरखा, तनहुन, नवलपरासी पूर्व, नवलपरासी पश्चिम और काठमांडू जिलों में रखे गए शवों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। नेपाल पुलिस के अनुसार, जहां दृश्य पहचान संभव है, वहां डीएनए जांच अनिवार्य नहीं होगी। मृतक की पहचान और परिजनों से संबंध की पुष्टि होने के बाद शव निकटतम परिजन को सौंपा जाएगा। दृश्य पहचान संभव नहीं होने पर माता-पिता, भाई या बहन जैसे प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों के डीएनए नमूनों का नेपाल की फोरेंसिक प्रयोगशालाओं द्वारा लिए गए नमूनों से मिलान किया जाएगा।

रिश्तेदारों को केवल डीएनए जांच के लिए नेपाल जाने की आवश्यकता नहीं है। उनके निवास स्थान पर तैयार डीएनए प्रोफाइल भी मिलान के लिए भेजे जा सकते हैं। नेपाल पुलिस ऐसे डीएनए प्रोफाइल पहले से ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करने की व्यवस्था पर भी काम कर रही है। शवों की पहचान, सुपुर्दगी और स्वदेश वापसी की विस्तृत प्रक्रिया नेपाल के अधिकारियों द्वारा अंतिम रूप दी जा रही है। तेलंगाना भवन ने परिवारों से अपील की है कि डीएनए जांच कराने या पहचान के लिए नेपाल जाने से पहले तेलंगाना भवन अथवा काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करें। प्रत्येक मामले की जानकारी आधिकारिक पुष्टि के बाद ही संबंधित परिवारों और आम जनता को दी जाएगी।

तेलंगाना में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना

हैदराबाद, 30 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को तेलंगाना के कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। अधिकारियों ने जनता को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। विभाग ने तेलंगाना के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के लिए बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। आदिलाबाद, आसिफाबाद, जगतियाल, मंचरियाल, पेद्दापल्ली और करीमनगर जिलों में मध्यम बारिश की संभावना है। भूपालपल्ली, मुलुगु और महबूबबाद जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। वारंगल, निजामाबाद और भद्राद्री कोठागुडेम जिलों में भी भारी बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। रविवार सुबह से ही शहर में बादल छाए हुए हैं।

अधिकारियों ने निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि दोपहर और रात के दौरान शहर के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश होने की आशंका है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है और जनता से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। उन्होंने लोगों को बारिश और तेज हवाओं के दौरान पेड़ों के नीचे या बिजली के खंभों और होर्डिंग्स के पास शरण लेने से बचने की सलाह दी है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा है। इस बीच, मौसम विभाग ने कहा है कि आंध्र प्रदेश के कई जिलों में, जिनमें तटीय आंध्र और रायलसीमा क्षेत्र शामिल हैं, गरज और बिजली के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.